THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 215 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.9 2080 सोमवार, 23 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

ये दिवाली
10 लाख
के फायदे वाली

FIXED PRICE

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 23 अक्टूबर, 2023 2

युविचार

गुस्से में कभी गलत मत बोलो, मूड तो ठीक हो ही जाता है, पर बोली हुई बातें वापस नहीं आती !

70 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान करेगा पित्ती ट्रस्ट-लोहिया समता न्यास व अग्रवाल सेवा दल

आवेदन पत्र वितरण 26 से

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राम मनोहर लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी रुपये सत्तर लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। आज यहाँ अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त कर रहे 600 विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी 8000 से 27000 रुपये तक की छात्रवृत्ति (निर्धारित नियमानुसार) प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृति सभी धर्म एवं जातियों के विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी! उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति केवल 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ही प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र गुरुवार 26 अक्तूबर से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जाएंगे। आवेदन पत्र केवल विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को विद्यार्थी के आधार कार्ड तथा अंकतालिका की मूल प्रति जांचने के बाद ही दिए जाएंगे। आवेदन पत्र मध्यान्ह 2.00 बजे से सायंकाल 6.00 बजे तक ट्रस्ट के सोमाजीगुडा स्थित कार्यालय, अग्रोहा बैंक हाईकोर्ट, विनय सी अग्रवाल माधापुर, कैलाश केडिया आदर्श नगर, उर्मिला अग्रवाल बंजारा हिल्स, प्रदीप अग्रवाल तंबाकू बाजार, सिकंदराबाद, सुधीर गुप्ता मोजमजाही मार्केट, सुरेंद्र गोयल काचीगुडा से प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र शनिवार 2 नवंबर तक स्वीकार किए जाएंगे। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राम मनोहर लोहिया समता न्यास के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता, सुप्रसिद्ध समाजसेवी शरद बी. पित्ती ने समस्त योग्य विद्यार्थियों से शिक्षा छात्रवृत्ति का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद की कार्यकारिणी की मासिक बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद के कार्यकारिणी सदस्यों ने ऑनलाइन बैठक की। प्रेस को बताते हुए समाज के महासचिव सुनील सिंह ने कहा कि यह मीटिंग आगामी दिवाली मिलन से संबंधित चर्चा हुई। समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई और उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से दिवाली मिलन समारोह के आयोजन हेतु सुझाव देने को कहा।

सभी के सुझावों और चर्चा के उपरांत निर्णय लिया गया कि इस वर्ष ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद अपना दिवाली मिलन समारोह 5 नवंबर 2022 को रविवार के दिन अपने वंशपुरुष भगवान परशुराम के मंदिर जगतग़िर गुट्टा में संपन्न करेगा। इस स्नेह मिलन का आयोजन अपराह्न 3 बजे से होगा जिसमें दीपोत्सव के साथ समाज के सदस्यों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजक कार्यक्रम किए जाएँगे। इन कार्यक्रमों की जिम्मेदारी एवं इससे जुड़ी चीजें तथा पारितोषिक वितरण की ज़िम्मेदारी उपाध्यक्ष अनीता राय के साथ सभी महिला कार्यकारिणी को सौंपी गई।

epaper.vaartha.com

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वर्ष-28 अंक : 215 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.9 2080 सोमवार, 23 अक्टूबर-2023**

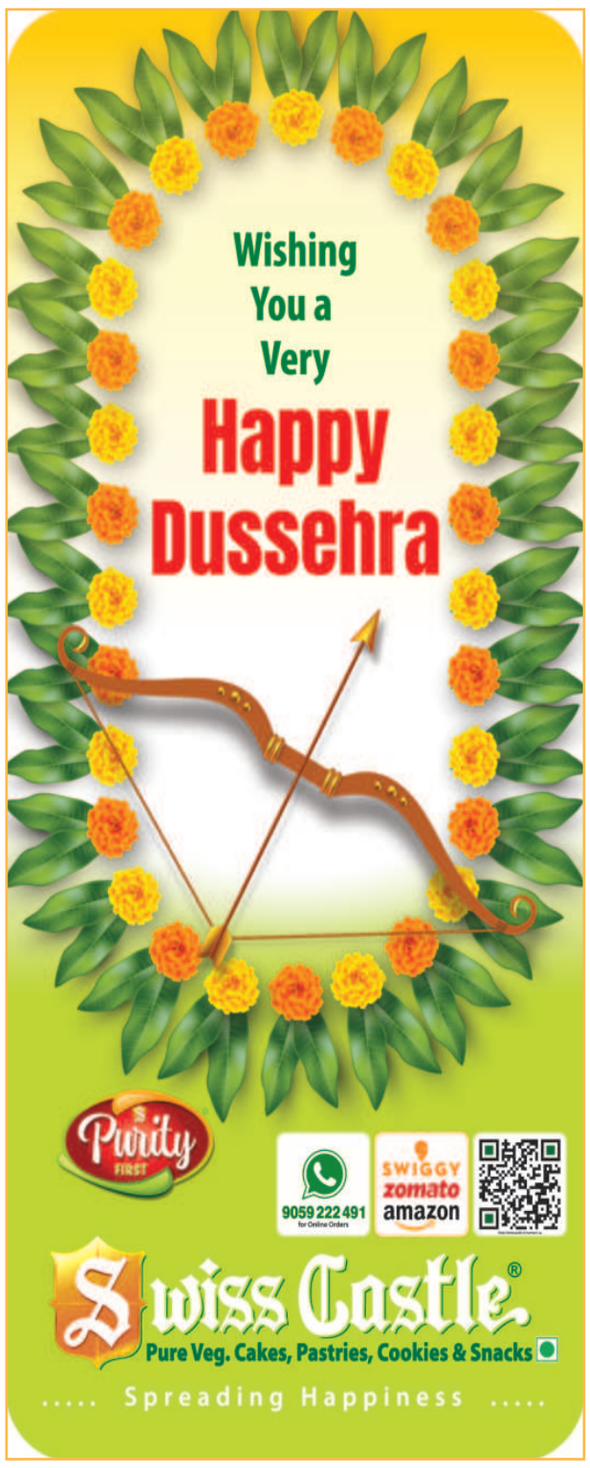

इसरो का प्लान- 2025 तक महिलाएं स्पेस में जाएंगी

सोमनाथ बोले, अगला मिशन 3 दिन का होगा, इसके पहले फीमेल रोबोट भेजी जाएंगी

श्रीहरिकोटा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) 2025 तक महिलाओं को स्पेस में भेजने की प्लानिंग कर रहा है। एजेंसी चीफ एस सोमनाथ ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, हम देश के अंतरिक्ष मानव मिशन में महिला फाइटर जेट पायलट या साइंटिस्ट को भेजना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि 2025 तक हम इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने वाला मिशन लॉन्च कर देंगे। हालांकि यह सिर्फ 3 दिन का होगा। हम अगले साल भेजे जाने वाले मानव रहित गगनयान मिशन में एक फीमेल ह्यूमनॉइड (रोबोटड जो मानव जैसा दिखता है) भी भेज रहे हैं। सोमनाथ ने आगे कहा कि एक ऑपरेशनल स्पेस स्टेशन बनाने की भी तैयारी है। हमारी कोशिश है कि हम 2035 तक इसे लॉन्च कर दें।

इसरो ने 21 अक्टूबर को गगनयान मिशन के क्रू एस्केप सिस्टम की सक्सेसफुल टेस्टिंग की थी। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसे लॉन्च किया गया था। इसे टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) नाम दिया गया था। ये मिशन 8.8 मिनट का था। इस मिशन में 17 किमी ऊपर जाने के बाद सतीश धवन स्पेस सेंटर से 10 किमी दूर बंगाल की खाड़ी में क्रू मॉड्यूल को उतारा गया।

चालबाज चीन की एक और चाल

एलएसी पर हेलीपैड बनाया, बंकर हो रहे तैयार और सड़कों का भी बिछा जाल, साजिश का मुंहतोड़ जवाब दे रही भारतीय सेना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन और भारत के बीच में रिश्ते अभी भी तल्ख बने हुए हैं। कहने को कई स्तर की बातचीत पूरी हो चुकी है, लेकिन फिर भी सीमा पर तनाव कायम है। अब पेंटागन की एक रिपोर्ट बताती है कि चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। उसने अभी भी एलएसी पर अपनी साजिश रचने का काम जारी रखा है। इसी वजह से सीक्रेट हैलीपैड बन गए हैं, सड़कों का जाल भी बिछा है और चोरी-छिपे कई बंकर भी बनाए जा रहे हैं। पेंटागन की इस रिपोर्ट का नाम 'मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलेपमेंट्स इन्वोल्विंग द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' रखा गया है।

दशहरा की शुभकामनाएं

'स्वतंत्र वार्ता' के सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं।

– प्रधान संपादक

अवकाश सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में 23 अक्टूबर को 'स्वतंत्र वार्ता' कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 25 अक्टूबर को प्रकाशित होगा

–प्रबंधक

यूपी के 4000 से ज्यादा मदरसों में विदेशी फंडिंग! योगी सरकार ने उठाया कड़ा कदम

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश भर में चल रहे 4000 से ज़्यादा मदरसों के विदेशी फंडिंग की जांच कराने का फैसला किया है। मदरसों को हो रही विदेशी फंडिंग से धर्मांतरण और देश विरोधी गतिविधियों जैसी शिकायतों को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। एडीजी एटीएस मोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी टीम का गठन किया गया है। टीम में दो अन्य सदस्य एसपी साइबर क्राइम डॉक्टर त्रिवेणी सिंह और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की निदेशक जे।रीभा को शामिल किया गया है। एसआईटी टीम इस बात की जांच करेगी कि कितनी रकम कहां से भेजी गई है और रकम खर्च किन मदों में किया गया।

आजम खां हरदोई और अब्दुल्ला सीतापुर जेल भेजे गए

रामपुर में ही रहेंगी डॉ. तजीन

रामपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में सात-सात साल की सजा काट रहे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को रामपुर जेल से शिफ्ट कर दिया गया है। उनकी शिफ्टिंग के आदेश प्रशासन को शनिवार को मिल गए थे। रविवार सुबह दोनों को जेल से जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां जांच के उनको दूसरे जगह के लिए रवाना कर दिया गया। दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में एमपीएलए कोर्ट ने बुधवार को सपा नेता आजम खां, उनकी पत्नी डॉ। तजीन फात्मा और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां को सात-सात साल की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने तीनों पर 50 हजार रुपये

का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाए जाने के बाद कोर्ट ने उनको जेल भेजने के आदेश कर दिए थे, जिसके बाद पुलिस ने उनको रामपुर जेल में भेजा था। शुरू से ही यह आशंका जाहिर की जा रही थी कि तीनों को दूसरे जिले की जेल में शिफ्ट किया जा सकता है। इसको लेकर पुलिस प्रशासन से लेकर जेल प्रशासन तक अपनी रिपोर्ट भेज चुका था। शनिवार की रात में आजम और अब्दुल्ला को रामपुर से बाहर भेजने का आदेश पुलिस प्रशासन को मिल गया। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि सपा नेता आजम खां को हरदोई जेल में शिफ्ट किया जाएगा, जबकि उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सीतापुर जेल भेजा जाएगा। इसके अलावा डॉ। तजीन फात्मा को रामपुर जेल में ही रखने के आदेश मिले हैं। दूसरी ओर आदेश मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने हरदोई व सीतापुर भेजने की तैयारी शुरू कर दी थी। रविवार को दोनों को रामपुर जेल से दूसरी जेलों में शिफ्ट करने के लिए रवाना कर दिया।

सीतापुर जेल से अब्दुल्ला आजम का पुराना नाता

सीतापुर जेल से सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम का पुराना नाता रहा है। वह यहां करीब ढाई साल तक सीतापुर जेल में रह चुके हैं। सपा नेता आजम खां ने अपने परिवार समेत 26 फरवरी 2020 को गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद कोर्ट में सरेंडर किया था। उनके साथ उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां और पत्नी डा।तजीन फात्मा भी रही थीं। तीनों को उस वक्त सीतापुर में जेल में रखा गया था। करीब ढाई साल पहले अब्दुल्ला आजम सीतापुर जेल से जमानत पर रिहा हुए थे। इससे पहले उनकी मां तजीन फात्मा रिहा हुई थीं। साथ ही सबसे बाद में 27 माह बाद सपा नेता आजम खां जेल से जमानत पर रिहा हुए थे। सीतापुर जेल अब्दुल्ला के लिए पुरानी है।

आजम के लिए हरदोई जेल होगी नई

सपा नेता आजम खां पहली दफा हरदोई की जेल में रहेंगे। उनका इस जेल से कोई नाता नहीं है। शासन के फैसले के बाद अब उन्हें हरदोई की जेल में रखा जाएगा। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

अकेली रह जाएंगी तजीन फात्मा

रामपुर जेल में अपने पति और बेटे के साथ रह रहीं डा।तजीन फात्मा अब अपने पति और बेटे से दूर हो जाएंगी। शासन ने उनको रामपुर की जेल में ही रखने का फैसला लिया है।

तेजस्वी को उत्तराधिकारी वाले सीएम नीतीश के बयान पर लालू यादव ने दिया जवाब

कहा- 'बहुत ठीक है

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी पटना में इस बार दशहरा के मौके पर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग खूब एंजॉय कर रहे हैं। इसके साथ ही सीएम नीतीश कुमार सहित कई राजनीतिक दिग्गज भी राजधानी पटना में बने पंडालों में मां दुर्गा की आज पूजा अर्चना की। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव भी इस मौके पर पटना की सड़कों पर निकले हुए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज देश में चारों तरफ असत्य ही असत्य है, मैं कामना करता हूं कि सत्य की जीत हो। सीएम नीतीश कुमार द्वारा तेजस्वी यादव को उत्तराधिकारी घोषित करने पर आरजेडी सुप्रीमो ने कहा कि ठीक है, बहुत अच्छा है। सीएम नीतीश कुमार कई बार खुले मंचों से तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर चुके हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को लेकर नीतीश कुमार एक बार फिर खुश दिखे। मुख्यमंत्री ने तेजस्वी यादव के कंधे पर हाथ रखा और कह दिया कि ये बच्चा ही हम लोगों का सब कुछ है। सीएम नीतीश कुमार शनिवार की सुबह बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करने मुख्य सचिवालय पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए यह बात कही है।

नेपाल के बाद गोरखपुर में भूकंप के तेज झटके

कुछ सेकेंड तक कांपी धरती; 5.2 मापी तीव्रता

गोरखपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। गोरखपुर में रविवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह करीब 7:25 पर भूकंप के झटके महसूस हुए। इस दौरान घरों में मौजूद लोग बाहर निकल आए। जानकारी के अनुसार, नेपाल के भरतपुर में सुबह 7:25 पर भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गई। इसके बाद भूकंप के झटके गोरखपुर में भी महसूस किए गए। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण के विशेषज्ञ गौतम गुप्ता ने बताया कि इससे जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तीव्रता और क्या है मापने का पैमाना?

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

बिहार में सुबह-सुबह भूकंप, पटना, गोपालगंज समेत कई जिलों में महसूस किए गए झटके

बिहार में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रविवार की सुबह 7 बजकर 24 मिनट पर भूकंप आया था। पटना, गोपालगंज समेत कुछ जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता कम थी। भूकंप का केंद्र नेपाल के काठमांडू के पास था। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गई है। जबकि गहराई 10 किलोमीटर नीचे रही। दरअसल, रविवार सुबह-सुबह बिहार के कई जिलों में धरती हिली है। मोतिहारी, छपरा, बगहा, सीवान और गोपालगंज समेत कई अन्य जिलों में भी झटके महसूस किए गए हैं। जैसे ही भूकंप के झटके महसूस किए गए, तमाम लोग अपने-अपने घरों से बाहर आ गए।

आरके सिंह ने बिहार सरकार पर साधा निशाना

कहा- बिहार में केवल हत्या, लूट और डकैती, बिना घूस दिए आवास योजना तक नहीं मिलता है

आरा(भोजपुर), 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरा शहर के धनुपरा में देर शाम एक निजी कार्यक्रम के दौरान आरा के सांसद सह केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह पहुंचे] जहां उन्होंने बिहार सरकार पर बड़ा हमला बोला है। आरके सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर तंज कसा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार में आए दिन हत्या होते रहती है। इसी क्षेत्र में करीब चार पांच महीने पहले 14-15 घंटे गोली चली थी। कितने लोग मर गए थे। वहीं उन्होंने कहा कि बिहार में केवल लूट हो जाती है, बैंक डकैती हो जाती है, हत्या हो जाता है।

कांग्रेस और सपा के विवाद में बसपा ने दी पहली प्रतिक्रिया

अखिलेश यादव पर किया बड़ा दावा

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग पर बीसएपी नेता आकाश आनंद ने तंज कसा है। उन्होंने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पिछले दो दिनों से कांग्रेस और सपा में खूब बयानबाजी हो रही है। जिससे यह साफ है कि दोनों दलों के पास बीजेपी से लड़ने का कोई वैचारिक आधार नहीं है। बसपा नेता ने आगे कहा, ये लोग केवल सत्ता पाने के लिए गठजोड़ करने के जुगाड़ में लगे हैं। यूपी में सपा का आधार अब खत्म हो चुका और अखिलेश यादव जी विश्वसनीयता खोते जा रहे हैं। 2022 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी के विरोध में मुस्लिम समाज ने सपा को वोट किया था, लेकिन अब सभी यही मानते हैं कि सपा को वोट देकर गलती हुई।

सपा-कांग्रेस में छिड़ी रार

दरअसल, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाने को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गतिरोध नजर आया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कांग्रेस से सवाल किया था कि वह बताए कि सपा के साथ गठबंधन करेगी या नहीं।

अखिलेश यादव ने पूछे सवाल

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को कांग्रेस धोखे में न रखे क्योंकि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी से लड़ने वाली पहली पार्टी सपा है और कांग्रेस को जब जरूरत होगी तब सपा ही उसके काम आएगी। हमें बता देते कि प्रदेश स्तर पर हमें कोई गठबंधन नहीं करना है। राष्ट्रीय स्तर पर जो चुनाव होगा उसमें ही गठबंधन होगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा बयान

अखिलेश यादव ने कहा कि मैं एक बात पूछता हूं कि अगर आपको गठबंधन नहीं करना था तो हमें (इंडिया गठबंधन की बैठक में) बुलाया ही क्यों था। इसका जवाब तो कोई दें। वहीं कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने कहा था कि मध्य प्रदेश में सपा की कोई हैसियत नहीं है। हम यूपी में सभी लोकसभा सीटों पर तैयारी कर रहे हैं।

नए साल में बरेली शहर को मिलेगी कुतुबखाना फ्लाइओवर की सौगात

डबल शिफ्ट में शुरू हुआ निर्माण

बरेली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुतुबखाना फ्लाईओवर निर्माण को नए साल तक कार्य पूरा करने की डेडलाइन तय हो गई है। हैदाराबाद की कार्यदायी एजेंसी मंटेना इंफ्रा के एमडी और बरेली स्मार्ट सिटी कंपनी की सीईओ के बीच हुए मंथन में डबल शिफ्ट में कार्य करने और श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के लिए कहा गया है। कोहाड़ापीर से कुतुबखाना पुलिस चौकी तक लोगों की भारी आवाजाही के बीच मशीनों से सामान लाना और ले जाना मुश्किल हो रहा है। इसी कारण हादसे का जोखिम उठाकर काम धीमा चल रहा है। लोकसभा चुनाव में कुतुबखाना फ्लाईओवर की वजह से लोगों की नाराजगी न झेलनी पड़े इसको लेकर जनप्रतिनिधियों में खासी बेचैनी है। वह भी चाहते हैं कि नए साल में फ्लावर बनाकर तैयार हो जाए। मंटेना प्रोजेक्ट मैनेजर एमके सिंह का कहना है कि श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर काम तेजी से कराया जा रहा है। रात में जो भी काम है उसको कराया जा रहा है। नए साल तक कार्य पूरा करना है।

'श्रवण कुमार की धरती पर मोहब्बत के लिए तरस रहे माता-पिता', इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी

प्रयागराज, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में एक पिता ने बेटे के रवैये को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पिता ने कोर्ट से गुहार लगाई है कि उनके बेटे उनकों प्रताड़ित कर रहे हैं। प्रताड़ना रोकने और प्यार सम्मान से उनका भरण पोषण करने का आदेश देने की मांग की है। हंडिया निवासी छविनाथ (85) ने याचिका दाखिल करते हुए अपने बेटों के खिलाफ देखभाल न करने और भावनात्मक आश्रय देने की बजाय परेशान करने के साथ ही संपत्ति से बेदखल करने की शिकायत हाईकोर्ट में की थी।

बुजुर्ग ने कोर्ट से लगाई न्याय की गुहार

हंडिया निवासी छविनाथ ने कोर्ट से गुहार लगाई है कि कोर्ट उनके बेटों को आदेश कि वह उनकी देखभाल करें, प्यार सम्मान से उनका भरण पोषण करें। कोर्ट से बेटों की प्रताड़ना रोकने की मांग की है। उनके बेटे उनको प्रताड़ित करते हैं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उनके बेटे उनके साथ बुरा व्यवहार करते हैं। बुजुर्ग पिता ने अपनी शिकायत के समाधान के लिए हंडिया के एसडीएम से भी गुहार लगाई थी। लेकिन उस पर कोई सुनावाई नहीं हुई।

हाईकोर्ट ने की ये टिप्पणी

न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और प्रशांत कुमार ने कहा कि हमारा देश महान संतान श्रवण कुमार की भूमि है, यहां बच्चों से अपने बुजुर्ग माता-पिता की उचित देखभाल करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन पीड़ादायक है कि नैतिक मूल्यों में इस कदर गिरावट आ गई है कि अपना सुख-चैन जिन बच्चों के लिए माता-पिता त्याग कर जीवन खत्म कर देते हैं, वही बच्चे उन्हें बुढ़ापे में दो जून की रोटी और मोहब्बत के लिए तरसा रहे हैं। आजकल कई मामलों में बच्चे अपने माता-पिता से संपत्ति प्राप्त करने के बाद अपने बूढ़े माता-पिता को छोड़ देते हैं। जो न सिर्फ दुखद है, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों में निरंतर आ रही गिरावट का प्रतीक भी है।

एसडीएम से भी लगाई थी गुहार

हाईकोर्ट से गुहार लगाते हुए बुजुर्ग ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने छह महीने पहले मामले की शिकायत हंडिया एसडीएम से की थी। लेकिन आजतक इस मामले में कोई सुनवाई नहीं की गई। वहीं अब इस मामले में कोर्ट ने हंडिया एसडीएम को छह सप्ताह के भीतर शिकायतों पर सभी हितधारकों को सुनने के बाद सख्ती से जरूरी निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।

यूपी सरकार ला सकती है भरण पोषण का प्रस्ताव

उत्तर प्रदेश माता-पिता भरण-पोषण एवं कल्याण नियमावली में संशोधन के प्रस्ताव शीघ्र ही एक बार फिर कैबिनेट के सामने रखे जाएंगे। इसमें माता-पिता भरण पोषण नियमावली में संशोधन के लिए बिंदु 22 पर कुछ और उप नियम जोड़े जाएंगे। प्रस्ताव के अनुसार एसडीएम की अध्यक्षता में गठित ट्रिब्यूनल को यह अधिकार होगा कि, वह माता-पिता का ध्यान न रखने वाले बच्चों को उनकी संपत्ति से बेदखल कर सकें। इस फैसले को लागू करवाने की जिम्मेदारी भी एसडीएम की होगी जिसमें पुलिस भी मदद करेगी।

समधी-समधन का प्यार और खुदकुशी

विरोध न सह सके...तो ट्रेन से कट गए, परिजन करने लगे ये टोका-टाकी

हरदोई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कहते हैं की मोहब्बत में प्यार, रिश्ते और उम्र मायने नहीं रखते। ऐसी ही एक प्रेम कहानी हरदोई जिले के पड़ोसी जनपद के लखीमपुर में प्रेमी युगल समधी-समधन के बीच शुरू हुई। आखिरकार इसका अंजाम दोनों की मौत के रूप में सामने आया। समधी-समधन के बीच परवान चढ़ते प्रेम को जब जमाने ने मान्यता नहीं दी, तो रोज-रोज की टोका-टाकी से आहत होकर दोनों ने ट्रेन के आगे लेट कर जान दे दी। मामला इलाके भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। पिहानी कोतवाली पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा हैं।

गगनयान मिशन में बरेली की बेटी ने किया कमाल

रॉकेट का अहम भाग किया तैयार; पिता और पति ने दी सपने को उड़ान

बरेली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंद्रयान व आदित्य एल वन मिशन के बाद अब गगनयान में भी बरेली की शक्तिस्वरूपा बेटी महत्वपूर्ण भूमिका में है। बरेली के सराफा व्यापारी की बेटी पायल अग्रवाल गगनयान मिशन के मानव रहित पहली टेस्ट फ्लाइट लांच के व्हीकल (रॉकेट) के सुपर कंप्यूटर का सॉफ्टवेयर डिजाइन करने वाली टीम का हिस्सा रही हैं। पायल इन दिनों पति दीपक अग्रवाल के साथ त्रिवेंद्रम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में कार्यरत हैं।

बरेली के साहूकारा निवासी (हाल मिनी बाईपास) सराफा व्यापारी मुरली मनोहर अग्रवाल की बेटी पायल ने बिशप कॉनराड स्कूल से 1995 में 12वीं की। फिर श्री राममूर्ति इंजीनियरिंग कॉलेज (एसआरएमएस) से बीटेक किया था। इसके बाद एसआरएमएस में ही टीचिंग शुरू की।

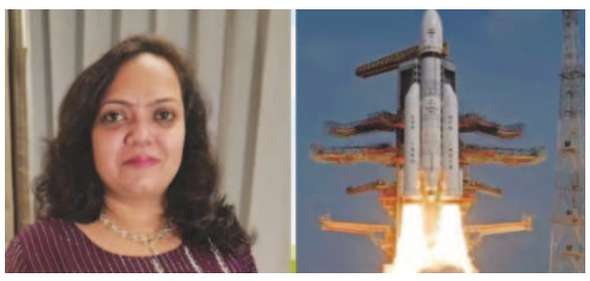

शादी के बाद इसरो में शुरू की नौकरी

2004 में उत्तराखंड के दुगड्डा कोटद्वार निवासी दीपक अग्रवाल से विवाह के बाद 2006 में पति के साथ इसरो में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम शुरू किया। पति इसरो में डिवीजन हेड हैं। वर्ष 2011 में पायल ने आइआइएसएसटी त्रिवेंद्रम से एमटेक किया।

पायल की टीम ने तैयार किया ये खास पार्ट

पायल ने बताया कि गगनयान मिशन लांच किया गया। गगनयान मिशन के टेस्ट व्हीकल एस्ट्रोनॉट को बनाए गए क्रू मॉड्यूल के कंप्यूटर का सॉफ्टवेयर उनकी टीम ने तैयार किया। रॉकेट क्रू मॉड्यूल के एक-एक पुर्जे से जुड़े कंप्यूटर को उनकी टीम के बनाए सॉफ्टवेयर से ही लांच किया है। उन्होंने बताया कि इसरो के किसी भी मिशन के लिए रॉकेट (टेस्ट व्हीकल) को त्रिवेंद्रम स्थित विक्रम साराभाई सेंटर में ही तैयार किया जाता है।

पिता और पति ने दिया सपनों को पर

देश के लिए काम करने की ललक थी पायल कहती है कि मेरे पिता बिजनेसमैन हैं, लेकिन उन्होंने बेटियों को उनकी मर्जी के मुताबिक पढ़ाया। मेरी इच्छा शुरू से इस क्षेत्र में थी। शादी भी यही देखकर की गई। शुरू से देश की सेवा करने की इच्छा थी। उसी के मुताबिक हमें इसरो में काम करने का मौका मिला। पति के इसरो में डिवीजन हेड होने के बाद इसमें और मदद मिली। इससे पहले वह मंगल मिशन, चंद्रयान-1, जीएसएलवी उड़ान के लिए क्रायोजेनिक इंजन के विकास और जीएसएलवी एमके-3 मिशन में भी योगदान दे चुकी है।

दुगड्डा में गोद लिया स्कूल

पायल अग्रवाल ने दुगड्डा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल को गोद लिया है। इस स्कूल में वह बच्चों की पढ़ाई और संसाधनों के विकास के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3, आदित्य एल वन और गगनयान मिशन की सफलता से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि भी जागृत होगी।

महिला सिपाही मर्डर केस

कमरा नंबर 303 में क्या हुआ? मांस के लोथड़े को देखकर दहशत में आ गए ये होटलकर्मी

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के एक होटल में सिपाही शोभा कुमारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि होटल मीनाक्षी के कमरा नंबर 303 में मांस के लोथड़े को देखकर होटलकर्मी दहशत में आ गया था। अगर होटल की तीसरी मंजिल की बात करें, तो उसपर कुल चार कमरे हैं। कमरा नंबर 303 सड़क की तरफ है। दुर्गा पूजा को लेकर सड़क पर लाउडस्पीकर लगाया गया था। बगल के मंदिर में दुर्गा पाठ चल रहा था, जिस कारण लाउडस्पीकर तेज आवाज में बज रहा था। वारदात के वक्त होटल के तीन कर्मचारी ग्राउंड फ्लोर पर थे। उस फ्लोर पर गजेंद्र और शोभा के अलावा कमरा नंबर 301 में एक यात्री ठहरा था। लगभग दस बजे यात्री ने चेकआउट करने के दौरान होटल के कर्मचारियों को बताया कि बगल के कमरे में कुछ आवाजें आ रही थीं।

यूपी में तैयार हो रही देश की पहली महिला कमांडो बटालियन, खतरनाक हथियार से होंगी लैस

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सुरक्षा और आतंकी घटनाओं से निपटने के लिए देश की पहली महिला कमांडो बटालियन उत्तर प्रदेश में तैयार हो रही है। इस बटालियन को यूपी एटीएस में तैयार किया जा रहा है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य होगा जहां, आतंकी घटनाओं से निपटने के लिए महिला कमांडो की तैनाती हो सकती है। इन महिला कमांडो को इस तरह से ट्रेंड किया जा रहा है कि ये कठिन से कठिन परिस्थितियों में दुश्मनों का मात दे सकती हैं। यूपी में तैयार हो रही महिला कमांडो को एके-47 जैसे खतरनाक हथियार से लैस किया जाएगा। इसके साथ-साथ ग्लॉक पिस्टल भी हमेशा इनके साथ रहेगी। इन महिला कमांडो का इस्तेमाल आतंकी घटनाओं के साथ-साथ अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए भी किया जाएगा। यही वजह है कि इन्हें एनएसजी-एसपीजी की तरह ट्रेनिंग दी जा रही है।

सीधे आतंकियों से भिड़ेंगी यूपी की ये बेटियां

यूपी एटीएस के स्पॉट ट्रेनिंग सेंटर यानी स्पेशल पुलिस ऑपरेशन टीम के सेंटर पर ऐसी 30 महिला कमांडो की एक टीम तैयार की जा रही है। पुरुष कमांडो के हर बैच में 6 महिला कमांडो को शामिल किया गया है। ऑपरेशन के दौरान गलॉक पिस्टल, एमपी5, एके-47 जैसे खतरनाक हथियार चलाना हो या फिर किसी बंद कमरे में छिपे आतंकियों को दबोचने की चुनौती, ये महिला कमांडो हर कठिन परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। इन महिला कमांडो को ऊंची इमारतों से रस्सी के सहारे नीचे उतरने की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। दूसरी ओर सीढ़ियों से चढ़कर किसी इमारत को आतंकियों के कब्जे से फ्री करने की भी ट्रेनिंग भी दी गई है। ये महिला कमांडो हर मौसम में और हर कठिन से कठिन परिस्थितियों में ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यूपी की महिला कमांडो में शामिल होने से पहले उम्मीदवारों को कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ा था। अधिकारियों की एक टीम प्रदेश की सिविल और पीएसी में तैनात कुछ महिला कांस्टेबल को कमांडो ट्रेनिंग के लिए चुना था। इसके बाद इन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग के दौरान इन्हें हर तरह के हथियार को चलाने और किसी भी स्थितियों से धैर्य पूर्वक निपटने के गुर सिखाए जा रहे हैं। स्पॉट ट्रेनिंग सेंटर में चार महीने बिताने के बाद इन महिला कमांडो को माउंटेनियरिंग पैराग्लाइडिंग की ट्रेनिंग के लिए केंद्रीय सुरक्षा बल के ट्रेनिंग सेंटर भेजा जाता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 215 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.9 2080 सोमवार, 23 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भाजपा की पहली लिस्ट जारी

4 में से 3 सांसदों को टिकट, टी. राजा सिंह गौशमहल से चुनाव लड़ेंगे

गौशमहल से चुनाव लड़ेंगे इकलौते विधायक टी राजा

भाजपा ने राज्य के फायर ब्रांड हिन्दूवादी नेता टी राजा सिंह को गौशमहल से प्रत्याशी बनाया है। वे अभी इसी सीट से विधायक हैं। पिछले साल टी राजा पर धार्मिक भवनाओं को भड़काने का आरोप लगा था। उन्होंने पैगंबर मोहम्मद को लेकर अपमानजनक कमेंट किया था। उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। इसके बाद वह पार्टी से सस्पेंड कर दिए गए थे। अब आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने उनकी सदस्यता बहाल कर दी है।

बंडी संजय, राजा सिंह, राजेन्द्र इटेला टिकट

नई दिल्ली/हैदराबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 52 कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट आज जारी कर दी है। पार्टी ने राज्य में अपने 4 में से 3 सांसदों को टिकट दिया है। इसके अलावा राज्य में भाजपा के इकलौते विधायक टी राजा सिंह को भी टिकट मिला है।

टी राजा को अगस्त 2022 में सस्पेंड किया गया था। भाजपा ने लिस्ट जारी करने से थोड़ी देर पहले उनका निलंबन रद्द कर दिया। इनके अलावा 13 महिलाओं को भी चुनावी मैदान में उतारा गया है। तेलंगाना की 119 सीटों पर 30 नवंबर को चुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने 9 अक्टूबर को तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में मतदान के तारीख की घोषणा की थी। पांचों राज्यों में 3 दिसंबर को चुनाव के नतीजे आएंगे।

तेलंगाना भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को करीमनगर से टिकट

भाजपा ने सांसद और पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार को करीमनगर से टिकट दिया है। इसके अलावा सांसद सोयम बापू राव को बोआथ और धर्मापूरी अरविंद को कोरातला से प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के चौथे सांसद केंद्रीय मंत्री और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को लेकर अभी कोई फैसला नहीं आया है।

2018 में भाजपा को सिर्फ एक सीट मिली, अभी 3 विधायक

तेलंगाना में 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ एक सीट मिली थी। कांग्रेस के खाते में 19 सीटें आई थीं। मौजूदा मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी टीआरएस (2022 को पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया गया) को सबसे ज्यादा 88 सीट मिली थीं।

मौजूदा स्थिति की बात करें तो सत्ताधारी पार्टी बीआरएस के पास इस वक्त 119 विधानसभा सीटों में से 101 विधायक हैं। वहीं असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पास 7 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास पांच, भाजपा के पास तीन, एआईएफबी के पास एक, एक नॉमिनेटेड और एक निर्दलीय विधायक है।

तेलंगाना में कांग्रेस 55 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी

कांग्रेस 15 अक्टूबर को तेलंगाना में 55 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। तेलंगाना विधानसभा का कार्यकाल 16 जनवरी 2024 को खत्म होने वाला है। यहां पिछली बार दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव हुए थे और तेलंगाना राष्ट्र समिति ने सरकार बनाई थी। चंद्रशेखर राव दूसरी बार सीएम बने थे।

अमित शाह के जन्मदिन पर पीएम मोदी का खास संदेश

कहा- उन्होंने प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अपना 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास संदेश दिया है। पीएम मोदी ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अमित शाह की तारीफ करने के साथ उनके कामों की सराहना की है। उन्होंने कहा, अमित जी को जन्मदिन का हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने भारत के सुरक्षा तंत्र को बढ़ाने और सहकारी क्षेत्र को और विकसित करने में उल्लेखनीय योगदान देकर एक उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने आगे कहा, वह भारत की प्रगति और गरीबों के लिए बेहतर जीवन को सुनिश्चित करने के लेकर उत्साहित रहते हैं। भाजपा को मजबूत करने में उनकी भूमिका सराहनीय है।

ड्यूटी के दौरान पहली बार अग्निवीर की जान गई

20 हजार फीट की ऊंचाई पर तैनात थे अक्षय लक्ष्मण, सेना ने श्रद्धांजलि दी

सियाचिन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सियाचिन में तैनात अग्निवीर अक्षय लक्ष्मण की एक ऑपरेशन के दौरान जान चली गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लक्ष्मण ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले देश के पहले अग्निवीर हैं। लक्ष्मण भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर का हिस्सा थे।

भारतीय सेना ने लक्ष्मण को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया, हालांकि उनके नाम के आगे शहीद नहीं लिखा। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने लिखा, सेना सियाचिन की कठिन ऊंचाइयों पर ड्यूटी के दौरान अग्निवीर (ऑपरेटर) गावते अक्षय लक्ष्मण के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करती है।

अग्निवीरों को शहीद का दर्जा देने को लेकर पिछले दिनों काफी विवाद रहा था। 11 अक्टूबर को अग्निवीर अमृतपाल सिंह ने सुसाइड कर लिया था। जिसके चलते सेना ने उन्हें राजकीय सम्मान नहीं दिया। इस पर काफी विवाद हुआ। सेना को तीन दिन बाद बयान जारी करना पड़ा। सेना ने कहा, अमृतपाल ने ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मार ली थी। अमृतपाल के अंतिम संस्कार में गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया गया, क्योंकि खुद को पहुंचाई गई चोटों से होने वाली मौत के मामले में यह सम्मान नहीं दिया जाता है।

महुआ मोइत्रा विवाद से टीएमसी ने दूरी बनाई

जो कॉन्ट्रोवर्सी से घिरा, वही बात करे तो ठीक, निशिकांत दुबे ने लोकपाल से शिकायत की

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़े विवाद पर कोई बात करने से पार्टी ने इनकार कर दिया है। महुआ पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने संसद में अडाणी ग्रुप से जुड़े सवाल पूछने के लिए बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी से पैसे लिए।

इन आरोपों को लेकर टीएमसी के पश्चिम बंगाल के जनरल सेक्रेटरी और प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी को इस मामले में कुछ नहीं कहना है। हमें लगता है कि जो इंसान इस विवाद में घिरा है, वही इस पर बात करने के लिए सबसे सही व्यक्ति है। एक अन्य टीएमसी नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पार्टी लीडरशिप किसी भी तरह की कॉन्ट्रोवर्सी में नहीं पड़ना चाहती है, इसलिए पार्टी इस मामले से

दूरी बनाकर चलेगी।

भाजपा बोली, टीएमसी साफ करे, महुआ के साथ हैं या नहीं :

तृणमूल पार्टी के ऐसे बयान को लेकर भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी ऐसे अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती है। उन्होंने कहा कि जब भी टीएमसी नेता गिरफ्तार होते हैं या किसी विवाद में घिरते हैं तो पार्टी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेती है। पार्टी को ये बताना होगा कि वह महुआ मोइत्रा को सपोर्ट करती है या नहीं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को महुआ पर एक और गंभीर आरोप लगाया। निशिकांत ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा, कुछ पैसे के लिए एक सांसद ने देश की सुरक्षा को गिरवी रख दिया। मैंने इसे लेकर लोकपाल से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि दुबई से संसद की आईडी खोली गई, जबकि उस वक्त वो कथित सांसद भारत में ही थीं। इस नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) पर पूरी भारत सरकार है। देश के प्रधानमंत्री, वित्त विभाग, केन्द्रीय एजेंसी यहां हैं। क्या अब भी टीएमसी व विपक्षी दलों को राजनीति करनी है।

शांति निकेतन की यूनेस्को टैग पट्टिकाओं से टैगोर का नाम गायब

टीएमसी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित विश्वभारती विश्वविद्यालय ने शांति निकेतन को यूनेस्को धरोहर स्थल के रूप में वर्णित करने वाली तीन पट्टिकाएं स्थापित कीं। अब इसको लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। बताया जा रहा है कि इन पट्टिकाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुलपति बिद्युत चक्रवर्ती के नाम हैं, लेकिन संस्था के संस्थापक नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर का नाम गायब है। पट्टिकाओं पर पश्चिम बंगाल के केंद्रीय विश्वविद्यालय के चांसलर के रूप में मोदी का नाम लिखा है, वहीं कुलपति के रूप में चक्रवर्ती का नाम दर्ज है।

टीएमसी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यूनेस्को ने विशेष रूप से कहा कि वे शांतिनिकेतन को विश्व धरोहर स्थल घोषित करके रवींद्रनाथ टैगोर और उनकी अद्वितीय विरासत का सम्मान कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि एक अहंकारी वीसी और उसके बॉस को लगता है कि यूनेस्को उनका सम्मान कर रहा है! इसके साथ ही टीएमसी नेता सरकार ने एक पट्टिका की तस्वीर भी साझा की है।

विश्व भारती में कम से कम तीन ऐसी पट्टिकाएं स्थापित की गई हैं, जिन पर टैगोर का नाम नहीं है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है। वीसी चक्रवर्ती ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। वहीं, विश्वविद्यालय की प्रवक्ता महुआ बनर्जी ने कहा, तीन पट्टिकाएं स्थापित की गई हैं। उन पर चांसलर और वाइस-चांसलर के नाम अंकित हैं। उन्होंने भी विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की।

टैगोर के प्रपौत्र ने जताई

दर्जी से सीएम पद तक का सफर, 100 साल के हुए वामपंथी दिग्गज अच्युतानंदन

तिरुवनंतपुरम, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मार्क्सवादी नेता और सीपीआईएम के सबसे चर्चित चेहरों में से एक वीएस अच्युतानंदन आज 100 साल के हो गए हैं। अच्युतानंदन जीवनभर अन्याय और असमानता के खिलाफ लड़े। एक दर्जी के सहायक के तौर पर अपनी यात्रा शुरू करने वाले वीएस अच्युतानंदन केरल की सत्ता के शीर्ष पद तक पहुंचे और कई साल तक विपक्ष के नेता रहे।

अच्युतानंदन की छवि एक ईमानदार और आम जन के हितों से जुड़े मुद्दों के लिए लड़ने वाले नेता की है। अच्युतानंदन पर्यावरण, महिला अधिकारों जैसे मुद्दों पर मुखर रहे और अपने समय के सबसे लोकप्रिय मार्क्सवादी नेता बने। अच्युतानंदन ने विपक्ष के नेता के पद पर रहते हुए केरल में भू-माफिया और रियल एस्टेट माफिया के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जिसके चलते समाज के हर वर्ग में उनकी लोकप्रियता बढ़ी।

अच्युतानंदन को ना सिर्फ विपक्ष बल्कि पार्टी के भीतर भी लड़ाई लड़नी पड़ी। केरल के मौजूदा सीएम पिनाराई विजयन भी अच्युतानंदन के विरोधी रहे। पार्टी के भीतर विरोध के चलते ही उन्हें साल 1996 में करारी हार का सामना करना पड़ा था, जब उनका गठबंधन एलडीएफ तो राज्य में चुनाव जीत गया था लेकिन अच्युतानंदन को उनकी विधानसभा मरारीकुलम में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार का असर इतना बड़ा था कि माना जाने लगा था कि अच्युतानंदन की राजनीतिक पारी खत्म हो गई है लेकिन अच्युतानंदन फिर से मजबूत होकर उभरे और ज्यादा लोकप्रिय नेता बने। वीएस अच्युतानंदन अपनी भाषण शैली के लिए काफी पसंद किए जाते थे।

टैंकबंड पर तेलंगाना के राज्य पर्व बतुकम्मा के अंतिम दिन सदुला बतुकम्मा में भाग लेते हुए श्रद्धालु तथा आतिशबाजी से चकाचौंध टैंकबंड का दृश्य।

दशहरे के बाद दूसरी सूची जारी करेगी कांग्रेस

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने अपना आक्रामक रुख तेज कर दिया है। पार्टी नेता पहले से ही बस यात्रा में शामिल हैं, वहीं, कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट को लेकर भी काफी सस्पेंस बना हुआ है। हालांकि, दूसरी सूची दशहरा उत्सव के बाद ही आने की संभावना है। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 55 उम्मीदवारों के साथ अपनी पहली सूची पहले ही जारी कर दी है। अन्य 64 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा होनी बाकी है। तेलंगाना कांग्रेस की दूसरी सूची दशहरा उत्सव के बाद ही जारी होने की संभावना है. कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक 25 या 26 अक्टूबर को होने वाली है। तेलंगाना कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी ने बहुमत की कवायद पहले ही पूरी कर ली है।

जानकार सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेतृत्व जरूरत के मुताबिक उम्मीदवारों से बात करेगा। वहीं, सीट आवंटन के तहत दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों- सीपीआई और सीपीएम को दो-दो सीटें देने पर सहमति बनी. सीपीआई उम्मीदवार के चेन्नूर से चुनाव लड़ने की संभावना है।

इस बीच, चेन्नूर में अपने उम्मीदवार की घोषणा से पहले ही सीपीआई को झटका लगा है। सीपीआई के सहयोगी ट्रेड यूनियन एआईटीयूसी ने चेन्नूर में चुनाव लड़ने के पार्टी के फैसले का विरोध किया। इसने एक कदम आगे बढ़कर एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें कहा गया कि सीपीआई को चेन्नूर से चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया कि जहां ताकत नहीं वहां प्रतिस्पर्धा नहीं होनी चाहिए। मंदामरी ट्रेड यूनियन विभाग ने पार्टी से मांग की है कि चेन्नूर सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव तुरंत वापस लिया जाए।

मेडीगड्डा बैराज ढहना : रेवंत ने केंद्र से कालेश्वरम खामियों की जांच करने की मांग की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने आज मेडिगड्डा बैराज के ढहने पर बीआरएस पार्टी सरकार की कड़ी आलोचना की, जो इसकी प्रमुख कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हम शुरू से ही कह रहे हैं कि कालेश्वरम तेलंगाना के सीएम केसीआर के परिवार के लिए एटीएम बन गया है। गुणवत्ता की कमी के कारण मेदिगड्डा बैराज पुल ढह गया है। दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेवंत ने कहा कि बीआरएस कह रहा था कि कालेश्वरम परियोजना दुनिया के लिए एक चमत्कार थी और कहा कि अब परियोजना का असली चरित्र और वास्तविक स्वरूप सामने आ गया है। उन्होंने मांग की कि केंद्र अब तो इस मामले की जांच कराए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जांच की जानी चाहिए और कालेश्वरम कार्यों पर एक मौजूदा न्यायाधीश द्वारा जांच की जानी चाहिए, उन्होंने कहा कि परियोजना बिना किसी बाढ़ के ढह गई है।

उन्होंने कालेस्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में एक लाख करोड़ रुपये

भारत ने 20 साल बाद न्यूजीलैंड को वर्ल्डकप में हराया

लगातार 5वीं जीत के साथ टेबल टॉपर बना, कोहली ने बनाए 95 रन

10 ओवर | 54 रन | 5 विकेट | 5.40 इकोनॉमी

धर्मशाला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने वर्ल्ड कप 2023 में लगातार 5वीं जीत हासिल की। टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में कीवियों पर 20 साल बाद जीत हासिल की है। इससे पहले, 2003 में सेंचुरियन के मैदान पर कीवियों को 7 विकेट से हराया था।

इस जीत से भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई। अब टीम इंडिया के खाते में 5 मैचों के बाद 10 अंक हो गए हैं। ऐसे में भारत के टॉप-4 में पहुंचने की संभावनाएं मजबूत हो गई हैं। टीम को अब 4 में से 2 ही मैच जीतने होंगे।

धर्मशाला के मैदान पर रविवार को भारत ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 273 रन पर ऑलआउट हो गई। 274 का टारगेट भारतीय टीम ने 48 ओवर में 6 विकेट पर हासिल कर लिया। विराट कोहली ने 104 बॉल पर 95 रन की पारी खेली, जबकि मोहम्मद शमी ने 5 विकेट चटकाए। शमी प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

दिग्गज विराट कोहली ने एक बार फिर टीम इंडिया को रन चेज में जीत दिलाई। वह 95 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उनके आउट होने के बाद टीम को 14 बॉल पर महज 5 रन चाहिए थे। टीम ने 2 गेंद पर ही 5 रन बना लिए और टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

कोहली ने अपनी पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाने के साथ 43 सिंगल और 4 डबल भी दौड़े। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ 52, केएल राहुल के साथ 54 और रवींद्र जडेजा के साथ 78 रन की बेहद अहम साझेदारियां कीं। इन साझेदारियों के सहारे टीम इंडिया चेज में कहीं पीछे नहीं छूटी।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के मद्देनजर यातायात एडवाइजरी जारी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीआर मार्ग, गार्डन पॉइंट, जलविहार में बेबी पॉन्ड्स और संजीवैया पार्क में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के मद्देनजर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार से गुरुवार तक ट्रैफिक डायवर्जन की घोषणा की। पंजागुट्टा और राजभवन से खैरताबाद फ्लाईओवर की ओर आने वाले यातायात को वी.वी. पर डायवर्ट किया जाएगा।

निरंकारी जंक्शन से इकबाल मीनार की ओर आने वाले यातायात को ओल्ड पीएस सैफाबाद से रवींद्र भारती की ओर मोड़ दिया जाएगा। (केवल मठ की मूर्तियों को इकबाल मीनार की ओर जाने की अनुमति होगी)

इसी प्रकार पुराना थाना सैफाबाद से इकबाल मीनार की ओर आने वाले यातायात को क्रमशः रवीन्द्र भारती से लकड़ीकापुल की ओर मोड़ दिया जाएगा। इकबाल मीनार से तेलुगु थल्ली जंक्शन के माध्यम से अपर टैंक बंड की ओर आने वाले यातायात को तेलुगु थल्ली से कट्टामैसम्मा की ओर फ्लाई ओवर शुरू करते हुए मोड़ दिया जाएगा। अम्बेडकर प्रतिमा से आने वाले वाहनों को एनटीआर मार्ग की ओर नहीं जाने दिया जाएगा और उन्हें इकबाल मीनार की ओर मोड़ दिया जाएगा।

मिनिस्टर रोड और रानीगंज से पी.वी. की ओर आने वाला यातायात। मार्ग, नेकलेस रोड को नल्लागुट्टा ब्रिज पर क्रमशः रानीगंज और मिनिस्टर रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। बुद्ध भवन से आने वाले वाहनों को नल्लागुट्टा ब्रिज और पी.वी. की ओर नहीं जाने दिया जाएगा। मार्ग (नेकलेस रोड) और मस्जिद सोनाबी अब्दुल्ला पर रानीगंज के रास्ते मंत्री रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। नामपल्ली से बीजेआर सर्कल की ओर आने वाले यातायात को अनुमति नहीं दी जाएगी और एआर पेट्रोल पंप पर क्रमशः रवींद्र भारती और एमजे मार्केट की ओर मोड़ दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि एनटीआर मार्ग, गार्डन प्वाइंट, जलविहार में बेबी पॉन्ड्स और संजीवैया पार्क में विसर्जन के लिए आने वाली दुर्गा माता की मूर्तियों की यातायात भीड़ के आधार पर जरूरत के आधार पर यातायात में बदलाव किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 23 अक्टूबर - 2023

विपक्षी गठबंधन में दरार

मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए सभी पार्टियों के उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है। लगभग सभी पार्टियां अपने-अपने चुनावी बिसात बिछा चुकी है। ऐसे में विपक्षी गठबंधन इंडिया में चौडी हुई दरार साफ नजर आने लगी है। मध्यप्रदेश में यूपी से लगी विधानसभा सीटों के बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कांग्रेस के खिलाफ जमकर मोर्चा खोल दिया है। इससे विपक्ष के गठबंधन को लेकर तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच जो कड़वा विवाद सामने आया है, उसके नतीजे सिर्फ मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं रहने वाले हैं और न ही विधानसभा चुनावों तक। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने तो यहां तक कह दिया है कि जब लोकसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे की बात होगी, तब यूपी में कांग्रेस के साथ वह वैसा ही व्यवहार करेंगे जैसा उनके साथ मध्य प्रदेश में किया गया है। यह कहने से पहले अखिलेश यादव यह क्यों भूल जाते हैं कि विपक्षी दलों का गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर और सिर्फ लोकसभा चुनावों के लिए किया गया है, न कि विधानसभा चुनावों के लिए। आखिर में इसमें कौन सा राकेट साइंस है कि जो अखिलेश यादव या उनकी समाजवादी पार्टी को समझ में नहीं आ रहा है। इसके बाद भी सवाल तो बनता है कि जब बात इतनी ही साफ थी तो फिर मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने विधानसभा चुनावों को लेकर उनसे कोई बातचीत शुरू ही क्यों की। क्यों उन नेताओं को इन चुनावों की रणनीति पर विचार-विमर्श के लिए बुलाया गया। समाजवादी पार्टी का दावा है, उसके लिए छह सीटें छोड़ने की तैयारी भी दिखाई गई थी लेकिन अचानक बिना किसी स्पष्टीकरण के सभी सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित कर दिए। इस प्रकरण पर कांग्रेस का कोई आधिकारिक बयान भी नहीं आया है लेकिन यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने जो प्रतिक्रिया अखिलेश यादव के बयान पर दी है उससे इतना जरूर स्पष्ट होता है पार्टी इस मसले पर आर-पार की मुद्रा में है। कांग्रेस का कहना है कि मध्य प्रदेश में 22 सीटों पर उम्मीदवार खड़े करके समाजवादी पार्टी ने बीजेपी की मदद करने की अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। इस आरोप-प्रत्यारोप और तीखी बयानबाजी के बीच भी कोई इंडिया गठबंधन के खिलाफ कुछ नहीं बोल रहा है। समाजवादी पार्टी ने भी यह नहीं कहा कि वह कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के साथ लोकसभा चुनावों में गठबंधन नहीं करेगी। उसका कहना सिर्फ यह है कि उस समय कांग्रेस के साथ जैसे को तैसा की तर्ज पर व्यवहार किया जाएगा। अखिलेश के इस बयान का सही मतलब क्या है यह उस समय टिकट बंटवारे पर ही स्पष्ट होगा। लेकिन अभी इतना जरूर कहा जा सकता है कि अगर सचमुच विपक्षी दल गठबंधन को लेकर गंभीर हैं और इसे बनाए रखना चाहते हैं तो उन्हें अपने मतभेदों को निपटाने का कोई बेहतर तरीका ढूंढना होगा। जो मतभेद समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच उपजे हैं, वे आप समेत तमाम अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ भी उभर सकते हैं, क्योंकि आप भी सभी राज्यों में अपने प्रत्याशी उतार रही है। ऐसे में एक-दूसरे की सार्वजनिक आलोचना करते ये दल जब कुछ महीने बाद लोकसभा चुनाव के मौके पर गलबंहिया डाले नजर आएंगे तो आम मतदाताओं के लिए उनके गठबंधन की विश्वसनीयता पर उंगली उठना तय है।

गाँधी मार्ग से ही इजराइल-फिलिस्तीन समस्या का हल संभव

रघु ठाकुर

पिछले कुछ दिनों से हमास और इजराइल की चर्चा मीडिया की सुर्खियों में है और स्वाभाविक भी है। क्योंकि यह टकराव और युद्ध दुनिया को कहां ले जायेगा, किस प्रकार के परिवर्तन होंगे ये सब सवाल अभी भविष्य के गर्भ में है, परन्तु दुनिया को चिंतित करने वाले है। इस तथ्य से कोई इंकार नहीं कर सकता कि ब्रिटिश साम्राज्य ने फिलिस्तीन के देश के हिस्सों को बांटकर इजराइल का निर्माण किया था। शायद यहूदी ही एक कौम थी जो अपने देश के बगैर दुनिया में भटक रही थी। जर्मनी में नाजीवाद और हिटलर के नस्लीय कत्लआम से यहूदी कौम की आबादी को भारी क्षति हुई थी तथा एक प्रकार से उन्हें जर्मनी से विस्थापित ही होना पड़ा था। हालांकि यहूदी समाज भले ही अल्पसंख्यक हो परन्तु उसकी योग्यता, क्षमता और ज्ञान अद्भुत है। दुनिया को कितने ही बड़े वैज्ञानिक और वैचारिक दुनिया को यहूदी समाज ने दिये। जिस किसी भी भावना से ब्रिटिश साम्राज्य ने फिलिस्तीन को काटकर इजराइल बनाया, वह बहस का विषय हो सकता है परन्तु अब इजराइल एक सत्य है और उसे बने हुये भी आज लगभग 70 वर्ष से अधिक एक देश के रूप में हो गये और उसका अस्तित्व बरकरार है। फिलिस्तीन के लोगों में अपनी जमीन को लेकर चिंता और चेतना है और वे उसे वापिस लेना चाहते हैं। एक तो इसलिये भी कि फिलिस्तीन की आबादी के लिये पर्याप्त जगह अब फिलिस्तीन के पास नहीं है, दूसरे यरूशलम को इस्लामिक दुनिया अपना पवित्र तीर्थ स्थान मानती है। मक्का, मदीना के बाद यह उनका दूसरा सबसे बड़ा स्थान है। हालांकि यह आश्चर्यजनक है कि, जहां मुस्लिम भाईयों की मस्जिद है वही पर यहूदी भी अपनी मस्जिद बताते है। वैसे इसाई भी इसे अपना मूल केन्द्र और पवित्र स्थल मानते हैं। हर मजहब की अलग-अलग किवदंतियां है। परन्तु यह उनके अनुयाईयों में विश्वसनीय व सच हैं, और इसलिये इस एक स्थान पर तीनों के अपने-अपने दावे हैं। अगर यह किवदंतियां सच है और तीनों धर्मों का संबंध इस स्थान से है तो अच्छा तो यह होता कि तीनों धर्मों के धर्मावलंबी इस स्थल को ऐसा बनाते हैं कि वह दुनिया के लिये एक स्थाई यादगार संदेश होता। अगर ऐसा हो पाता तो फिलिस्तीन और इजराइल के बीच हालात इतने बुरे तो नहीं होते। फिलिस्तीन की जो जमीन यहूदियों को दी गयी थी जिस पर इजराइल का निर्माण हुआ है, जिसमें गाजा पट्टी का कुछ भी शामिल है उसको लेकर फिलिस्तीन में लगातार गहरी बैचेनी है और फिलिस्तीन की मुक्ती के लिये वे तन, मन, धन से समर्पित है तथा किसी न किसी रूप में युद्धरत है। फिलिस्तीन के मुक्ति संग्राम के नेता और उनके संगठन पी.एल.ओ. के नेता मरहूम यासिर अराफात थे। हालांकि दशकों के संघर्ष के बाद वे भी यह महसूस करने लगे थे कि युद्ध से और टकराव से कोई हल निकलने वाला नहीं है। हल तो अन्ततः बातचीत, संवाद और समझ से ही निकलेगा। यासिर अराफात की यहूदी पत्नी के माध्यम से बातचीत की पहल हुई थी और समझौता भी हुआ था। परन्तु यासिर अराफात की मौत और आमजन की अपनी-अपनी दृष्टि के दबावों से यह समझौता बहुत दिन तक कार्यान्वित व कारगर नहीं हो सका। गाजी पट्टी की जिस जमीन पर इजराइल का कैंजा है वह उसे छोड़ने को तैयार नहीं है। वह उसे अपने अस्तित्व के लिये आवश्यक मानता है। फिलिस्तीन किसी भी प्रकार से वे अपनी जमीन वापिस चाहते है। उनका संगठन हमास है। यासेर अराफात की मौत और समझौते की असफलता के बाद हमास को तेजी से फैलने का अवसर मिला। तथा हमास अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिये एक हिंसक और आतंकवादी संगठन के रूप में सामने आया। इजराइल ने अपने देश की कृषि, विज्ञान और सुरक्षा तंत्र में भारी विकास किया तथा पिछले समय में जब कभी भी फिलिस्तीन की ओर से हमास ने आतंकवादी हमले करने का प्रयास किया तो इजराइल ने न केवल उसे असफल किया बल्कि इससे उल्टे फिलिस्तीन को ही क्षति पहुंची। इस प्रत्युत्तर में इजराईल ने गाजा पट्टी की ओर भूमि पर भी कैंजा कर लिया और फिर उसे छोड़ने से इंकार कर दिया। पिछले काफी समय से आतंकवाद की कोई गंभीर घटना या हमला नहीं हुआ था जिससे कोई विशेष क्षति पहुंची हो। परन्तु इस बार हमास ने बहुत गहरी और लम्बी योजना बनाई तथा 7 अक्टूबर की रात्रि इजराइल की सीमा में हमला बोला और एक साथ पाँच हज़ार रॉकेट छोड़े। यह हमला इतना प्रायोजित, आकस्मिक और गोपनीय था कि इजराइल को इसकी भनक तक नहीं लगी। इजराइल का सूचना तंत्र बिल्कुल की असफल रहा। जो इजराइल सारी दुनिया में अभेद्य सिस्टम के लिये जाना जाता था वह हतप्रभ रह गया। इस हमले में इजराइल के लगभग 1500 लोग मारे गये तथा हजार से अधिक लोग घायल हुये। इससे भी बदतर स्थिति यह थी कि हमास के आतंकवादियों ने महिलाओं के साथ भारी क्रूरता और अमानवीयता का व्यवहार किया। इस हमले से दुनिया में हमास आतंकवादी और युद्ध की शुरूआत करने वाला सिद्ध हुआ है। स्वभाविक था कि इजराइल की तरफ से प्रतिक्रिया तो होनी थी। इजराइल ने युद्ध की घोषणा कर दी, इजराइल के हमले में फिलिस्तीन के भी लगभग 4 हज़ार लोग मारे जा चुके हैं। लगभग 3 हज़ार लोग घायल है। 1 लाख से अधिक लोग घर छोड़कर भागे है और बहुत बड़ा इलाका नष्ट हो गया है। इजराइल के जो लगभग 250 लोग हमास द्वारा बंटी बनाकर गये रखे हैं उनकी तलाश जारी है। हालांकि अभी तक उन्हें इजराइली सेना छुड़ा नहीं पाई है। बताया जा रहा है कि वे हमास के बंकरों में बंद किये गये हैं। और बेंकरों में हमला करना बंदियों की जान को भी खतरा हो सकता है, इजराइल ने इस केन्द्र की बिजली, पानी जैसी जीवन उपयोगी चीजों को रोक दिया है ताकि हमास दबाव में उनके बंदी छोड़ दे। पर अभी तक तो इसमें सफलता नहीं मिली है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि हमास के लिये इस हमले के कारण बड़ी कीमत चुकाना पड़ी है। क्योंकि अब दुनिया का कोई भी देश कम से कम खुलकर इजराइल को आरोपित नहीं कर सकता और हमास का बचाव नहीं कर सकता। अमेरिका, यूरोप और भारत ने तो खुलकर ही इजराइल के साथ खड़े होने की घोषणा कर दी है। ईरान की सहानुभूति फिलिस्तीन व हमास के साथ है। परन्तु यह सब बड़े या विश्वयुद्ध में तब्दील करने के दृष्टिकोण से सहयोगी बनेगा या केवल मौखिक सहानुभूति तक सीमित रहेगा यह कहना भी कठिन है। अगर ईरान इसमें हमास का खुलकर सहभागी बनता है तो यह दुनिया को एक नये प्रकार के युद्ध में बदल देगा। ईरान भी अपने देश की सीमा के भीतर कई प्रकार के तनावों से जूझ रहा है। उदारवादी व्यवस्था व अमानवीय और बंधनों को लेकर, ईरान की आबादी का एक बड़ा हिस्सा सड़कों पर है, जेलों में जा रहा है और लम्बी-लम्बी सजायें भी सह रहा है। यहां तक की महिलायें भी सड़कों पर अपने अधिकारों व समता को लेकर लड़ रही है, व लंबी-लंबी सजायें काट रही है।

राजस्थान में आखिर पायलट कब बनेंगे मुख्यमंत्री ?

अशोक भाटिया

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। सचिन पायलट, अशोक गहलोत के नामों का ऐलान कर दिया गया है। राज्य कांग्रेस में सीट बंटवारे को लेकर घमासान देखा जा रहा है । गहलोत और पायलट के बीच पुरानी राइवलरी है। पायलट के छह वर्ष तक प्रदेश अध्यक्ष बने रहने के दौरान उन्होंने प्रदेश में अपना एक अलग गुट खड़ा कर लिया है। इस गुट के माध्यम से व लगातार गहलोत को चुनौती देते रहे है लेकिन पार्टी के भीतर ही रहकर। उसके बाद उन्होंने पूरी तरह से बगावत कर दी और खुलकर गहलोत को चुनौती देते रहे है। यह राइवलरी उन्हें अपने पिता के ज़माने से मिली है । इससे पहले गहलोत और सीनियर पायलट यानि सचिन के पिता राजेश पायलट के बीच में भी हमेशा छतीस का आंकड़ा ही रहा। सीनियर पायलट ने उस दौर के युवा गहलोत के बजाय उस समय प्रदेश की राजनीति में अपना वर्चस्व रखने वाले वरिष्ठ नेताओं का साथ दिया। उन्होंने गहलोत को कभी नहीं गांठा। दो दशक में हालात बदल चुके है अब गहलोत पार्टी के वरिष्ठ नेता बन चुके है तो जूनियर पायलट भी एक युवा नेता के रूप में अपनी अलग छवि बना चुके है। हाल के कुछ वर्षों में उन्होंने पूरी तरह से बगावत कर दी है और खुलकर गहलोत को चुनौती देते रहे है। परन्तु अशोक गहलोत के जादू की काफी समय से चर्चा हर ओर होती आ रही है। वह कहते तो हैं कि सचिन पायलट और उनमें बहुत प्रेम है लेकिन फिर जो फैसले लेते हैं, उससे काफी कुछ सामने आ जाता है। साल 2018 के चुनाव में सचिन पायलट पार्टी प्रदेश अध्यक्ष थे। ऐसे में सभी को लग रहा था कि मुख्यमंत्री वही बनेंगे लेकिन अशोक गहलोत का जादू चला और वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ गए । वहीं, जब कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जा रहा था तो भी अशोक गहलोत का नाम आगे चल रहा था लेकिन वह राजस्थान मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना नहीं चाहते थे। ऐसे में उन्होंने पार्टी आलाकमान पर जादू चलाया और अध्यक्ष का पद बड़े सलीके से ठुकरा दिया। वहीं, सचिन पायलट को भी कभी मुख्यमंत्री दावेदार के आगे नहीं बढ़ने दिया। हद तो तब हो गई जब राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के पहले बड़े ही नाजुक मोड़ पर अशोक गहलोत ने बड़ा दांव खेला है। उन्होंने कहा है कि वे तो मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना चाहते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हें नहीं छोड़ना चाहती। शायद आगे भी नहीं छोड़ेगी, तो वे भी क्या करें ...! तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके गहलोत के इस बयान के सियासी मायने बहुत बड़े माने जा रहे हैं। गहलोत ने यह बयान उस वक्त दिया है, जब राजस्थान की एक भी सीट पर उम्मीदवारी घोषित नहीं हुई थी और टिकट फाइनल करने के लिए पांच दिन से मशक्कत चल रही थी । खास बात यह है कि गहलोत ने यह बयान नई दिल्ली में दिया है, जहां पर राजस्थान की राजनीति की धुरी अब आलाकमान बना हुआ है और कहा जा रहा है कि आलाकमान सचिन पायलट के समर्थन में कुछ सीटें फाइनल करना चाहता था । गहलोत के इस बयान के बाद पायलट सहित कांग्रेस में कई चेहरे सन्न हो गए । कोई चाहे उन्हें पद लोलुप कहे, लेकिन तस्वीर के तेवर यही हैं कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपना परचम फहरा चुके हैं और संदेश भी साफ साफ दे दिया है कि फिर सरकार आई, तो मुख्यमंत्री वे ही बनेंगे। राजस्थान की राजनीति में इस बयान के बाद बड़ी हलचल है। गहलोत की ओर से तो अब यह सवाल ही नहीं रह गया है कि कांग्रेस की सरकार आई, तो अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा। राजस्थान कांग्रेस में निर्विवाद रूप से केवल दो ही नेता हैं, अशोक गहलोत और सचिन पायलट। पायलट खेमे में माना जा रहा है कि भले ही गहलोत ने कह दिया हो, लेकिन कांग्रेस की सरकार आई, तो आलाकमान ही मुख्यमंत्री बनाएगा, ऐसे में पायलट का नंबर लग सकता है लेकिन बहुमत के आधार पर तो मुख्यमंत्री गहलोत ही होंगे, क्योंकि निश्चित तौर पर विधायक भी उन्हीं के ज्यादा होंगे, आखिर टिकट वे अपने लोगों को ही ज्यादा दिलवाने वाले हैं। फिर इस बार पूरा चुनाव ही वे अपने कंधों पर ढोए हुए जीत के रास्ते पर अग्रसर हैं। जहां तक पायलट की बात है तो इस चुनाव में कुछ कर ही नहीं रहे हैं, न उन पर कोई जिम्मेदारी है और न ही वे कोई जिम्मेदारी ले रहे हैं। उनके बारे में ऐसी धारणा बन रही है कि वे केवल मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, बस, और कुछ भी नहीं मगर मेहनत कहीं नहीं दिख रही। ऐसे में सरकार के आने पर भले ही कहा जाए कि आलाकमान जिसे चाहेगा, मुख्यमंत्री भी वही होगा लेकिन सच यही है कि गहलोत जिसे चाहेंगे, मुख्यमंत्री वही बनेगा, और गहलोत ने तो ऐलान कर ही दिया है कि कुर्सी उन्हें नहीं छोड़ना चाहती। राजस्थान में 156 सीटों के साथ फिर से सत्ता में आने की घोषणा मुख्यमंत्री गहलोत ने बहुत पहले ही कर दी थी, लेकिन असल में गहलोत की कोशिश है कि हर हाल में सीटें 100 के आसपास निकल जाएं, बाकी निर्दलीयों और छोटी पार्टियों के साथ जुगाड़ बनाकर सरकार बना लेंगे और जुगाड़ में तो गहलोत माहिर हैं ही जो कि पायलट के बस की बात नहीं है, यह सभी जानते हैं। उधर भाजपा अपनी ताकत लगा रही है कि हर हाल में वसुंधरा राजे के बिना सत्ता में आ जाए, लेकिन वसुंधरा के बिना भाजपा की नैया इतनी आसानी से पार लगती नहीं दिखती। राजे को कमान नहीं मिली है, तो फिर नाराजगी के इस दावानल में भाजपा में अंतर्कलह के नुकसान की वजह से गहलोत को मुख्यमंत्री बनने से रोकना भी भाजपा के लिए कोई आसान खेल नहीं होगा। अपने तीसरे कार्यकाल में गहलोत ने पूरे राजस्थान में जबरदस्त योजनाएं लाकर लाभकारी कार्यक्रम के जरिये लोगों के दिलों में जगह बना ली है और इसी वजह से राजस्थान में बड़ी तादाद में लोग गहलोत को ही फिर मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। एक बहुत बड़ा तबका सरकार से खुश हैं। इसी वजह से माना जा रहा है कि कांग्रेस की सरकार आई, तो अगले मुख्यमंत्री फिर गहलोत ही होंगे। राजस्थान की राजनीति में ज्यादातर लोग मान रहे हैं कि कांग्रेस में आज की स्थिति में सबसे प्रबल दावेदार तो केवल अशोक गहलोत ही हैं, और वे ही अगले मुख्यमंत्री भी होंगे। बहुत संभव है कि आलाकमान को संदेश देने के लिए भी गहलोत ने नई दिल्ली में यह ऐलान किया हो। दरअसल कांग्रेस में लगातार पांच साल तक अपनी ही पार्टी की सरकार का विरोध करने के बाद सचिन पायलट अब शांत हैं तथा केवल बयान दे रहे हैं कि अगली सरकार फिर से कांग्रेस की आएगी।

कन्या-पूजन नहीं बेटियों के प्रति दृष्टिकोण बदलने की जरूरत

प्रियंका सौरभ

नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है 'नौ रातें'। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान, शक्ति देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों - महालक्ष्मी, महासरस्वती या सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान, शक्ति देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। भारतीय नारीवादियों और आधुनिक भारतीय महिलाओं ने इस परित्यक्त देवी प्रतीकवाद पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है क्योंकि इसे पितृसत्तात्मक उत्पीड़न के एक सक्रिय उपकरण के रूप में भी इस्तेमाल किया गया है। अन्य संस्कृतियों और पौराणिक कथाओं में भी कुछ सबसे प्रमुख देवी माताएँ रही हैं और आदर्श मातृत्व के जीवन के प्रतीक हैं - उदाहरण के लिए, मिस्र के आइसिस, ग्रीक डेमेटर या कैथोलिक धर्म में, मैरीयीशु की माँ के रूप में। लेकिन किसी अन्य संस्कृति में छोटी लड़कियों को देवी के रूप में नहीं पूजा जाता जैसा कि भारत में किया जाता है। कई पश्चिमी नारीवादी और विश्व स्तर पर बहुत सारी महिलाएं हिंदू देवी-देवताओं को प्रेरणादायक और आंतरिक शक्ति प्रदान करने वाली मानती हैं। नवरात्रों में भारत में कन्याओं को देवी तुल्य मानकर पूजा जाता है। पर कुछ लोग नवरात्रि के बाद यह सब भूल जाते हैं। कई जगह कन्याओं का शोषण होता है और उनका अपमान किया जाता है। नवरात्रि के आठवें और/या नौवें दिन जिन छोटी-छोटी पूर्व-यौवन लड़कियों की पूजा की जाती है, उनके साथ अक्सर दुर्व्यवहार और भेदभाव किया जाता है। ऐसे कई देवी मंदिर हैं जहां रजस्वला महिलाओं या कथित निचली जाति की महिलाओं को प्रवेश करने की भी मनाही है, देवी के बहुत सारे पूजा स्थल हैं जहां केवल पुरुषों को आंतरिक गर्भगृह में जाने की अनुमति है और महिलाओं को नहीं। नवरात्रि के आठवें और/या नौवें दिन कंजक या कन्या के रूप में पूजी जाने वाली छोटी पूर्व-यौवन लड़कियों को अक्सर बाकी दिनों के लिए लड़कियों के रूप में जन्म लेने के लिए गाली दी जाती है, उनके साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें 'अपवित्र' माना जाता है। मासिक धर्म शुरू होने के बाद उनकी पूजा की जानी चाहिए। आज भी भारत में बहूत सारे गांवों में कन्या के जन्म पर दुःख मनाया जाता है। कन्याओं और महिलाओं के प्रति हमें अपनी सोच बदलनी पड़ेगी। देवी तुल्य कन्याओं का सम्मान करें। इनका आदर करना ईश्वर की पूजा करने जितना ही पुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में भी लिखा है कि जिस घर में स्त्रियों का सम्मान किया जाता है वहां भगवान खुद वास करते हैं। बदलते दौर में देवी की समकालीन समझ की आवश्यकता है, यह देवी की अवधारणा में विविधता लाने का समय है। कुछ साल पहले, टैप रूट इंडिया ने एक अभियान विकसित किया जिसमें तीन मुख्य हिंदू देवियों - दुर्गा, सरस्वती, और लक्ष्मी की छवियों को प्रस्तुत किया गया था, लेकिन उनके चेहरे पर चोट और चोट के निशान थे जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा का संकेत देते थे। अब समय आ गया है, हो सकता है कि देवी से संबंधित इन सभी प्रतीकों को वर्तमान वातावरण के अनुरूप फिर से कल्पना करने की आवश्यकता हो और छाती ठोकने वाली ₹जय माता दी, माता की जय₹ की देवी पूजा को यदि प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है तो इसका लड़कियों और महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और अधिक सम्मान करने की आवश्यकता है। आज जब सभी देशवासी भारत की संस्कृति का गौरवमय त्यौहार कन्या पूजन करने की तैयारी में हैं तो उनसे यह निवेदन और प्रश्न भी है कि आखिर जहां कन्या की सम्मानजनक स्थिति बने रहे, ऐसा समाज बनाने के लिए क्यों कुछ नहीं करते? केवल पुलिस के डंडों से नैतिकता नहीं संवरती, उसके लिए नैतिक प्रयास भी करने होंगे। इसके साथ ही आरक्षण द्वारा कुछ महिलाओं को पंचायत, निगमों या भविष्य में संसद या विधानसभाओं में भेजने पर भी महिलाएं तब तक सशक्त नहीं हो सकतीं, जब तक समाज में स्वस्थ वातावरण नहीं होगा। बहुत से घरों में लड़कियों को वह स्थान और सम्मान नहीं जो परिवार के बेटों को है। हमारे समाज के कुछ प्रमुख व्यक्ति और राजनीतिक नेता भी केवल कागजी भाषण देने में तो शेर है, पर घर के अंदर प्रवेश करते ही या भूल जाते हैं कि बाहर महिला अधिकार के लिए क्या-क्या भाषण देकर आए हैं? कितना अफसोस है कि जो संविधान महिला को राष्ट्रपति बना सकता है वह किसी मंदिर की मुखिया नहीं बना सकता। आज भी कुछ मंदिर ऐसे हैं जहाँ महिलाओं को प्रवेश नहीं करने दिया जाता। परिवार के मुखिया पुरुष की मृत्यु के समय पगड़ी बेटियों के सिर पर रख दी जाती है। जब महिला की मृत्यु होती है उसकी बेटियां या बहू ऐसा अधिकार नहीं रखती जो बेटे या पति को रहता है। बहुत से समुदाय में तो बिरादरी में बाँधी जा रही पगड़ी को महिलाएं हाथ भी नहीं लगा सकती।

सांस्कृतिक चेतना को जागृत करतीं श्री राम की लीलाएं

डॉ.दीपकुमार शुक्ल

वर्षों बरस से प्रति वर्ष मंचित होतीं श्री राम की लीलाएं समाज में सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने का प्रभावशाली माध्यम हैं। संस्कृति के बिना समाज का कोई मूल्य नहीं है। संस्कृति ही किसी भी देश के समाज के स्तर का पैमाना होती है। अतः न केवल एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संस्कृति का संचरण आवश्यक है बल्कि उसे चैतन्य बनाये रखना भी महत्वपूर्ण है। राम की लीला इन दोनों ही उद्देश्यों की पूर्ति में सर्वथा सक्षम हैं। भले ही समाज का एक बड़ा वर्ग रामलीला को आस्थाजनित धार्मिक कार्यक्रम की दृष्टि से देखता हो परन्तु इसका वास्तविक पक्ष समाज में सांस्कृतिक चेतना प्रवाहित करना ही है। न केवल भारत अपितु रूस, जापान, चीन, कम्बोडिया, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैण्ड, वियतनाम, लोआस, सूरीनाम, त्रिनिडाड एण्ड टोबैको, मारीशस, श्रीलंका, बांग्लादेश तथा नेपाल आदि देशों में भी रामलीला का मंचन सांस्कृतिक आयोजन के रूप में होता है। जिसका मुख्य उद्देश्य पारिवारिक, सामाजिक तथा राजनीतिक मूल्यों की सुरक्षा एवं पुनर्स्थापना करना है। भारतीय संस्कृति भौतिक प्रगति की अपेक्षा नैतिक प्रगति को महत्व देती है। जिसका सम्पूर्ण दर्शन रामलीला में होता है। उस काल खण्ड के दो राज्यों अयोध्या और लंका की यदि बात करें तो लंका में जहाँ भौतिक प्रगति को महत्व दिया गया वहीं अयोध्या ने नैतिक प्रगति का मार्ग अपनाया। रावण के राज्य लंका ने उस समय आर्थिक प्रगति के सारे रिकार्ड तोड़े थे। जिसके कारण ही उसे स्वर्ण नगरी या सोने की लंका कहा जाता था। परन्तु वहां नैतिकता और आदर्श का कहीं कोई महत्व नहीं था। गोस्वामी तुलसीदास ने जिसे अपनी कृति रामचरितमानस में 'सुभ अचरन कतहुं नहिं होई।', 'अस भ्रष्ट आचार भा संसारा धर्म सुनिअ नहिं काना।', 'बरनि न जाई अनीति घोर निसाचर जो करहिं हिंसा पर अति प्रीति' तथा 'बाढ़े खल बहु चोर जुआरा। जे लंपट परधन पर दारा।।' आदि से रेखांकित किया है। वहीँ अयोध्या में स्थापित नैतिक मूल्यों एवं आदर्शों का पग-पग पर दर्शन होता है। जिसने राजकुमार राम को न केवल विश्व नायक बल्कि ईश्वर के रूप में भी प्रतिष्ठित कर दिया। एक दिन से लेकर एक माह तक की अवधि में मंचित होने वाली रामलीला अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र राम के जीवन से जुड़ी घटनाओं का मात्र नाट्य रूपान्तरण नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के उच्च आदर्शों की एक सम्पूर्ण गाथा है। यह गाथा है उच्च मानवीय मूल्यों की। यह गाथा है उच्च आदर्शवादी समाज की। यह गाथा है आदर्शों के उच्चतम शिखर पर दृढ़ता से खड़ी राजनीति की। यह गाथा है आदर्श परिवार की। यह गाथा है मर्यादा की सीमाओं में बंधे ईमानदार एवं दृढ़ निश्चयी व्यक्तित्व की। एक किवदन्ती के अनुसार श्रीराम के वनगमन के पश्चात अयोध्यावासी श्रीराम की याद में उनकी बाल लीलाएं किया करते थे। तभी से रामलीला की शुरुआत मानी जाती है। यद्यपि लोकगीतों में रामकथा का गायन जितना पुराना है, रामलीला को भी उतना ही प्राचीन मानना चाहिए। क्योंकि लोकगीतों एवं लोकनाट्यों का अन्तः सम्बन्ध नकारा नहीं जा सकता है। सुदूर ग्रामीण अंचलों में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते रामकथा पर आधारित अनेक लोकनाट्य आज भी देखने को मिल जायेंगे। चित्रकूट क्षेत्र में 'राउत' जन समुदाय द्वारा खेले जाने वाले नाटक रामकथा पर ही आधारित होते हैं। उत्तरांचल का लोकनाट्य 'रम्मान', गुजरात का 'भवाई', महाराष्ट्र का 'ललित' तथा बंगाल का 'जात्रा' इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

खाऊ भैया..

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

यों तो उनकी उम्र हमेशा 'खाऊजी' जी की रही है लेकिन लोगों के बीच कहाते सेवक ही हैं। अभी भी कहीं कहीं ऐसे आदमी को लोग खाऊजी कहने लगते हैं जो जरा सा भी डकार मार ले, भले ही वो कई दिनों का भुक्खड़ हो। खाऊगिरी से खाऊजी का कोई संबंध नहीं है। आपके हमारे जैसे आदमी उस वक्त आहत हो सकते हैं जब कोई आम आदमी भरी सभा में 'खाऊजी' का भाटा मार दे, लेकिन खाऊजी पक्के खाऊजी हैं, उन्हें कुछ नहीं होता। दिनभर में उन्हें जितना भी खाऊजी मिलता है सब झोले में भर कर ले आते हैं। जैसे कई लज्जाहीन और ढीठ किस्म के सुबह घुमने निकलते हैं और घर घर फूल चुराते थैली भर कर लौटते हैं। कोई मना कर दे, डांट दे या जूता ही उठा कर मार दे तो भी वे बुरा नहीं मानते हैं। हां, जवाबी कार्रवाई में वे अगले दिन आधा घंटा पहले सैर पर निकलते हैं और दुगनी फूलखोरी के साथ लौटते हैं। बहरहाल, बात खाऊजी की चल रही थी। एक दिन हमने उनसे पूछा कि आपको अंदर से कैसा लगता है जब कालोनी के खाऊजी लोग भी आपको 'खाऊजी' बोलते हैं ! वे बोले - '' साहस उनका है, यह सवाल आपको उनसे पूछना चाहिए। लेकिन आपकी जिज्ञासा सही है। हम भी सोच रहे हैं कि खाऊजी का मान रखने के लिए हमें कुछ करना चाहिए। '' '' चलिए देर आए दुरुस्त आए। क्या करने का विचार है ? '' '' सोचते हैं कि पेट रख लें। रोज रोज वाकिंग करने का झंझट भी मिटेगा और नहीं जानने वालों को सुविधा हो जाएगी, वे एक झटके में हमें पहुँचे हुए खाऊजी भी समझ लेंगे। क्या कहते हो ? आइडिया कैसा है ?' '' आइडिया तो जोरदार है पर आप खाते तो हैं नहीं !'' '' हैं तो हम खाऊजी भी नहीं, पर लोग कहते और मानते हैं। खाऊकार-टाइप दिखने लगेंगे धीरे धीरे लोग अपने आप खाऊकार समझने-कहने लगेंगे। असल बात टाइप होना है। जैसे पहले कोई साहित्यकार नहीं होता है लेकिन हरकतें साहित्यकार-टाइप करता है तो लोग उसे साहित्यकार मानने लगते हैं। टीशर्ट-जींस पहनने की उम्र में किसी को को कुर्ता-पजामा पहन कर बांह चढ़ाना पड़ती है तो किस गरज से ? अगर आप पंडित-पुजारी टाइप रहने लगो तो लोग अपने आप 'पाय-लागी' बोलने लगेंगे, कोई पकवानों की लिस्ट नहीं पूछेगा।'' जवाब में खाऊजी ने लंबा भाषण दे दिया।'' फिर भी किसी ने पूछ लिया कि इन दिनों आप क्या खा रहे हैं तो क्या जवाब देंगे !'' कुछ देर का विराम ले कर वे बोले- '' देखो भाई, सारे सवालों का स्वाभाविक उत्तर पेट होता है। आज दुनिया सुखी या नेता को किसी और चीज से नहीं, पेट से पहचानती है। आपने किसी पेट वाले से पूछा कि आप पेटू हो, खाऊ हो, लूटखोर हो, हजमखोर हो, या जो हो उसका कोई प्रमाण दोगे ? नहीं ना ? अब तो पेट देख कर जनता कुर्सी तक दे देती है। सदियों से प्रजा को पेट पर भरोसा है। .... फिर भी तुम्हारा प्रश्न बेकार नहीं है। एक बार पेट ठीक से फूल जाएगा तो हम कुछ बनावटी डकारें भी छोड़ने का करतब दिखायेंगे । बहुत से हैं जो बिना पेट के नेता बनने का भ्रम पाल लेते हैं और उन्हें कोई नेता नहीं मानता है।

विजयादशमी पर करें ये काम

जीवन में बनी रहेगी सुख समृद्धि

विजयदशमी का त्योहार हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था और अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की जीत हासिल की थी। इसलिए आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को विजयदशमी का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन रावण के साथ कुंभकर्ण और इंद्रजीत के पुतलों का दहन भी किया जाता है।

इस साल विजयदशमी का त्योहार 24 अक्तूबर 2023 को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन बुराई का समापन कर एक नई शुरुआत की जा सकती है। वहीं दशहरे के दिन जरूरतमंद व्यक्ति को दान करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसी कड़ी में आइए जानते है कि, दशहरे के दिन किन कामों को जरूर करना चाहिए।

दशहरा 2023 पर रावण दहन का मुहूर्त

अक्सर बच्चे घर में ही रावण का पुतला बनाकर उसका दहन करते है। साथ ही कई सोसाइटी या कॉलोनी में भी इस तरह के प्रोग्राम किए जाते है। ऐसे में रावण दहन का मुहूर्त 24 अक्तूबर शाम 05 बजकर 43 मिनट के बाद का रहेगा। आप मुहूर्त के हिसाब से रावण दहन कर सकते हैं।

दान करें

आर्थिक समस्याओं से निजात पाने के लिए दशहरे के दिन किसी मंदिर में साफ-सफाई से जुड़ी चीजों को दान करना शुभ माना जाता है। साथ ही जीवन से जुड़े रोग-शोक दूर करने के लिए नारियल को अपने सिर से उतारकर रावण दहन की आग में डाल देना चाहिए।

अपराजिता के पौधे की पूजा

दशहरे के दिन अपराजिता के पौधे का पूजन करने से आप अपने विरोधियों से छुटकारा पा सकते हैं। कहा जाता है कि यदि विजयादशमी के दिन विधि अनुसार पूजा करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त की जाती है।

शमी के पौधे की पूजा

अगर आपकी कुंडली में शनि से संबंधित दोष है तो आप विजयादशमी के दिन शमी के पौधे का पूजन अवश्य करें। ऐसा करने से आपके कष्टों का निवारण हो सकता है।

दशहरे पर नीलकंठ के दर्शन का महत्व

हर मनोकामना पूरी करता है नीलकंठ

नीलकंठ पक्षी भगवान भोलेनाथ का रूप माना जाता है। कहते हैं यह पक्षी मनोकामनाएं पूरी करता है मान्यता है कि नीलकंठ पक्षी के दर्शन करने से व्यक्ति की बंद किस्मत का ताला खुल जाता है। उसे हर काम में सफलता, अच्छा स्वास्थ और सुख-समृद्धि मिलती है। कहते हैं दशमी तिथि को अगर किसी गरीब को नीलकंठ पक्षी दिख जाए, तो वह भी मालामाल हो जाता है. किसी का विवाह ना हो रहा हो और उसे दशहरा पर नीलकंठ के दर्शन हो जाते हैं तो शादी का योग बन जाता हैं।

नीलकंठ दिखने पर इस मंत्र का करें जाप

अगर दशहरा के दिन नीलकंठ पक्षी दिख जाएं तो मंत्र

कृत्वा नीराजनं राजा बालवृद्धयं यता बलम।
शोभनम खंजनं पश्येज्जलगोगोष्ठसंनिधौ।।
नीलग्रीव शुभग्रीव सर्वकामफलप्रद।
पृथ्वियामवतीर्णोसि खच्चरीट नमोस्तुते।।

क्या है पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान राम जब लंकापति रावण का वध करने जा रहे थे, तब उन्हें नीलकंठ के दर्शन हुए थे। इसके बाद श्रीराम को रावण पर विजय मिली थी। भगवान राम माता सीता को साथ लेकर लौटे थे। यही वजह है कि नीलकंठ का दिखना शुभ माना गया है। बता दें कि रावण वध के बाद से ही विजयादशमी या दशहरा पर्व मनाया जाता है।

मां सिद्धिदात्री की तपस्या से ही भगवान शिव को मिलीं सिद्धियां

नवरात्रि के नौवें दिन मां दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। जैसा कि इनके नाम से ही स्पष्ट है कि मां सिद्धिदात्री सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली देवी हैं। शास्त्रों के अनुसार महादेव ने भी माता सिद्धिदात्री की कठोर तपस्या कर इनसे सभी आठ सिद्धियां प्राप्त की थीं। इन्हीं देवी की कृपा से ही महादेव की आधी देह देवी की हो गई थी और वे अर्धनारीश्वर कहलाए थे। नवरात्र के नौवें दिन इनकी पूजा के बाद ही नवरात्र का समापन माना जाता है।

महत्त्व- शास्त्रों के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व नामक आठ सिद्धियां हैं। ये सभी सिद्धियां मां सिद्धिदात्री की आराधना से प्राप्त की जा सकती हैं। हनुमान चालीसा में भी अष्टसिद्धि नव निधि के दाता कहा गया है।

स्वरूप- सामान्य रूप से मां सिद्धिदात्री कमल पुष्प पर आसीन होती हैं, हालांकि इनका भी वाहन सिंह है। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली हैं। इनकी दाहिनी ओर की पहली भुजा में गदा और दूसरी भुजा में चक्र है। बांई ओर की भुजाओं में कमल और शंख है।

नंदा पर्वत पर है प्रसिद्ध तीर्थ

हिमाचल का नंदा पर्वत माता सिद्धिदात्री का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। मान्यता है कि जिस प्रकार इस देवी की कृपा से भगवान शिव को आठ सिद्धियों की प्राप्ति हुई, ठीक उसी तरह इनकी उपासना करने से अष्ट सिद्धि और नव निधि, बुद्धि और विवेक की प्राप्ति होती है।

॥स्तुति मंत्र॥

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैः, असुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात्, सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

(सिद्ध, गंधर्व, यक्ष, असुर और अमरता प्राप्त देवों के द्वारा भी पूजित और सिद्धियों को प्रदान करने की शक्ति से युक्त मां सिद्धिदात्री हमें भी सिद्धियां प्रदान करें)

भोग : उपवास के बाद माता को तिल का भोग लगाना चाहिए, ऐसा करने से मृत्यु के भय से राहत मिलती है और अनहोनी घटनाओं से बचाव होता है

अहंकार, क्रोध और काम
ये थीं रावण की तीन बड़ी बुराइयां

श्रीराम की रावण पर जीत का पर्व विजया दशमी है। मान्यता के अनुसार त्रेता युग में रावण ने सीता का हरण किया और लंका की अशोक वाटिका में देवी को कैद कर रखा था। इसके बाद श्रीराम ने लंका में अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि पर रावण का वध किया और सीता को स्वतंत्र करवाया था।

रावण को बुराइयों का प्रतीक माना जाता है। रावण की बुराइयों के कारण उसके वंश का नाश हो गया।

अहंकार, गुस्सा और काम की वजह से रावण ने अपने कुल को नष्ट करवा दिया। यहां जानिए इन तीन बुराइयों से जुड़े किस्से...

अहंकार की वजह से श्रीराम को समझा सामान्य इंसान

रावण को अपनी शक्तियों पर इतना घमंड था कि वह सभी देवताओं से खुद को श्रेष्ठ समझता था। जब रावण सीता जी का हरण करके लंका ले आया तो उसकी पत्नी मंदोदरी ने उसे बहुत समझाया था कि वह श्रीराम से बैर न करें, लेकिन रावण को खुद पर अभिमान था, इस कारण वह श्रीराम को सामान्य इंसान समझ रहा था।

गुस्से में अपने भाई विभीषण को निकाल दिया था दरबार से

रावण को बात-बात पर गुस्सा आ जाता था। वह गुस्से में सही-गलत बात को भी समझ नहीं पाता था। यही कारण था कि जब विभीषण ने रावण से सीता को लौटाने और राम से क्षमा मांगने की बात कही तो वह क्रोधित हो गया। रावण ये बात सहन नहीं कर सका कि उसके सामने उसके शत्रु की प्रशंसा की जा रही थी। गुस्से में रावण ने विभीषण को लात मारकर दरबार से निकाल दिया। विभीषण श्रीराम की शरण में चले गए। रावण के कई रहस्य विभीषण ने श्रीराम को बताए, जिनकी वजह से उसकी हार हो गई।

रावण महिलाओं पर रखता था बुरी नजर

रावण महिलाओं पर हमेशा बुरी नजर रखता था। रावण ने एक बार रंभा को देखा तो वह उस पर मोहित हो गया। रावण ने उसका रास्ता रोक लिया। रंभा ने प्रार्थना की कि वह उसकी पुत्र वधु के समान है और वह नलकुबेर के यहां जा रही है। नलकुबेर रावण के सौतेले भाई कुबेर के पुत्र थे। रावण ने रंभा की बात नहीं सुनी। जब ये बात नलकुबेर को मालूम हुई तो उसने रावण को श्राप दे दिया किया अब से अगर वह किसी स्त्री को उसकी इच्छा के विरुद्ध स्पर्श करेगा या अपने महल में रखेगा तो वह भस्म हो जाएगा। इसी श्राप की वजह से रावण ने सीता को अपने महल में नहीं, अशोक वाटिका में रखा था। आमतौर पर लोग मानते हैं कि शूर्पणखा के अपमान का बदला लेने के लिए रावण ने सीता का हरण किया था, लेकिन ये बात सच नहीं है, रावण देवी सीता की सुंदरता से मोहित हो गया था, इस वजह से उसने सीता जी का हरण किया था।

सीख - रावण की बुराइयों से हम ये सीख ले सकते हैं कि हमें इन तीनों बुराइयों से बचना चाहिए। जिन लोगों में ये तीन बुराइयां होती हैं, उनका जीवन बर्बाद हो सकता है।

अयोध्या का दशहरा रसिक बिहारी के नाम

दावे कई हैं, लेकिन अयोध्या में दशहरे पर धूमधाम का रिवाज बहुत पुराना नहीं। रामलीलाओं की वर्तमान परंपरा भी बनारस के बाद यहां पहुंची। पहले इसने गोस्वामी तुलसीदास और मेधा भगत के प्रयासों से काशी में धूम मचाई। यह तब है, जब तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना अयोध्या में ही शुरू की थी। उनके शिष्य कृष्णदत्त मिश्र ने अपनी 'गौतम चंद्रिका' में लिखा है कि उन्हें रामलीलाओं की प्रेरणा अयोध्या में वाल्मीकि रामायण के पाठ सुनने से मिली। उन्होंने अपने समय में अयोध्या में झांकियों, मूक अभिनयों के साथ रामचरितमानस के गायन वाली जो शुरुआती रामलीला शुरू कराई, उसका मुख्य उत्सव चैत रामनवमी यानी भगवान राम के जन्मदिन पर होता था। लेकिन वह कुछ वर्ष ही चली और किसी परंपरा का रूप नहीं ले पाई। फिलहाल, उससे ज़्यादा चर्चा कथित तौर पर कभी संस्कृत में होते रहे 'हनुमत अभिनय' और हरिवंश पुराण में दिए गए वाल्मीकि रामायण के नाट्य रूपांतर की हुआ करती है।

उनके बाद अयोध्या में जो रामलीला शुरू हुईं, वे अपनी परंपरा के लिए बनारस के विश्व प्रसिद्ध रामनगर की रामलीला की कृतज्ञ हैं। इसे 1783 में तत्कालीन काशी नरेश उदितनारायण सिंह ने शुरू कराया था। कहते हैं कि अयोध्या के महाराजा प्रताप नारायण सिंह (1855-1906) ने एक बार रामनगर की रामलीला देखी थी। वह इतना ज़्यादा प्रभावित हुए कि अयोध्या में उसी तर्ज पर रामलीला शुरू करा दी। इसके बाद तो अयोध्या में लक्ष्मण किला और पत्थर मंदिर में एक के बाद एक कई रामलीलाएं शुरू होती गईं। जुड़वां शहर फैज़ाबाद भी इस कड़ी में जुड़ गया। लेकिन ये रामलीलाएं थोड़ी अलग हैं। इनमें भगवान राम की धनुष थामे, रावण का वध करने वाले या लंका विजेता की छवि को आगे नहीं किया गया। यहां के राम प्रजा से प्यार करने वाले, दयावान, समदर्शी हैं। हो सकता कि यह बदलाव अपने आप हुआ हो या अलग पहचान के लिए जानबूझकर किया गया हो। लेकिन इस तरह की जितनी रामलीलाएं, उतनी ही राम कहानियां प्रचलित हो गईं।

अयोध्या का दशहराथोड़ा पीछे जाकर इस बात का स्रोत तलाशते हैं। रामानंदी संप्रदाय की नींव रखी रामानंद ने। इनके 12 प्रमुख शिष्य हुए। इनमें से एक थे अनंतानंद, जिनके शिष्य कृष्णदास पयहारी आगे चलकर आमेर के राजा पृथ्वीराज की रानी बालाबाई के दीक्षागुरु बने। इन्हीं कृष्णदास के शिष्य थे अग्रदास, रामानंद की शिष्य परंपरा की चौथी पीढ़ी। 16वीं शताब्दी में उन्होंने रसिक संप्रदाय की शुरुआत की। तब अयोध्या के ज़्यादातर संत-महंत उनके अनुयायी बन गए। उनके संप्रदाय में भगवान राम धनुर्धर से ज़्यादा रसिक बिहारी और कनक बिहारी हैं। उनके बाकी के रूप इसके बाद आते हैं। यही वजह है कि उनके आराध्य राम कभी फूल बंगले में विराजते हैं और कभी झूलते हैं हिंडोलों में। सावन में पूरा एक महीना उनके झूलनोत्सव के नाम हो जाता है, लेकिन दशहरा पर भी उनका रौद्र रूप प्रदर्शित करने वाले रावण वध या लंका विजय के दिन भी कोई बड़ा उत्सव या मेला नहीं होता। वैसे साफ़ कहा जाए तो राम की रौद्र रूप वाली छवि विश्व हिंदू परिषद ने अपने राम मंदिर आंदोलन के दिनों में प्रचारित की।

महाभारत से भी जुड़ता दशहरा

समाजवादी विचारक डॉ. राममनोहर लोहिया तत्कालीन फैज़ाबाद ज़िले के अकबरपुर कस्बे में पैदा हुए थे। उनका एक महत्वपूर्ण निबंध है, 'राम, कृष्ण और शिव'। इसमें लोहिया ने संकेत किया है कि अयोध्या लंका विजय के पराक्रम को उतना भाव नहीं देती, जितने इसे कि लंका जीतने के बाद भी राम ने उसे हड़पा नहीं। वह उदार मानवीय मूल्यों के प्रतिनिधि बने रहे। जहां तक राजपाट की बात है, कहा जाता है कि उन्हें राज्य का लोभ क्योंकर होता। वह तो अयोध्या में अपने 'बाप का राज भी बटेऊ की नाईं' तजकर वन चले गए थे। उनके द्वारा प्रतिष्ठित यही मूल्य अयोध्या में श्रीरामपंचायतन की परंपरा से चली आती तस्वीरों में भी दिखाई देते हैं। उनमें वह महारानी सीता और अपने तीनों भाइयों के साथ बिना किसी शस्त्र के एक भरोसा देने वाली मुद्रा में दिखाई देते हैं।

हां, अयोध्या में दशहरे की एक मान्यता 'महाभारत' से भी जोड़ी जाती है। कहानी यह है कि द्यूत क्रीड़ा के बाद दुर्योधन की शर्त के कारण पांडव 12 वर्ष वनवास में और सालभर अज्ञातवास में रहे। अज्ञातवास में उन्होंने अपने अस्त्र-शस्त्र विराटनगर के पास शमी के एक वृक्ष के तने में छुपा दिए थे। विराटनगर पर आक्रमण हुआ, तो वहां के युवराज को लेकर ख़ुद वृहन्नला बने अर्जुन रथ चलाते हुए शमी के उस पेड़ के पास आए। उन्होंने अपने धनुष 'गांडीव' और अन्य हथियारों को निकालकर पूजा की। फिर आक्रमणकारियों को मार भगाया। उनकी इस जीत के उपलक्ष्य में मनाया जाने लगा विजयादशमी पर्व और शस्त्र पूजा होने लगी। लेकिन कहते हैं कि अयोध्या में शस्त्र पूजा की परंपरा को सूर्यवंशी क्षत्रियों से ज़्यादा नवाब शुजाउद्दौला के वक्त पंजाब की ओर से पलायन करके आए खत्रियों ने मजबूत किया। यहां जानना दिलचस्प है कि बंगाल के प्रभाव में दुर्गापूजा की धूम मचने से पहले अयोध्या में महिषासुरमर्दिनी भी कुल मिलाकर भगवान राम की आराध्य कुलदेवी भर हुआ करती थीं। वैसे ही जैसे वशिष्ठ कुलगुरु और उन्हें उसी रूप में पूजा जाता। बिहार के उस हिस्से में, जो कभी अवध के अधीन हुआ करता था, दशहरे के दिन आज भी रावण का पुतला ही फूंका जाता है।

महिषासुरमर्दिनी की पूजा नहीं की जाती।

अयोध्या के दशहरे को जो एक और बात विशिष्ट बनाती है, वह है गंगा-जमुनी तहजीब। यह केवल इतना नहीं है कि मुस्लिम पतंगसाज रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के निर्माण में अनेक कलात्मक प्रयोग करते हैं या फिर मुस्लिम दर्जी देवी-देवताओं और रामलीला कलाकारों की पोशाक सिलते हैं। बताया जाता है कि 1857 की क्रांति के दौरान अवध के अवयस्क नवाब बने बिरजिस कदर की मां बेगम हजरत महल ने दशहरा, दीवाली और ईद, सब मिलकर मनाने की परंपरा डाली, जो बाद में भी नहीं टूटी।

लखनऊ के योगेश प्रवीन बताते हैं कि वहां अब भी एक ऐसी रामलीला मंडली है, जिसमें सारे कलाकार और इंतजाम करने वाले मुसलमान ही हैं। रामलीला और रमजान एक साथ आ पड़े तो वे दिन में रोजा रहते हैं और रात में रामलीला करते हैं। वहां ऐशबाग में पहली रामलीला हुई तो उसे देखने वालों में तुलसीदास भी थे।

अयोध्यावासी बुजर्ग शायर अमानउल्लाह कुरैशी उर्फ 'अमान फैज़ाबादी' बताते हैं कि अपने बचपन में रामलीलाओं के दौर में वह खाने-सोने के बारे में भूलकर कभी बंदर का वेश धर भगवान राम के सैनिक बन जाते तो कभी मुंह पर कालिख पोत रावण की राक्षसी सेना में शामिल हो जाते। यह सिलसिला उनके बाद की पीढ़ी तक भी चलता रहा, लेकिन बाद में मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफ़रत का कारोबार शुरू हुआ तो सब छूट गया। वह बताते हैं, 'उन दिनों रामलीलाओं का ऐसा आकर्षण था कि पूरा परिवार देखने चला जाता। यह ख़तरा उठाकर कि पीछे घर लुट भी सकता है। मधुरोपासना से जुड़े गायन, रास, यक्षगान और कुड्डियाट्टम भी हुआ करते। रावण वध पर कम, रामजन्म, धनुर्भंग, रामविवाह, सप्तपदी और राजगद्दी पर ज़्यादा जोर होता था।' अयोध्या में भगवान राम की बारात निकलती तो उसमें सबसे आगे वे मुसलमान ही होते, जो अपने घोड़ों को सजाकर लाते और उनसे बारात की शोभा बढ़ाते। यहां रसिक से इतर एक सखी संप्रदाय भी है, जो भगवान राम से अपना वह रिश्ता मानकर हंसी-ठिठोली करता है, जो किसी किशोरी का उसकी बहन के पति से होता है। अयोध्या के आसपास दशहरे के समानांतर गंगा दशहरा मनाए जाने की परंपरा भी है। इसका संबंध उस प्रसंग से जोड़ते हैं, जिसमें वनवास से लौटने पर कुछ लोगों ने भगवान राम पर रावण जैसे ब्राह्मण की हत्या का अभियोग लगाया। तब कुलगुरु वशिष्ठ के संकेत पर भगवान को ज्येष्ठ महीने के शुक्लपक्ष की दशमी तिथि को पड़ोसी ज़िले सुल्तानपुर में आदि-गंगा कहलाने वाली गोमती नदी के तट पर स्थित एक तीर्थस्थल पर अपने पाप धोने पड़े थे। इसके बाद ही वह कथित ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्त हो पाए। अब इस तीर्थस्थल को 'धो पाप धाम' कहा जाता है। इसका महत्व इस प्रकार समझाते हैं, ग्रहणे काशी, मकरे प्रयाग। चैत्र नवमी अयोध्या, दशहरा धोपाप। इसका मतलब हुआ कि ग्रहण पर काशी में, मकर संक्रांति पर प्रयाग में, चैतरामनवमी पर अयोध्या में और ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशहरा तिथि पर धो पाप में नहा लिया जाए तो बैकुंठ पाने के लिए किसी अन्य किसी स्नान की ज़रूरत नहीं होती।

'सारा नहीं तो तारा', अभिनेत्री संग डिनर डेट पर पहुंचे सुर्खियों में कार्तिक

कार्तिक आर्यन और तारा सुतारिया को शनिवार रात मुंबई के बांद्रा में एक पॉश रेस्तरां के बाहर स्पॉट किया गया। दोनों स्टार्स का यह स्पॉटेड वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। साथ ही इस क्लिप ने दोनों के रिश्ते में होने की अफवाहों को हवा दे दी है। डिनर डेट के बाद दोनों एक-दूजे को गले लगाते नजर आए, जिसे देखकर नेटिजन्स की भौंहें चढ़ गईं। तारा सुतारिया और कार्तिक आर्यन को साथ देखकर एक और कयास लगाया जा रहा है, जिसे जानकर फैंस का खुश होना तय है।

डिनर डेट पर साथ स्पॉट कार्तिक-तारा

शनिवार रात को कार्तिक आर्यन और तारा सुतारिया रेस्तरां में डिनर कर बाहर निकलते देखे गए। इस दौरान कार्तिक, सेमी-फॉर्मल सफेद शर्ट में हमेशा की तरह बेहद हैंडसम लगे, तो वहीं तारा सुतारिया एनिमल-प्रिंटेड स्कर्ट के साथ ब्लैक क्रॉप टॉप में काफी हसीन नजर आईं। कार्तिक-तारा का यह स्पॉटेड वीडियो सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। एक यूजर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, 'सारा के बाद तारा।' दूसरे ने लिखा, 'इससे बेकार पीआर कहीं नहीं हो सकता। शायद एक नई फिल्म के लिए परीक्षण हो रहा है।'

दिलचस्प बात यह है कि कार्तिक आर्यन जब भी कोई फिल्म शुरू करते हैं तो उनका नाम उनके ज्यादातर को-स्टार के साथ जोड़ा जाता है। हालांकि, कार्तिक ने सारा अली खान को डेट किया था। अभिनेत्री ने 'कॉफी विद करण' में अभिनेता पर क्रश होने की बात कही थी, इसके बाद दोनों रिश्ते में रहे, लेकिन फिल्म 'लव आज कल' के फ्लॉप होते ही इनकी कहानी का भी अंत हो गया।

कार्तिक-तारा का वर्कफ्रंट

डियो के वायरल होते ही ऐसी खबरें भी चल रही हैं कि हिट 'आशिकी' फ्रेंचाइजी की आगामी तीसरी किस्त में कार्तिक और तारा मुख्य जोड़ी होंगे। फिल्मफेयर के मुताबिक, 'तारा को आशिकी 3 में मुख्य महिला भूमिका के लिए चुना गया है, जिसकी शूटिंग अगले वर्ष जनवरी में शुरू होने वाली है।'

खैर, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस बीच, कार्तिक आर्यन फिलहाल कबीर खान की फिल्म 'चंदू चैंपियन' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा, कार्तिक की पाइपलाइन में हंसल मेहता की 'कैप्टन इंडिया' और 'भूल भुलैया 3' भी है। दूसरी ओर, तारा सुतारिया अगली बार 'अपूर्वा' में धैर्य करवा के साथ नजर आएंगी।

बाजीगर एक्टर दलीप ताहिल को 2 महीने की जेल : 5 साल पुराने मामले में दोषी पाए गए, शराब के नशे में ऑटो को टक्कर मारी थी

बाजीगर, इश्क और रेस जैसी फिल्मों में नजर आ चुके सीनियर एक्टर दलीप ताहिल को 2 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। 5 साल पहले 2018 में दलीप ने मुंबई के खार इलाके में नशे में अपनी कार से एक ऑटो को टक्कर मार दी थी, जिसमें एक महिला घायल हो गई थी।

जांच में पाया गया था कि वो शराब के नशे में गाड़ी चला रहे थे और जब एक्सीडेंट हुआ तो वो फरार हो गए थे। हालांकि ट्रैफिक जाम के कारण वो भाग नहीं सके। घटनास्थल से उन्हें खार पुलिस स्टेशन लाया गया था, जहां वो साफ नशे में नजर आ रहे थे। इन्हीं सबूतों के आधार पर 5 साल बाद अब उन्हें मजिस्ट्रेट की अदालत ने दोषी ठहराया और 2 महीने की जेल की सजा सुनाई।

घटनास्थल से फरार होने की कोशिश की थी, लोगों से हुई थी हाथापाई

पिछली रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्सीडेंट होने के बाद दलीप ताहिल ने घटनास्थल से भागने की कोशिश की थी, हालांकि गणेश विसर्जन होने के कारण वो भीड़ में फंस गए और उन्हें लोगों ने पकड़ लिया। जब उन्हें गाड़ी से उतारने की कोशिश की गई तो उन्होंने वहां मौजूद लोगों से हाथापाई भी की

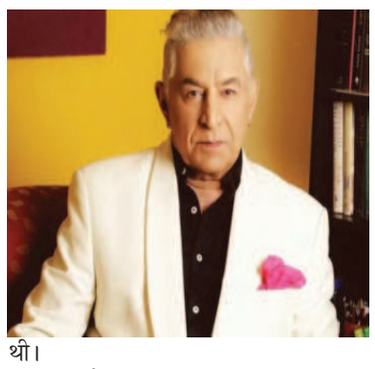

थी।

2018 में जमानत पर किया गया था रिहा

मुंबई के खार पुलिस स्टेशन के एक इंस्पेक्टर ने बताया था कि दलीप ताहिल ने ब्लड टेस्ट के लिए सैंपल देने से इनकार कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना का शिकार हुए तीन लोगों का मेडिकल करवाया था। इसके बाद अभिनेता ताहिल के खिलाफ नशे में और लापरवाही से गाड़ी चलाने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया गया था, हालांकि बाद में उनको जमानत पर रिहा कर दिया गया था। ताहिल ने 'बाजीगर, 'राजा', 'इश्क', 'रा.वन', 'कहो ना प्यार है' और 'सोल्जर' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया है।

'कल्कि 2898 एडी' के सेट पर पहुंच नाराज हुए राणा दग्गुबाती, नाग अश्विन से जलन का किया खुलासा

'कल्कि 2898 एडी' अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इस फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे सितारे मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इसे अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म माना जा रहा है। इसकी कहानी नाग अश्विन ने लिखी है, और उन्होंने ही इसका निर्देशन भी किया है। इसी कड़ी में साउथ सुपरस्टार राणा दग्गुबाती ने साझा किया है कि वह हाल ही में फिल्म के सेट पर पहुंचे थे, जहां उन्हें इसके निर्देशक नाग अश्विन से जलन महसूस हुई। राणा को ऐसा क्यों लगा उसके पीछे का कारण भी अभिनेता ने बताया है।

पहले 'प्रोजेक्ट के' के नाम से जानी जाने वाली 'कल्कि 2898 एडी' वर्ष 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में राणा दग्गुबाती ने फिल्म के सेट का दौरा किया। साथ ही राणा ने साझा किया कि उन्हें उस प्रोजेक्ट को जीवंत करने के लिए अश्विन से काफी ईर्ष्या महसूस हुई, जिसका सपना हमेशा से उन्होंने देखा था।

हालिया इंटरव्यू में राणा ने कहा, 'पहली बार मुझे किसी को देखकर जलन हुई जब मैं कल्कि के सेट पर गया। बड़े होकर, मेरे लिए दृश्य प्रभाव स्टार वार्स थे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे देखना मुझे बहुत पसंद है। फन्नीली, नागी (नाग अश्विन) को भी वह फिल्म पसंद आई। हालांकि, यह बेहद कम लोगों को ही पसंद आती है क्योंकि विज्ञान कथा मुख्यधारा नहीं है।'

राणा दग्गुबाती को हुई नाग अश्विन से जलन

राणा दग्गुबाती ने कहा कि वह फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को लेकर बहुत उत्साहित हैं और उनका मानना है कि यह पौराणिक कथाओं और विज्ञान कथाओं का मिश्रण करने वाला एक शानदार प्रोजेक्ट है।

अभिनेता ने आगे कहा, 'जब मैं सेट पर गया, तो मैंने कहा ओह वह इसे बना रहे हैं। जैसे वह वह सब कुछ बना रहे हैं जिसका मैंने सपना देखा था।

मुझे याद है कि मैंने उस दिन उनसे बात नहीं की थी। मैं घर वापस गया और मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि यार, मुझे सच में जलन हो रही है। मुझे नहीं पता क्यों। हालांकि, उन्होंने जवाब दिया कि यार, जब तुम ईर्ष्यालु हो तभी मुझे पता चलता है कि मैं सही काम कर रहा हूं, और यह पौराणिक कथाओं से लेकर विज्ञान कथा तक की कहानी है। मैं इस बात को लेकर बहुत उत्साहित हूं कि वह फिल्म क्या करेगी।

इसमें सबसे बड़ी स्टार कास्ट है। इसमें सब कुछ है।' नाग अश्विन की आगामी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' अमिताभ बच्चन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हसन जैसे स्टार्स हैं। फिल्म में दिशा पाटनी भी नजर आने वाली हैं। यह बहुप्रतीक्षित मूवी 12 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'यारियां 2' के लिए डेढ़ साल तक डाइट पर रहे मीजान, बोले- एक्टर को हमेशा तैयार रहना पड़ता है

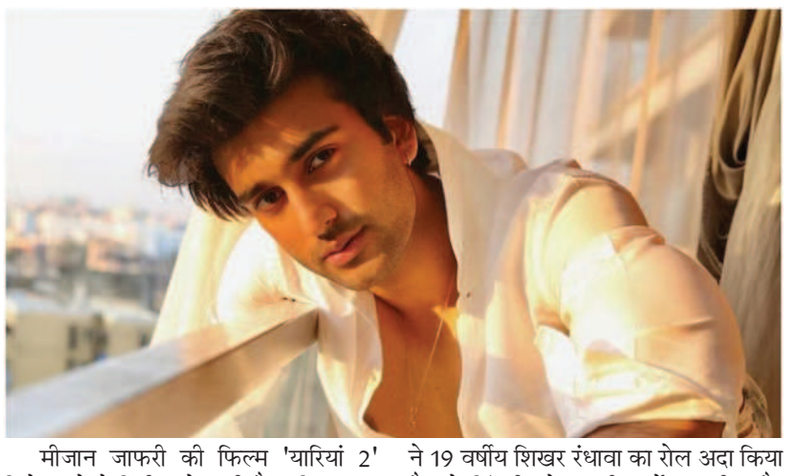

मीजान जाफरी की फिल्म 'यारियां 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। राधिका राव और विनय सप्रू के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दिव्या खोसला कुमार, अनस्वरा राजन , यश दासगुप्ता और पर्ल वी पुरी जैसे सितारे भी नजर आए हैं। हाल ही में मीजान ने इस फिल्म में अपने अभिनय को लेकर बात की। उनका कहना है कि मुझे यकीन है कि दर्शकों को मेरा काम पसंद आएगा।

बता दें कि मीजान ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'मलाल' (2019) से की थी। अपने करियर और काम को लेकर उन्होंने कहा, 'बतौर एक्टर, अगर आप अपना काम समझदारी से करते हैं तो लोग उसे देखते हैं। इससे आपको और ज्यादा काम मिलने में मदद मिलती है। अगर मैंने 'मलाल' में अच्छा काम नहीं किया होता तो मुझे आगे काम नहीं मिलता'।

डाइट पर रहने की बताई वजह

मीजान का मानना है कि अपने किरदार के लिए अतिरिक्त मेहनत करने से उन्हें कभी परहेज नहीं रहा। फिल्म 'यारियां 2' में मीजान ने 19 वर्षीय शिखर रंधावा का रोल अदा किया है, जो जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीता है। अपने करिदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म में अपने किरदार के लिए मैंने ऐसा नहीं किया कि सिर्फ एक महीने डाइट की हो और उसके बाद तीन महीने शूटिंग करके बात खत्म। मैं करीब डेढ़ साल तक डाइट पर रहा'।

मीजान ने आगे कहा, 'बतौर एक्टर आपको हमेशा तैयार रहना पड़ता है। कभी भी कॉल आ सकता है कि कल को तुम्हें कैमरा के सामने शर्टलेस होना है। तब आप कोई शिकायत नहीं कर सकते।

यह नहीं कह सकते कि 'मैं शेप में नहीं हूं।' अगर आपको अपना लक्ष्य पाना है तो आपको तैयार रहना होगा'। फिल्मों को लेकर अपने चयन के बारे में मीजान ने कहा, 'मुझे जो ऑफर होता है, मैं उसमें से बेस्ट पिक करता हूं।' मीजान ने कहा, 'मैं कोई भी किरदार बखूबी अदा कर सकता हूं। किसी भी शैली की फिल्म का हिस्सा बनने के लिए मैं खुद को ट्रांसफॉर्म कर सकता हूं।'

राजपाल कैदियों के लिए एक्टिंग वर्कशॉप रखा था, बोले- गलत नहीं था इसलिए सिर उठाकर सबका सामना किया

राजपाल यादव ने जेल में बिताए हुए दिनों को याद किया है। उन्होंने कहा कि वो दुनिया के सामने इस बारे में बात करने से बचते हैं। इसकी वजह ये है कि अभी इस मामले में पूरी तरह से रिजल्ट आना बाकी है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि इतने बुरे दौर के बाद भी उन्होंने कैदियों के लिए एक्टिंग वर्कशॉप का आयोजन किया था।

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट ने 3 महीने के लिए सजा सुनाई थी। ट्रायल कोर्ट के सामने एक समझौते की रकम देने में भी राजपाल यादव नाकाम रहे थे। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए हाईकोर्ट ने उनको सजा सुनाई थी। सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू राजपाल यादव ने जेल के दिनों के बारे में बात की। उन्होंने कहा- मैंने जेल में 3 महीने बिताए थे। इस दौरान जेल के लोगों के लिए परमिशन लेकर एक एक्टिंग वर्कशॉप का आयोजन किया था। ये वो लोग थे, जिन्हें संगीत और एक्टिंग से कोई मतलब नहीं रहता था। उन्होंने आगे कहा- मुझे पता था कि इस बुरे दौर से मैं 100 % अधिक मजबूत बनकर निकलूंगा। जेल से निकलने के बाद एक सर्टिफिकेट मिलता है। जेल के सुपरिटेंडेंट ने मुझे एक नहीं बल्कि 2 सर्टिफिकेट दिए थे।

जेल सुपरिटेंडेंट का कहना था कि उन्हें लग रहा था कि हर रोज सुबह उन्हें मेरी शिकायत मिलेगी। नामचीन शख्स होने के नाते मैं लोगों के साथ ढंग से बात नहीं करुंगा, तो लोग शिकायत करेंगे। मगर ऐसा नहीं हुआ बल्कि उन्हें मेरी पर्सनालिटी और व्यवहार से बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि वो इस अपमान को पॉजिटिव ढंग से लेते हैं और हंसते-हंसते उस समय को पार कर लेते हैं। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के लिए आभार भी व्यक्त किया, जिन्होंने इस बुरे समय में उन पर शक नहीं किया था।

राजपाल यादव ने आगे कहा- मैं जब कन्फ्यूज रहता, तब लोग मुझे जज करते। अगर आप अपनी हरकतों से लोगों को शक करने का मौका देंगे, तो लोग बिल्कुल जज करेंगे। अगर लोग आपको झुकाने की कोशिश कर रहे हैं, पर आपका जमीर जानता है कि आपने गलत नहीं किया तो आपको सिर उठाकर ही सबके सवालों का जवाब देना चाहिए।

2010 में राजपाल यादव ने बतौर डायरेक्टर अपनी फिल्म 'अता-पता लापता' के लिए 5 करोड़ रुपए का लोन लिया था, लेकिन इस रकम को नहीं चुकाने के कारण लोन देने वाला शख्स कोर्ट पहुंच गया। कोर्ट में इसी साल समझौता हुआ था कि राजपाल यादव 10 करोड़ 40 लाख की रकम लौटाएंगे, लेकिन जब यह रकम राजपाल यादव ने नहीं चुकाई तो कोर्ट ने उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया था। इंदौर निवासी सुरेंद्र सिंह से राजपाल यादव ने पर्सनल जरूरत बताते हुए रकम उधार ली थी। इस पैसे की वापसी के लिए यादव ने एक्सिस बैंक, मुंबई का एक चेक सुरेंद्र सिंह को दिया, जो कि सितंबर 2015 में बैंक में जमा करने पर बाउंस हो गया था।

कभी एक-एक रुपये के लिए तरसते थे रवि तेजा अब देश के सबसे बड़े 'चोर' बन चुरा रहे फैंस का दिल

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सितारे भी आज के समय में हिंदी पट्टी के लोगों के बीच उतने ही मशहूर हैं, जितने बॉलीवुड सेलेब्स हुआ करते हैं. एक से बढ़कर एक साउथ एक्टर अब हिंदी पट्टी के दर्शकों को लुभाने के लिए पैन इंडिया फिल्में बना कहा है और अब इनमें एक और दिग्गज का नाम शामिल हो गया है.

साउथ का यह दिग्गज कलाकार कोई और नहीं बल्कि सबके चहेते और पिछले करीब तीन दशक से लोगों के दिलों पर राज कर रहे रवि तेजा हैं. जहां आज के समय में रवि तेजा को लोग दिग्गज कलाकार के रूप में जानते हैं, वहीं एक समय ऐसा भी था जब वह दाने-दाने के लिए मोहताज थे. तो चलिए जानते हैं उस अभिनेता की इंस्पायरिंग स्टोरी के बारे में, जो इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं.

बचपन पर रहा गरीबी का साया

सिनेमा की दुनिया में एक मुकाम हासिल करना बहुत ही मुश्किल होता है. कहते हैं पर्दे पर चमकने के लिए हर रोज न जाने कितने लोग ऑडिशन देने पहुंचते हैं, लेकिन सफल बहुत ही कम हुआ करते हैं. रवि तेजा का हाल भी कुछ ऐसा ही था. नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वाले रवि तेजा ने सोने की तरह तपकर आज यह मुकाम पाया है कि लोग उन्हें दिग्गज अभिनेताओं की श्रेणी में गिनते हैं.

मुश्किल थी पढ़ाई की राह

बेशक आज उनके अभिनय के चर्चे पूरे भारत में होते हों, लेकिन किसी जमाने में वह काम पाने के लिए जद्दोजहद किया करते थे. दरअसल, रविशंकर राजू भूपतिराजू उर्फ रवि तेजा का बचपन बेहद गरीबी में बीता था. बेहद मुश्किलों में पढ़ाई करने के बाद रवि तेजा नौकरी करने के लिए चेन्नई आए और इसी दौरान उन्हें किसी ने फिल्मों में काम करने की सलाह दी थी.

फिल्मों में डेब्यू के बाद भी हाल रहा बेहाल

साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'कर्तव्यम' से इंडस्ट्री में कदम रखा था. सह-कलाकार के रूप में करियर की शुरुआत करने वाले रवि तेजा की किस्मत नहीं चमकी और पहली ही फिल्म के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो गया था. यह ऐसा समय था जब रवि तेजा ने फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करके गुजारा करना शुरू किया. लेकिन कहते हैं न भगवान के घर देर हैं अंधेर नहीं. साल 1996 में रवि तेजा की मुलाकात कृष्ण वाम्सी से हुई और यहीं से अभिनेता की किस्मत ने पलटी मारी थी.

वाम्सी के साथ रवि तेजा ने फिल्म 'नेने पल्लदुथा' में बतौर असिस्टेंट निर्देशक काम किया, जिससे डायरेक्टर बहुत खुश हुए थे. वाम्सी के दिमाग में रवि तेजा कुछ इस तरह उतरे कि निर्देशक ने अगले ही साल अभिनेता को अपनी फिल्म 'सिंधुरम' में मुख्य अभिनेता का रोल ऑफर किया और किस्मत का खेल देखिए फिल्म टिकट खिड़की पर हिट साबित हुई. फिल्म हिट होने के साथ ही उन्हें इसके लिए नेशनल अवॉर्ड भी मिला था.

वाम्सी-रवि की जोड़ी का कमाल

वाम्सी की फिल्म में चमकने के बाद रवि तेजा के पास फिल्मों की लाइन लग गई थी. इंडस्ट्री में अपनी किस्मत और अभिनय से सभी का दिल जीतने वाले रवि तेजा को अब हर कोई पहचानने लगा था. उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया, जो सुपरहिट भी रहीं. इस समय वह पूरे भारत में देश का सबसे बड़ा चोर बनकर धमाल मचा रहे हैं.

'टाइगर नागेश्वर राव' में बने चोर!

हाल ही में अभिनेता की फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' रिलीज हुई है, जिसमें उन्होंने भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर जाकर चोरी करने वाले चोर का किरदार निभाया है. फिल्म इस समय पूरे देश के फैंस के बीच धमाल मचा रही है. फिल्म के जरिए वाम्सी और रवि तेजा की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटी है, जिसे सभी पसंद कर रहे हैं.

बालकृष्ण की 'भगवंत केसरी' ने चार दिन में कमाए 40 करोड़

नंदमुरी बालकृष्ण की 'भगवंत केसरी' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है. बता दें कि 'भगवंत केसरी' थलपति विजय की 'लियो' के साथ ही रिलीज हई है. ऐसे में 'लियो' की तूफान के बीच नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म लगातारी बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ रही है. 'भगवंत केसरी' को सोशल मीडिया पर खूब रिस्पॉन्स मिल रहा है और फिल्म के एक्शन की जमकर तारीफ भी हो रही है.

19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस तेलुगू फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर 16.6 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी. वहीं अब फिल्म के चौथे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ गया है. फिल्म ने अपने चौथे दिन पर 8 कोरड़ रुपये की कमाई की. बता दें कि फिल्म ने पहले दिन 16.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. वहीं सेकेंड डे फिल्म ने 7 करोड़ रुपये कमाए थे और तीसरे दिन की कमाई 7.75 करोड़ रुपये थी. वहीं कुल मिलाकर घरेलू बाजार में फिल्म ने अब तक करीब 40 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है.

फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण धमाल मचा रहे हैं

तीन बार 'नंदी अवॉर्ड' से सम्मानित किए जा चुके नंदमुरी बालकृष्ण अपने जबरदस्त एक्शन के साथ फिल्म में धमाल मचा रहे हैं. वहीं 'भगवंत केसरी' की स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण के अलावा श्रीलीला, काजल अग्रवाल और अर्जुन रामपाल के साथ ने मुख्य भूमिका निभाई है. तेलुगू में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन अनिल रविपुडी ने किया है.

डिजिटल दौर में फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है

पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों में लोग अपने विवाह समारोह के पलों को फिल्मों के फोटो में कैद करना चाहते हैं। इससे कैमरे पर तस्वीरें खींचने वाले फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है। डिजिटल के मुकाबले फिल्म पर शूट की गई फोटो सॉफ्ट होती है।

यह धीमी और अधिक एनालॉग प्रक्रिया कई जोड़ों को पुराने जमाने के मीडियम की ओर आकर्षित कर रही है। अब कई जोड़ों को अपने विवाह के फोटो तत्काल की बजाय कुछ दिन बाद मिलते हैं। एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में स्थित वेडिंग फोटोग्राफर अन्ना अर्बन का कहना है, पिछले एक वर्ष से फिल्म फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है।

वैसे,वे अब भी डिजिटल कैमरे इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने सितंबर 2022 में बढ़ती मांग के कारण अपने क्लाइंट्स को फिल्म फोटोग्राफी ऑफर करना शुरू किया है। वे एक फिल्म रोल के लिए लगभग दस हजार रुपए लेती हैं। उनके पांच फीसदी वेडिंग क्लाइंट अपने पैकेज में फिल्म फोटोग्राफी शामिल करते हैं। वे बताती हैं, लोग कुछ अलग करना चाहते हैं। लंदन की फोटोग्राफर केट हेंपसन ने मई 2022 में सभी शादियों की तस्वीरें फिल्म पर खींचना शुरू किया है। उन्होंने अपने करिअर के शुरुआती वर्षों में डिजिटल फोटोग्राफी की है। वे डिजिटल फोटो के नतीजों से खुश नहीं हैं। बैकअप के तौर पर डिजिटल कैमरा साथ रखती हैं।

सैनफ्रांसिस्को की वेडिंग फोटोग्राफर जिलियन मिशेल न्यूयॉर्क और लॉसएंजिलिस में ज्यादा काम करती हैं। उन्होंने अधिकतर शादियों को फिल्म पर शूट किया है। 2009 में वेडिंग फोटोग्राफर के रूप में काम शुरू करने वाली मिशेल सभी फोटो डिजिटल कैमरे से खींचती थीं।

लेकिन, वे जल्द ही फिल्म की तरफ मुड़ गईं। वैसे, मिशेल कम रोशनी वाले फोटो डिजिटल कैमरे से लेती हैं। उनका कहना है, डिजिटल इमेज की तुलना में फिल्म की फोटो ज्यादा खूबसूरत लगती है। कुछ फोटोग्राफर फिल्म फोटो का लुक डिजिटल फार्मेट जैसा बनाना चाहते हैं।

आर्टिस्टिक तस्वीरें

एक फोटोग्राफर कहती हैं, फिल्म के फोटो डिजिटल से बेहतर नजर आते हैं। वे फिल्म पर फोटो उतारने की तुलना आयल पेंटिंग से करती हैं। फिल्म से अच्छी आर्टिस्टिक तस्वीरें बनती हैं।

त्यौहार में अपने आप को फ्लोरल प्रिंट्स से तडका लगाएं

मौसम के हिसाब से फैशन में बदलाव होने लगा है, ऐसे में पहली पसंद फ्लोरल प्रिंट बन गया है। फ्लोरल यानि खूबसूरत रंग-बिरंगे फूलों वाला प्रिंट एक

रिफ्रेशिंग लुक देता है। वैसे तो फ्लोरल प्रिंट का दौर बहुत पुराना है लेकिन यह हर बार एक नए लुक के साथ आता है। कॉटन, शिफॉन, रियॉन, जोर्जेट, लिनेन, सूती साटन फैब्रिक में फ्लोरल प्रिंट्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप कंफर्टेबल कपड़ों की तलाश में है तो आपके लिए फ्लोरल प्रिंट से जुड़े कुछ फैशन टिप्स लेकर आए हैं, जो गर्मियों के हिसाब से बिल्कुल परफेक्ट रहेंगे।

फ्लोरल ड्रेस

इन दिनों कोई ना कोई सेलेब फ्लोरल प्रिंट में नजर आ ही जाता

है। यह प्रिंट मूड को फ्रेश तो रखता ही है साथ ही हमारे लुक को अट्रैक्टिव भी बनाता है। फ्लोरल शॉर्ट या लॉन्ग ड्रेस को आप कैरी करके किसी भी मौके पर अलग लुक अपना सकते हैं। इसमें पिंक, येलो, ऑरेंज, लैवेंडर, ऑलिव ग्रीन, जैसे पेस्टल कलर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

फ्लोरल स्कर्ट

फ्लोरल की खासियत यह भी है कि ये हर स्किन टोन पर खिलते हैं। फ्लोरल स्कर्ट भी लड़कियों की फेवरेट क्लोदिंग आइटम बन चुकी है। इस बेसिक टीज़ और टॉप से लेकर क्लासिक शर्ट के साथ आसानी से पेयर किया जा सकता है। गर्मी में यह बहुत ही ज्यादा कंफर्टेबल रहती है, बस ध्यान रखें कि अधिक भारी शरीर वाली महिलाओं पर ये उतनी अच्छी नहीं लगेगी।

फ्लोरल लहंगा

सिर्फ वेस्टर्न ही नहीं ट्रेडिशनल आउटफिट में भी फ्लोरल का बोलबाला है। अगर आप वेडिंग फंक्शन के लिए बेहतरीन ड्रेस की तलाश में हैं तो इस बार फ्लोरल लहंगा ट्राई करें। इसके लिए आप करिश्मा कपूर के इस लुक से

फ्लोरल लहंगा

इंस्पिरेशन ले सकती हैं। इस प्रिंट का आउटफिट भारी भरकम लहंगे के मुकाबले आरामदायक और मॉडर्न लुक देता है।

फ्लोरल ब्लाउज

आप एथनिक वियर के रूप में फ्लोरल ब्लाउज को कैरी कर सकती हैं। अगर आप इस तरह के ब्लाउज को प्लेन साड़ी के साथ पहन रही हैं तो कोशिश करें कि स्लीव्स में फ्लोरल प्रिंट विजिबल हो। साथ ही मेकअप व एक्सेसरीज को बेहद ही मिनिमल रखें। लहंगे के साथ फ्लोरल ब्लाउज पहनना है तो इसे इंडो-वेस्टर्न लुक में डिजाइन करें ताकि आपका लुक औरों से अलग और यूनिक दिखे।

फ्लोरल साड़ी

समर सीजन में फ्लोरल साड़ियां का चलन काफी बढ़ जाता है। गर्मी के दिनों में हल्के रंग और हल्की साड़ियां ही पसंद की जाती हैं, कुछ हटकर दिखने के लिए कंट्रास्ट कलर का ब्लाउज भी ट्राई कर सकते हैं। आप चाहें तो फ्लोरल प्रिंट में लीफ पैटर्न को भी मिक्स एंड मैच कर सकते हैं। इसे आप रेगुलर यूज साथ किसी का पार्टीज में आसानी से पहन सकती हैं।

फ्लोरल दुपट्टा

अगर आप किसी गेट टू गेदर या हाउसहोल्ड पार्टी में एक एलीगेंट व ग्रेसफुल लुक कैरी करने की सोच रही हैं तो फ्लोरल दुपट्टा आपके काम आ सकता है। इसे स्टाइल करने के भी कई ऑप्शन मौजूद हैं, ताकि आप हर बार एक अलग लुक कैरी कर सकें। कैजुअल में एक स्मार्ट लुक देने के लिए, प्लेन व्हाइट सूट के साथ प्रिंटेड फ्लोरल दुपट्टे को पेयर किया जा सकता है। फ्लोरल

फ्लोरल दुपट्टा

दुपट्टा सिर्फ सूट के साथ ही लहंगे के साथ भी काफी जचता है।

नौकरी मिलने की उम्मीद बढ़ाएं ये टिप्स

नौकरी पाने की जल्दी में अक्सर लोग रिजेक्ट हो जाते हैं। ये उपाय जॉब मिलने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा देंगे।

ड्रीम जॉब नहीं होता

यदि आपका मैनेजर वैसा नहीं है, जैसा आप चाहते थे, साथ देने वाले और प्रोत्साहित करने वाले कुलीग्स नहीं हैं या ऑफिस का वर्क-कल्चर आपकी उम्मीद से जुदा है, तो ऐसी जगह पर काम करके आप खुश और संतुष्ट नहीं रहेंगे। जिसे ड्रीम जॉब मान रहे हैं, वो सबसे खराब भी साबित हो सकता है।

हर बात को सही ना मानें

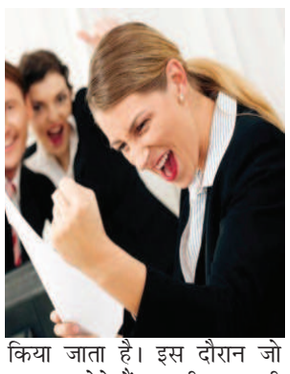

कई बार नौकरी के लिए दिए गए जॉब डिस्क्रिप्शन बेहद खराब तरीके से लिखे होते हैं। अक्सर इन्हें पांच से दस साल में अपडेट

किया जाता है। इस दौरान जो बदलाव होते हैं, उनकी जानकारी नहीं दी जाती है। किसी भी नौकरी के विवरण पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करें। केवल गाइड की तरह ही देखना चाहिए।

उपलब्धि हाईलाइट करें

अमूमन कोई भी रिक्रूटर एक एप्लिकेशन पर लगभग सात सेकंड या उससे भी कम समय के लिए रुकता है। इसके बाद वो उसे या तो फेंक देता है या संभाल कर रख लेता है। अपना रिज्यूमे सबसे अलग दिखाना चाहते हैं तो इसे कंपनी और अपने नेचर ऑफ जॉब के अनुसार तैयार करें। खास उपलब्धियों को हाईलाइट करें।

कवर लेटर जरूरी है

कवर लेटर ऐसा होना चाहिए, जो बताता हो कि कैसे आपकी स्किल्स की कंपनी को जरूरत है। कवर लेटर पर आपके किए गए किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के नतीजों का पूरा विवरण भी होना चाहिए। इस संस्थान में आपकी रुचि किसलिए पैदा हुई, इसकी वजह भी कवर लेटर पर स्पष्ट रूप से लिखी जा सकती है।

'तकनीक' के दुष्प्रभावों से ऐसे बचें

वर्तमान समय में हमारे जीवन को आसान बनाने में टैक्नोलॉजी का बहुत बड़ा हाथ रहा है। टैक्नोलॉजी के ही कारण आज घर पर बैठ कर सभी तरह के काम मिनटों में हो जाते हैं।

कोई भी काम हो, चाहे वह टिकट बुकिंग करना हो, इंटरनैट से शिक्षा ग्रहण करना हो, या व्यापार करना हो आदि सभी काम टैक्नोलॉजी द्वारा हो जाते है। आज हमारा देश टैक्नोलॉजी के मामले में किसी भी देश से कम नहीं है। देश के होनहार वैज्ञानिकों व इंजीनियरों की मदद से आज हमने उन्नत टैक्नोलॉजी में महारत कर ली है।

प्रौद्योगिकी के आगमन के बाद से आपसी सम्पर्क कम होता जा रहा है। लोग आमने-सामने बातचीत करने के बजाय ऑनलाइन मिलने और बधाई देने की प्रवृत्ति रखते हैं। यह अंततः अलगाव और समाज से अलग होने की भावना का परिणाम है।

कई अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि समाज के साथ कम सम्पर्क ने अवसाद और सामाजिक चिंता जैसे विभिन्न प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को और बढ़ाया है। साथ ही ए. आई. यानी कृत्रिम बुद्धि की तकनीक जिस तेजी से विकास कर रही है, उससे नौकरी को लेकर असुरक्षा की भावना बढ़ी है। गैजेट्स की लत भी जीवन को प्रभावित करने लगी है। टैक्नोलॉजी के फायदे या नुक्सान तो मनुष्य के हाथ में हैं इसलिए इन सुविधाओं एवं टैक्नोलॉजी का प्रयोग अपनी जरूरत एवं सुविधा के अनुसार करें। इसका दुरुपयोग न करें जिससे भविष्य में दुष्प्रभाव सहना पड़े।

जब सहकर्मी करे 'बॉस से आपकी शिकायत

बहुत बुरा लगता है जब कोई सहकर्मी आपकी शिकायत लेकर सीधे मैनेजर के पास चला जाता है। ऐसा करके वह न केवल आपका भरोसा तोड़ता है बल्कि बॉस के सामने आपकी छवि भी खराब कर देता है । क्या करना चाहिए जब कोई इस तरह आपको अनदेखा करे। ऐसी स्थिति में बेहद सोच-समझ कर ही कदम उठाना चाहिए।

जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष न निकालें

हो सकता है आप सोच रहे हों कि आपके सहकर्मी ने सीधे बॉस के पास जाकर ठीक नहीं किया। उसे पहले आपसे बात करनी चाहिए थी या बॉस के पास आपको भी साथ लेकर जाना चाहिए था । यह भी सम्भव है कि आप इस स्थिति को गलत आंक रहे हों केवल तथ्यों पर ध्यान दें।

सहकर्मी से बात करें

साथी से अकेले में बात करें। बातचीत शुरू करने से पहले खुद को

याद दिलाएं कि चाहे जो हो, आपको खुले दिमाग से बात करनी है। पहले उनकी बात सुननी है, बाद में अपनी बात रखनी है।

बातचीत के दौरान अन्तिम लक्ष्य पर फोकस बनाए रखें। फिर चाहे वो विश्वास हासिल करना हो या अपने अधिकारों की रक्षा करना । बॉस का विश्वास

जीतने की कोशिश करें

सहकर्मी के सम्बन्ध ठीक हो जाएं तो अपने मैनेजर के साथ बैठें और उनसे भी बात करें। जो हुआ वह आखिर कैसे हुआ और क्यों हुआ, उन्हें पूरी बात बताएं। हो सके तो उन्हें इस बात का विश्वास दिलाएं कि इस तरह की परिस्थिति दोबारा पैदा नहीं होगी ।

दुल्हन के लिए स्टाइलिश कमरबंद के बेहतरीन कलेक्शन

ज्वेलरी के बिना दुल्हन का श्रृंगार अधूरा ही माना जाता है। मांग टीका, नेकलेस, नथ, चूड़ा, पायल, हाथबंद और बाजूबंद यह सारी चीजें दुल्हन की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती हैं। दुल्हन के श्रृंगार में कमरबंद का भी अहम रोल होता है। सिर्फ शादी वाले दिन ही नहीं इसके अलावा भी कमरबंद को महिलाएं आसानी से पहन सकती हैं। आज आपको कमरबंद के कुछ अलग-अलग डिजाइन्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

डायमंड कमरबंद

इन दिनों डायमंड ज्वेलरी का क्रेज काफी बढ़ गया है। शादी या पार्टी में सबसे अलग और

खूबसूरत दिखने के लिए आप हीरे से जड़ा कमरबंद पहन सकते हैं। सिल्वर लहंगे के साथ कमरबंद ज्वेलरी पूरे लुक में चार- चांद लगा देगी।

भगवान की तस्वीर वाला कमरबंद

अगर आपको ट्रैडिशनल चीजें पहनना पसंद है तो भगवान की तस्वीर वाले कमरबंद चूज कर सकते हैं। यह आपके लुक को रॉयल बनाने का काम करेगा। साउथ इंडियन दुल्हनें इस तरह के कमरबंद पहनना ज्यादा पसंद करती हैं।

पर्ल कमरबंद

पर्ल का एवरग्रीन फैशन सिर्फ हेयर बैंड या नेकलेस में नहीं बल्कि कमरबंद में भी देखने को मिल रहा है। मोतियों से जड़ा कमरबंद आपको भीड़ में से हटकर एक अलग ही लुक देगा।

थ्री लेयर कमरबंद

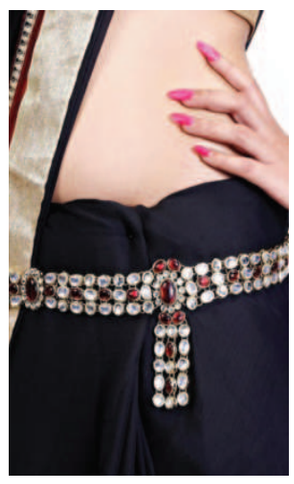

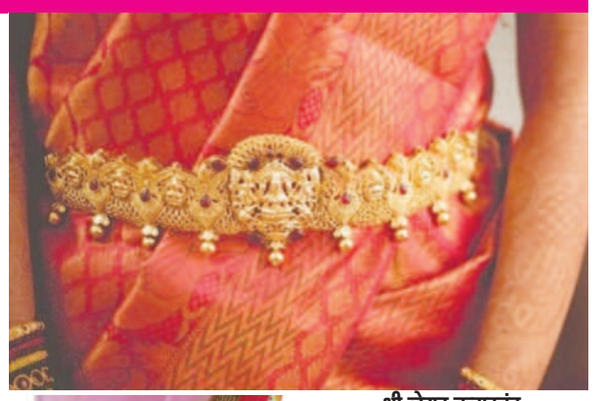

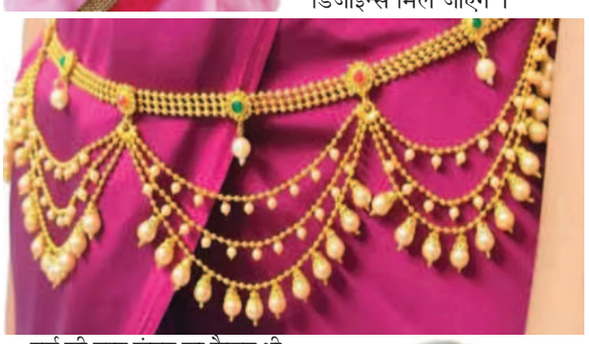

थ्री लेयर कमरबंद का डिजाइन भी काफी ट्रेंड में है। तीन अलग-अलग लेयर्स वाला ये कमरबंद दुल्हन के लिए परफेक्ट रहेगा। इसमें आपको कई तरह के डिजाइन्स मिल जाएंगे ।

कुंदन कमरबंद

पर्ल की तरह कुंदन का फैशन भी एवरग्रीन है और यह कभी पुराना नहीं होता। साड़ी या लहंगे के साथ आप कुंदन से तैयार किया कमरबंद कैरी कर सकती हैं।

यह सिंपल और अट्रैक्टिव होने के साथ आपके लुक को यूनिक बनाने का काम करेगा। वेडिंग डे के अलावा इसे खास दिन में भी आसानी से कैरी किया जा सकता है।

सिल्वर ऑक्सीडाइज्ड कमरबंद

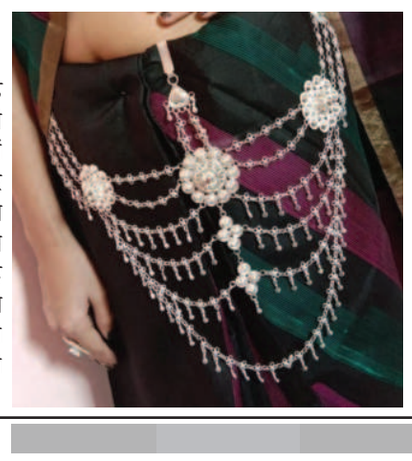

ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी की तो बात ही निराली है, इसमें ईयररिंग्स से लेकर नेकलेस सभी के अलग और यूनिक डिजाइन्स मिल जाएंगे। इस तरह के कमरबंद आप आर्डर देकर अपने बजट के अनुसार भी बनवा सकते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

-हमेशा ड्रेस के अनुसार ही कमरबंद कैरी करें। सिंपल लहंगे और साड़ी के साथ हैवी कमरबंद कैरी करें।

-हैवी कमरबंद को लहंगे या साड़ी के वेस्ट लाइन के नीचे ही पहनें।

-गोल्ड, सिल्वर या मोती या कुंदन से जड़े कमरबंद कैरी करने से पहले चेक कर लें कि वह आपको चुभ तो नहीं रहे।

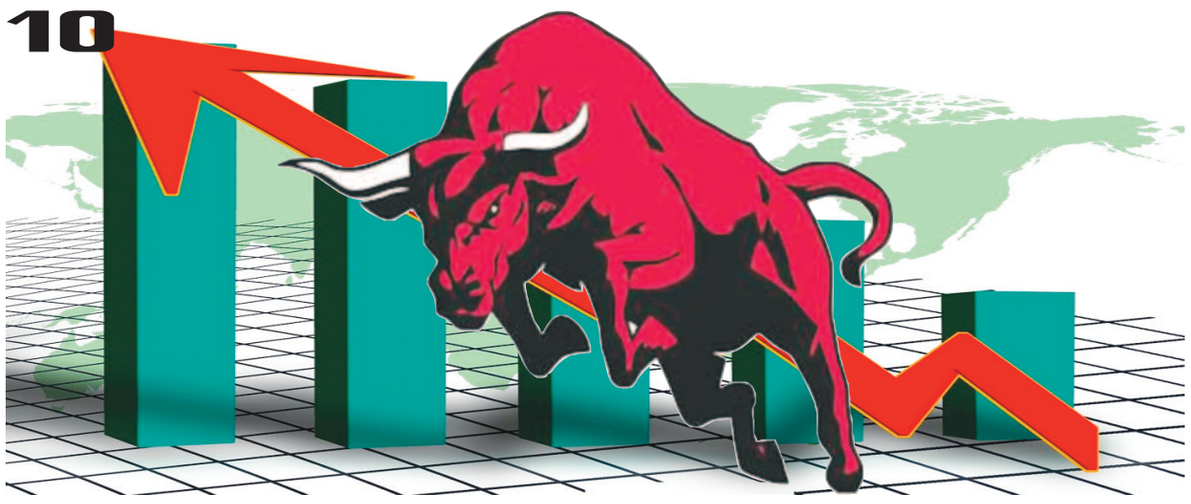

अमेरिका बना भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर

चीन दूसरे नंबर पर, देखिए क्या कह रहे आंकडे

नई दिल्ली , 22 अक्टूबर (एजेंसिया) वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और घटते निर्यात एवं आयात के बावजूद अमेरिका चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2023 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार (11.3 फीसदी घटकर 59.67 अरब डॉलर रह गया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 67.28 अरब डॉलर था। अप्रैल-सितंबर, 2023 में अमेरिका को निर्यात घटकर 38.28 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले साल समान अवधि में 41.49 अरब डॉलर था। अमेरिका से आयात भी घटकर 21.39 अरब डॉलर

रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 25.79 अरब डॉलर था।

भारत और चीन के बीच कारोबार घटा

इसी तरह, भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार भी 3.56 फीसदी घटकर 58.11 अरब डॉलर रह गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में चीन को निर्यात मामूली रूप से घटकर 7.74 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 7.84 अरब डॉलर था। चीन से आयात भी घटकर 50.47 अरब डॉलर पर आ गया, जो पिछले साल समान अवधि में 52.42 अरब डॉलर था।

ग्लोबल डिमांड में कमजोरी का असर

एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक मांग में कमजोरी के कारण भारत और अमेरिका के बीच निर्यात तथा आयात में गिरावट आ रही है, लेकिन व्यापार वृद्धि जल्द सकारात्मक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आने वाले वर्षों में अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का रुझान जारी रहेगा, क्योंकि भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

जीएसपी का फायदा मिले

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात व आयात (एक्जिम) पर राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष संजय बुधिया ने पहले कहा था भारतीय निर्यातकों को अमेरिका द्वारा 'सामान्य तरजीह प्रणाली' (जीएसपी) लाभ की बहाली के लिए शीघ्र समाधान समय की मांग है। क्योंकि इससे द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा मिलने में मदद मिलेगी। मुंबई स्थित निर्यातक खालिद खान ने कहा कि रुझान के अनुसार वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना रहेगा।

लुधियाना के निर्यातक एस. सी. रल्हन ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार लगातार बढ़ेगा।

विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार से मोहभंग, अक्टूबर में निकाले 12,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली , 22 अक्टूबर (एजेंसिया) अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने तथा इजराइल-हमास संघर्ष की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 12,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। हालांकि, इस दौरान एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में 5,700 करोड़ रुपये से अधिक डाले भी हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक एवं प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, "आगे चलकर भारतीय बाजारों में एफपीआई का निवेश न केवल वैश्विक मुद्रास्फीति और ब्याज दरों से, बल्कि इजराइल-हमास संघर्ष से जुड़े घटनाक्रमों से भी प्रभावित होगा।" उन्होंने कहा कि भूराजनीतिक तनाव ऐसा जोखिम है जिसकी वजह से भारत जैसे उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी का प्रवाह प्रभावित हो सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने 20 अक्टूबर तक एफपीआई ने 12,146 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। इससे पहले सितंबर में भी एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने 14,767 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। एफपीआई मार्च से अगस्त तक इससे पिछले छह माह के दौरान लगातार लिवाल रहे थे।इस दौरान उन्होंने शेयर बाजारों में 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई की बिकवाली की प्रमुख वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का लगातार बढ़ना है। अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल (10 साल के लिए) 19 अक्टूबर को 17 साल के उच्चस्तर पांच प्रतिशत पर पहुंच गया है। इसके साथ ही इस साल अबतक शेयरों में एफपीआई का कुल निवेश 1.08 लाख करोड़ रुपये और बॉन्ड बाजार में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

फेस्टिव सीजन की धूम, मॉल-बाजारों में शॉपिंग पर मिल रहा बंपर डिस्काउंट, पूरी डिटेल

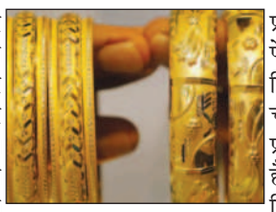

नई दिल्ली , 22 अक्टूबर (एजेंसिया) फेस्टिव सीजन का दौर चल रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के मॉल और मार्केट लोगों के लिए तैयार हैं। यहां शॉपिंग से लेकर जूलरी की खरीद पर कई तरह के लुभावने ऑफर तक मिल रहे हैं। खरीदारों की संख्या भी यहां पर ऑफर के चलते काफी ज्यादा है। बजट के मुताबिक खरीदार हैं। दिवाली और धनतेरस के ऑफर में डायमंड जूलरी खरीदने पर ग्राहकों को 30 प्रतिशत तक का डिस्काउंट मिल रहा है। मॉल में कपड़ों की शॉपिंग पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। अलग-अलग मॉल ने यहां पर स्टोर और दुकानों से टाईअप किया हुआ है। लोगों को खरीदारी करने पर लकी ड्रॉ के वाउचर भी मिल रहे हैं। यह वाउचर मॉल में एक बॉक्स में जमा किए जा रहे हैं। धनतेरस के दिन ड्रॉ खोला जाएगा। इसमें लोगों को 70 हजार रुपये तक का गोल्ड वाउचर मिलेगा।

50 फीसदी बढ़ी खरीदारी

नवरात्रि और दशहरे को लेकर डांडिया नाइट से लेकर बड़े स्क्रीन पर रामलीला का मंचन हो रहा है। जूलरी, फूड शॉप, शोरूमों के बाहर फेस्टिव ऑफर की बाकायदा ब्रांडिंग की जा रही है। मॉल प्रबंधन के अनुसार फेस्टिव सीजन में भारी डिस्काउंट ऑफर के चलते खरीदारी 50 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। सबसे ज्यादा डिस्काउंट ऑफर जूलरी और कपड़ों की शॉपिंग पर दिए गए हैं। जुलरी बुक करने पर 5 फीसदी तक की छूट है। वहीं, एक लाख रुपये कीमत की जूलरी खरीदने पर 100 ग्राम तक का सिल्वर कॉइन ग्राहकों को उपहार में मिल रहा है। 24x7 स्टोर की सुविधा यहां के करीब 3 मॉल और प्लाजा में है।

प्रॉपर्टी पर भी डिस्काउंट

वहीं, स्टूडियो अपार्टमेंट में घर की हर सुविधा के साथ किराए पर कमरे भी 30 फीसदी तक के डिस्काउंट ऑफर में मिल रहे हैं। ग्रेनो वेस्ट में रहने वाली 7 लाख से ज्यादा आबादी को यहां सारी सुविधाएं महज 2 से 3 किमी के दायरे में बने 12 से ज्यादा मॉल और प्लाजा में मिल रही हैं। एक मॉल और 2 प्लाजा में 20 से ज्यादा स्क्रीनों पर पीवीआर की भी सुविधा है। मॉल के रेस्त्रां और फूड कोर्ट में सिर्फ 99 रुपये में खाने की सुविधा भी है। बच्चों के लिए झूलों और प्ले जोन भी फेस्टिव सीजन में डिस्काउंट से भरे हैं।

महंगाई की मार! नवरात्रों में भी प्याज के तेवर नहीं हुए ढीले, थोक में 40 रुपये किलो तक चढ़े भाव

नई दिल्ली , 22 अक्टूबर (एजेंसिया) दिल्ली में नवरात्रों के दिनों में भी प्याज के तेवर गरम हैं। बड़ी आबादी श्राद्ध और उसके बाद नवरात्रों में प्याज और लहसून खाने से परहेज करती हैं। आस्थावान नवरात्रों में सात्विक भोजन लेना पसंद करते हैं। क्योंकि, प्याज और लहसून को तामसिक प्रवृत्ति का माना जाता है।

इसके बावजूद मंडी में प्याज की कीमत बढ़ी है। गाजीपुर सब्जी मंडी के पूर्व चेयरमैन एसपी गुप्ता ने बताया कि थोक में प्याज की कीमत 30 से 40 रुपये किलो चल रही है। रिटेल में प्याज 50 से 60 रुपये किलो मिल रही होगी। कम पड़ गया प्याज मार्केट में प्याज कम पड़ गया है। बैंगलुरू का प्याज दिल्ली नहीं पहुंच रहा है। वहां फसल खराब हुई है। अभी महाराष्ट्र के नासिक और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों से प्याज आ रही है। अगले महीने नवंबर से अलवर का प्याज दिल्ली आने लगेगा। नवरात्र के बाद फिर से प्याज की खपत बढ़ेगी। नवंबर में भी रेट गिरने के आसार नहीं हैं। एसपी गुप्ता ने कहा कि अब तो अप्रैल तक महंगा प्याज ही उपभोक्ताओं को खरीदना होगा। नासिक की फसल अप्रैल में आती है। अभी दिल्ली की सभी मंडियों में प्याज की 70 से 80 गाड़ियां आ रही हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्यादित (नेफेड) की 15-20 गाड़ी आ रही हैं, जिसका भाव 32 से 35 रुपये किलो है। मगर, इतना प्याज मांग के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। कितने बढ़े हैं प्याज के दाम केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स (प्राइस मॉनिटरिंग सेल) द्वारा मुहैया कराए डेटा की माने तो दिल्ली में शुक्रवार को प्याज का दैनिक खुदरा औसत मूल्य 36.37 रुपये प्रति किलो रहा, जो कि हफ्तेभर पहले 34.31 रुपये और महीनेभर पहले 33.38 रुपये किलो था। यही प्याज सालभर पहले 29.10 रुपये किलो बिक रहा था।जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र की थोक मंडियों में भी प्याज के दाम में खासा उछाल देखा जा रहा है। इसमें करीब 30 फीसदी का उछाल आया है। महाराष्ट्र की थोक मंडियों में एक हफ्ते में ही प्याज 30 फीसदी महंगी हो चुकी है। यहां के रेट पिछले हफ्ते 2500 रुपये प्रति क्विंटल पर थे, जो कि इस हफ्ते 3250 रुपये प्रति क्विंटल पर आ

86 पॉवर प्लांट्स में कोयला भंडार का बड़ा संकट

सामान्य स्तर से भी कम बचा स्टॉक, क्या होगा असर?

नई दिल्ली , 22 अक्टूबर (एजेंसिया) देश में 86 ताप बिजली संयंत्रों के पास 18 अक्टूबर तक कोयले भंडार 'गंभीर' स्तर पर था। इनमें से छह संयंत्र आयातित ईंधन पर आधारित हैं। केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। किसी बिजली संयंत्र में कोयला भंडार की स्थिति तब गंभीर मानी जाती है, जब उसके पास कोयले का भंडार सामान्य स्तर की तुलना में 25 प्रतिशत से भी कम रह जाता है। सीईए की 18 अक्टूबर 2023 की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, देश में निगरानी वाले 181 ताप बिजली संयंत्रों में से 86 में कोयला भंडार की स्थिति गंभीर हैं। इन 86 में से छह आयातित कोयला आधारित संयंत्र हैं। सीईए देश में 206 गीगावॉट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता वाले 181 कोयला आधारित ताप बिजली संयंत्रों की निगरानी करता है। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 149 गीगावाट की कुल क्षमता वाले कोयला खानों से दूर स्थित 148 घरेलू कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के पास कोयला भंडार सामान्य स्तर के 29 प्रतिशत से कम है। इन 148 संयंत्रों के पास 18 अक्टूबर 2023 तक 4.35 करोड़ टन के मानक स्तर के मुकाबले लगभग 1.27 करोड़ **टन कोयला था।दूर दराज से पहुंचाना पड़ता है कोयला**

वहीं 18 खानों के पास स्थित कोयला आधारित संयंत्रों की स्थिति बेहतर है। इन संयंत्रों के पास सामान्य स्तर की तुलना में 81 प्रतिशत कोयला है। इन 18 संयंत्रों की कुल बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 40 गीगावाट है। विशेषज्ञों का मानना है कि आमतौर पर कोयला खानों के पास स्थित संयंत्रों में शुष्क ईंधन स्टॉक की स्थिति गंभीर नहीं होती है। वहीं जो संयंत्र कोयला खानों के पास नहीं हैं, उनके लिए कोयला दूरदराज से पहुंचाना पड़ता है।

सीईए करता है निगरानी

सीईए की निगरानी के तहत आने वाले 15 आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों में कोयला भंडार की स्थिति बेहतर थी। इन संयंत्रों के पास सामान्य स्तर से 52 प्रतिशत कोयले का भंडार था। इन 15 आयातित कोयला आधारित संयंत्रों की कुल उत्पादन क्षमता 17 गीगावाट है। रिपोर्ट से पता चला कि करीब 206 गीगावाट की कुल क्षमता वाले इन 181 बिजली संयंत्रों के पास 5.43 करोड़ टन के मानक स्तर के मुकाबले 2.04 करोड़ टन (आदर्श स्तर का 38 प्रतिशत) कोयला भंडार था। इन 181 संयंत्रों की दैनिक ईंधन आवश्यकता 28 लाख टन है। इस प्रकार उनके पास 18 अक्टूबर 2023 तक सात दिन से थोड़ा अधिक समय तक चलने वाला कोयला भंडार है।

फेस्टिव सीजन में चीनी महंगी

सरकार की कोशिशों के बाद भी कम नहीं हो रहे भाव

नई दिल्ली , 22 अक्टूबर (एजेंसिया) त्योहारी सीजन में आवश्यक वस्तुओं के दामों पर नियंत्रण लगाने के लिए केंद्र सरकार कई प्रयास में जुटी है। चीनी और टूटे चावलों के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। इसके बावजूद होलसेल और रिटेल में चीनी का भाव तेज, तो चावल मंदा चल रहा है। खारी बावली स्थित गली बताशा में चीनी के थोक विक्रेता गौरव अग्रवाल ने कहा कि चीनी की खपत 12 महीने होती है, लेकिन फेस्टिवल सीजन में मांग बढ़ जाती है। 20-25 दिनों में चीनी के प्राइस में 4 रुपये प्रति किलो का इजाफा हुआ है। अभी और भी रेट बढ़ने की आशंका है। मिलों में माल नहीं है। सरकार जितना मर्जी कंट्रोल लगा ले, भाव रुकना मुश्किल है। नवंबर से मिल शुरू हो जाएंगी। तब भी रेट उतरने के चांस कम हैं। यदि सरकार का प्रेशर होगा, तो बात अलग है। चीनी असेन्शल आइटम है, लिहाजा सरकार का फोकस है।

सरकार कर रही निगरानी

अभी थोक में 4,250 से 4,300 रुपये क्विंटल, तो रिटेल में 44-45 रुपये किलो चीनी बिक रही है। केंद्र में खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव संजीव चोपड़ा का दावा है कि भारत में चीनी का पर्याप्त स्टॉक रहेगा। पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण प्रोग्राम के तहत ग्रीन एनर्जी की दिशा में भारत के प्रयासों में निरंतरता बनी रहेगी। सरकार का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी का मूल्य 12 वर्ष में सबसे महंगा है। इसके बावजूद भारत में चीनी विश्व में सबसे सस्ती है। रिटेल प्राइस में मामूली बढ़ोत्तरी हुई है। घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए सरकार चीनी मिलों के मासिक डिस्पैच की निगरानी कर रही है। सभी व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बिग चेन रिटेलर, चीनी प्रसंस्करणकर्ताओं को अपने चीनी स्टॉक की स्थिति की जानकारी पोर्टल पर देने के लिए निर्देश दिया गया है।

उबले चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क

केंद्र ने 2022-23 में 1.78 मिलियन टन गैर-बासमती चावल और 4.6 मिलियन टन बासमती चावल का निर्यात किया था। गैर-बासमती चावल निर्यात में से लगभग 7.8-8 मिलियन टन चावल उबला हुआ था। 25 अगस्त 2023 से उबले चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क शुरू में 15 अक्टूबर 2023 तक लगाया गया था, जिसे अब 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

इन देशों को चावल निर्यात में केंद्र ने दी ढील

भारत ने गैर-बासमती सफेद चावल पर प्रतिबंध के बावजूद विशिष्ट देशों को गैर-बासमती सफेद चावल की विशिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला किया है। चावल निर्यात के पात्र देशों में नेपाल (95,000 मीट्रिक टन), कैमरून (1,90,000 मीट्रिक टन), मलेशिया (1,70,000 मीट्रिक टन), फिलीपींस (2,95,000 मीट्रिक टन), सेशेल्स (800 मीट्रिक टन), कोर डी आइवोर (1,42,000 मीट्रिक टन), और गिनी गणराज्य (1,42,000 मीट्रिक टन), संयुक्त अरब अमीरात (75,000 मीट्रिक टन), भूटान (79,000 मीट्रिक टन) सिंगापुर (50,000 मीट्रिक टन) तथा मॉरीशस (14,000 मीट्रिक टन) शामिल हैं।

बाजार में चावल की कोई कमी नहीं

दिल्ली ग्रेन मर्चेंट असोसिएशन के प्रेजिडेंट नरेश गुप्ता ने बताया कि चावल तो पहले ही सस्ता हो रहा है। होलसेल में 28 से 32 रुपये किलो तक परमल चावल है। चावल के दाम घट रहे है। सितंबर से धान की फसल आ रही है। ये वैरायटी के हिसाब से आती रहती है। बाजार में हर तरह का चावल है।

ऑनलाइन सट्टे से हर महीने कमाए 8-8 सौ करोड़

शेयर बाजार में भी लगा महादेव ऐप वालों का मोटा पैसा

नई दिल्ली , 22 अक्टूबर (एजेंसिया) महादेव सट्टा स्कैम अभी सुर्खियों में है। इस मामले में लगातार छापेमारियां की गई हैं और हर कार्रवाई में चौंकाने वाले खुलासे होते गए हैं। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने अब प्रोसेक्यूशन कंप्लेन फाइल किया है। चार्ज शीट के समतुल्य माने जाने वाले प्रोसेक्यूशन कंप्लेन में ईडी का दावा है कि महादेव ऐप को चलाने वालों ने ऑनलाइन सट्टे के जरिए हर महीने 8-8 सौ करोड़ रुपये की कमाई की है।

हर पैनल से 30-40 लाख कमाई

ईडी का कहना है कि अब तक हुई जांच के आधार पर महादेव सट्टा ऐप से की जाने वाली कमाई का अंदाजा लगा है। शुरुआती चांज के हिसाब से महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर हर महीने एक-एक पैनल से 30-40 लाख रुपये की कमाई कर रहे थे। अभी जितने एक्टिव पैनलों की जानकारी मिल पाई है, उनकी संख्या 2000 से भी ज्यादा है। इस तरह देखें तो हर महीने सट्टे के जाल से महादेव ऐप के प्रमोटर 600 से 800 करोड़ रुपये की कमाई कर रहे थे।

5000 करोड़ रुपये से ज्यादा का स्कैम

ईडी ने अभी अनुमान लगाया है कि महादेव सट्टा ऐप के स्कैम का यह पूरा मामला 5000 करोड़ रुपये से ज्यादा का है। इस मामले में सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को मुख्य आरोपी बनाया गया है। यही दोनों महादेव सट्टा नेटवर्क के प्रमोटर हैं और पूरे सट्टा स्कैम के मुख्य लाभार्थी भी यही दोनों हैं। दोनों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट हो चुके हैं। हालांकि अभी तक दोनों जांच एजेंसियों की पकड़ से बाहर हैं। इस कारण अब उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस निकलवाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए ईडी ने सीबीआई को रिक्वेस्ट किया है, जो रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाने के लिए इंटरपोल से संपर्क करने के लिए अधिकृत है।

सट्टा स्कैम का मोडस ओपेरांडी

इस पूरे स्कैम के बारे में जानने के लिए सबसे जरूरी मोडस ओपेरांडी को जानना है, यानी किस तरीके से इतने बड़े पैमाने पर स्कैम को अंजाम दिया गया। ईडी का मानना है कि चंद्राकर और उप्पल फ्रेंचाइजी मॉडल के आधार पर सट्टे के नेटवर्क को संचालित कर रहे थे। इस पूरे नेटवर्क को चलाने में उन्हें कई सहयोगियों का साथ मिल रहा था।

इस हिसाब से शेयर होता था मुनाफा

इसके लिए कई ऑपरेटर बनाए गए थे। सभी ऑपरेटर को महादेव सट्टा नेटवर्क की तरफ से पैनल दिया जाता था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	05-53 बजे
चंद्र-	मकर में	वृश्चिक.	08-02 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	10-16 बजे
बुध-	तुला में	मकर..	12-23 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	14-13 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	15-51 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-27 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	19-12 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	21-12 बजे
		कर्क...	23-24 बजे
		सिंह...	01-37 बजे
		कन्या..	03-43 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-14** सूर्यअस्त - **17-46**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **17 -45-** तक उपरान्त दशमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , सोमवार **23 October**
नक्षत्र - श्रवण - **17- 13** - तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - शूल - **18 - 52** - तक उपरान्त गण्ड
करण- बालव - **06 -54** - तक उप- कौलव
विशेष:- दुर्गानवमी पूजा
व्रत -त्योहार - हेमन्त ऋतु प्रा.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:39 से 09:06 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:14 - 07:39 शुभ	चंचल.	17:46 - 19:21 शुभ
काल	07:39 - 09:06 अशुभ	रोग	19:21 - 20:54 अशुभ
शुभ.	09:06 - 10:33 शुभ	काल	20:54 - 22:27 अशुभ
रोग	10:33 - 12:00 अशुभ	लाभ	22:27 - 00:00 शुभ
उत्पात	12:00 - 13:27 अशुभ	उत्पात	00:00 - 01:34 अशुभ
चंचल	13:27 - 14:54 शुभ	शुभ	01:34 - 03:07 शुभ
लाभ	14:54 - 16:21 शुभ	अमृत.	03:07 - 04:40 शुभ
अमृत	16:21 - 17:46 शुभ	चंचल.	04:40 - 06:14 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड़ पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कम करने का भी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे । सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी , तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे । शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे । अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड़ पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कम करने का भी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

अगर आपने व्यावसायिक साझेदारी को तोड़ने का फैसला कर लिया है , तो आप एक विनम्र और यथार्थवादी तरीके से ऐसा करे । आपको इस शीत युद्ध के अंत के लिए बहुत प्रभावी ढंग से और आसानी से संवाद स्थापित करना होगा और हो सके तो आपको ही पहल करनी होगी ताकि बर्फ कुछ पिघले । आपका ध्यान हर किसी चीज़ पर बहुत अच्छी तरह से केंद्रित है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज का दिन आपके लिए काफी हद तक उत्तम रहेगा । कुछ मुश्किल कार्य जो की आपने समय पर छोड़ दिए थे उन्हें पूरा करने का भी ये उचित समय है । आज के दिन आप अपने सारे रुके हुए कार्य अपनी उम्मीद से ज्यादा पूरा कर पायेंगे और सारा काम का भोज आज खत्म हो सकता है। आज आप में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वित्तीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपको विदेशी भूमि में स्थापित प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ कार्य करने के लिए प्रस्ताव मिल सकता है , और आपके विदेश में बसने का आपका सपना सच हो सकता है, हालाँकि दस्तावेज से जुड़े कुछ मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन इन मुद्दों का समय रहते हल हो जाएगा, और जब आपको सब कुछ मिल जाएगा जिसे आप चाहते थे तो धन की वर्षा भी आप पर होने लगेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज महत्वपूर्ण मुद्दों को भी एक तरफ रखकर जिन्दगी की छोटी छोटी खुशियों का मजा लें । आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कम करने का भी ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कतर के कहने पर ही हमास ने क्यों छोड़े बंधक

13 दिन चली बैकडोर मीटिंग्स, फिर अमेरिका को खुश करने के लिए रिहा किए नागरिक

तेल अवीव, 22 अक्टूबर(एजेंसियां)। इजराइल हमास जंग शुरू होने के 13 दिन बाद हमास ने 2 अमेरिकी बंधकों को रिहा कर दिया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ये कतर की मध्ययसथता से संभव हो पाया है। अमेरिका अपने सभी नागरिकों को रिहा कराना चाहता है। इसके लिए इजराइल पर दबाव बनाया जा रहा है कि वो गाजा में घुसने के अपने प्लान को कुछ दिनों के लिए टाल दे।

दरअसल, गाजा से बंधकों को छुड़ाना आसान काम नहीं है। 7 अक्टूबर से ही बंधकों की रिहाई के लिए बैठकें और दौरे किए जा रहे हैं। 7 अक्टूबर को जैसे ही अमेरिका को जानकारी मिली की हमास ने कई नागरिकों को बंधक बना लिया है।

तभी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जासिम अल-थानी को फोन किया। ब्लिंकन ने अल-थानी के सामने बंधकों का मुद्दा उठाया।

अमेरिकी डिप्लोमैट्स को उम्मीद थी कि बंधकों को छुड़वाने के लिए कतर मध्यस्थता करवा सकता है और यही हुआ भी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, अगले 2 हफ्तों तक ब्लिंकन और दूसरे अमेरिकी अधिकारी कतर के डिप्लोमैट्स के संपर्क में रहे।

कतर से ही ऑपरेट करता है हमास चीफ

इस दौरान तुर्किये, मिस्र और फ्रांस के अधिकारियों के बीच कई बार बैठकें भी हुई। संधि के लिए कतर को इसलिए चुना गया क्योंकि ये देश अमेरिका का सहयोगी होने के साथ ही हमास से भी संबंध रखता है। हमास चीफ इस्माइल हानिया भी राजधानी दोहा से ही काम करते हैं। कतर पहले भी अमेरिका और हमास जैसे संगठनों के बीच मध्यस्थता करवा चुका है।

इसके बाद 20 अक्टूबर की रात को हमास ने दो अमेरिकी बंधकों जूडिथ और नताली रानन को छोड़ दिया। ये दोनों मां-बेटी हैं। दोनों के आजाद होते ही अमेरिकी अधिकारियों ने कतर को धन्यवाद कहा। 2 अमेरिकी बंधकों के आजाद होने पर बाकी करीब 200 बंदियों के परिजनों के मन में भी उम्मीद जागी है कि एक दिन शायद उनके रिश्तेदार-दोस्त भी घर वापस लौट सकेंगे।

अब सवाल है कि हमास ने इन 2 अमेरिकी बंधकों को ही क्यों आजाद किया? अमेरिका वो देश है जो जंग में सबसे ज्यादा इजराइल का साथ दे रहा है। ऐसे में उसी के नागरिकों को हमास ने क्यों छोड़ा?

पूर्व एफबीआई एजेंट रॉबर्ट डीएमिको ने लंबे समय तक बंधकों से जुड़े केस पर काम किया है। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि इन 2 बंधकों को छोड़ने के पीछे की एक बड़ी वजह ये हो सकती है कि ये दोनों स्वस्थ थे। मध्यस्थता के बाद जब किसी बंधक को छोड़ा जाता है तो आमतौर पर इसके लिए घायल बंधकों को नहीं चुना जाता। इस दौरान यही मैसेज देने की कोशिश रहती है कि सभी लोगों को कैद में सुरक्षित रखा गया था।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हमास ने जब लोगों को अगवा किया था तब उनमें से कई लोग बुरी तरह से घायल थे। इनमें कैलिफोर्निया का भी एक नागरिक था, जिसका ग्रेनेड हमले में आधा हाथ उड़ गया था। इसके अलावा रानन परिवार को चुनने की पीछे की दूसरी वजह ये भी हो सकती है कि वो अमेरिकी थे।

दरअसल, पिछले दिनों मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार ये दावा किया जा रहा था कि बाइडेन इजराइली PM नेतन्याहू को गाजा पर हमले को कुछ दिन के लिए टालने को कह रहे हैं। ऐसे में हमास बाइडेन सरकार के सामने अपनी छवि को कुछ हद तक सुधारने की कोशिश कर रहा है, जिससे इजराइल की जवाबी कार्रवाई कुछ नर्म पड़ सके।

हमास ने इजराइल से पकड़े गए लोगों को गाजा में सड़कों के नीचे बनी अंडरग्राउंड टनल में रख रखा है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इंटेलिजेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमास ने अपने बंधकों को अलग-अलग गुटों में बांट दिया है। इजराइली सैनिकों को आम नागरिकों से अलग रखा गया है।

शरीफ बोले-अमेरिका ने परमाणु परीक्षण टालने 5 अरब डॉलर ऑफर किए

कहा- भारत को जवाब देने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की भी बात नहीं मानी

लाहौर, 22 अक्टूबर(एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 4 साल बाद अपने मुल्क लौटे। दोपहर करीब 2 बजे इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद वो सीधे लाहौर गए। यहां मीनार ए पाकिस्तान में एक रैली में भाषण दिया।

इस दौरान नवाज शरीफ ने पाकिस्तान की परमाणु टेस्टिंग को लेकर एक खुलासा किया। उन्होंने कहा- न्यूक्लियर टेस्ट नहीं करने के लिए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने उन्हें पांच अरब अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी। नवाज ने कहा- इसके बावजूद उन्होंने 1998 में परमाणु परीक्षण कर भारत के परमाणु परीक्षण का करारा जवाब दिया था।

'हमें सजा मिलती रही'

नवाज शरीफ ने कहा विदेश कार्यालय में रिकॉर्ड मौजूद होगा कि क्लिंटन ने मुझे पांच अरब अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी। मैनें क्लिंटन से कहा- मैं पाकिस्तान की जमीन पर पैदा हुआ हूं और उसने मुझे ये इजाजत नहीं दी कि मैं पाकिस्तान के हक में जो नहीं, उसे स्वीकार कर लूं।

इसके बाद शरीफ ने इमरान खान का नाम लिए बगैर उन पर कटाक्ष करते हुए लोगों से पूछा- मुझे बताइए, मेरी जगह कोई और होता, तो वो अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने क्या यह बात कह सकता था?

उन्होंने मीनार-ए-पाकिस्तान में PML-N की रैली में लगभग 60 मिनट भाषण दिया। उन्होंने कहा- हमने परमाणु परीक्षण किया और भारत के परमाणु परीक्षण को करारा जवाब दिया।

शरीफ ने आगे कहा, "तो क्या हुआ कि हमें इसके लिए सजा मिली? क्या इसी वजह से हमारे खिलाफ फैसले सुनाए जाते हैं?"

नवाज शरीफ ने कश्मीर का मसला हल करने की भी बात कही। उन्होंने कहा- हमें फैसला करना होगा, कि किस तरह हमें अपना खोया मकाम हासिल करना होगा। किस तरह हमें एक आजाद फॉरेन पॉलिसी बनानी होगी। हमें अपने पड़ोसियों से बेहतर रिश्ते बनाने होंगे।

1984 में ही परमाणु परीक्षण कर सकता था पाक

आज से करीब 23 साल पहले 8 मई, 1998 को पाकिस्तान ने अपना पहला न्यूक्लियर टेस्ट किया था। ये टेस्ट बलुचिस्तान प्रांत के चगाई जिले में किया गया था। टेस्टिंग 30 मई तक चला थी।

पाकिस्तान के न्यूक्लियर प्रोग्राम के जनक अब्दुल कदीर खान ने न्यूक्लियर टेस्टिंग को लेकर कहा था की पाकिस्तान 1984 में ही ये परीक्षण करने की क्षमता रखता था। हालांकि, तब के राष्ट्रपति जिया उल हक ने इसकी इजाजत नहीं दी थी।

पाकिस्तान ने भारत के परमाणु परीक्षण के जवाब में अपना पहला न्यूक्लियर टेस्ट किया था। नवाज शरीफ ने खुद इस बात की पुष्टि की थी। उन्होंने कहा था- अगर भारत अपना न्यूक्लियर टेस्ट ना करता तो हम भी ना करते। भारत परमाणु परीक्षण करने से हम पर पब्लिक का काफी दबाव पड़ा, जिसके चलते हमने भी अपना पहला परमाणु परीक्षण किया।

नवाज के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ किया

पहले ये माना जा रहा था कि नवाज जब भी देश लौटेंगे तो उन्हें एयरपोर्ट से जेल जाना होगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। गुरुवार को PML-N की एक याचिका पर इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई की। महज 7 मिनट में नवाज को 24 अक्टूबर तक गिरफ्तारी से राहत मिल गई।

20 हजार मुस्लिम कट्टरपंथियों को निकालेगा फ्रांस, लिस्ट बनाई

शरण मांगने वालों की संख्या घटेगी; धार्मिक स्थानों को मिलने वाली फंडिंग की भी जांच

पेरिस, 22 अक्टूबर(एजेंसियां)। फ्रांस में अब धार्मिक स्थानों को मिलने वाली फंडिंग की भी जांच होगी। आतंकवाद और कट्टरपंथ की फ्रांसीसी वॉच लिस्ट के अनुसार कुछ धार्मिक जगहों में शिक्षा के नाम पर कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा दिया जा रहा है। फ्रांसीसी सरकार ने धार्मिक फंडिंग की जांच के लिए 2,450 मस्जिदों की सूची बनाई है।

फ्रांस ने अपने देश में आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। शरण के नाम पर फ्रांस में रह रहे 20 हजार से ज्यादा मुस्लिम कट्टरपंथियों को देश से निकालने के लिए लिस्ट बना ली है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने ये कदम हाल में एक टीचर की चाकू मारकर हत्या के बाद उठाया है। इसमें आरोपी युवक को मुस्लिम कट्टरवाद से प्रेरित था।

कट्टरपंथ को बढ़ावा देते हैं

गृह मंत्रालय का मानना है कि रूस सहित पूर्वी यूरोप के देशों से शरण मांगने के नाम पर बड़ी संख्या में लोग फ्रांस में बस रहे हैं।

ये फ्रांस की लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनुचित फायदा उठा कट्टरपंथ को बढ़ावा देते हैं।

फ्रांस ने 2017 से 2021 के दौरान सात लाख लोगों को शरण दी थी। इनमें से छह लाख पाकिस्तान, सीरिया, लीबिया, मोरक्को, और क्रोएशिया के थे। अब सरकार ने शरण मांगने वालों की प्रति वर्ष संख्या एक लाख के औसत से घटाकर 75 हजार करने का ऐलान किया है।

फ्रांस के स्कूलों में फुल बुर्के पर बैन लगेगा

फ्रांस ने 2 महीने पहले ही सरकारी स्कूलों में लड़कियों के अबाया पहनने पर बैन लगाने का फैसला किया था। फ्रांस के शिक्षा मंत्री गैब्रियल एटॉल ने टीवी चैनल टीएफ1 को दिए एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि हमने यह तय किया है कि सरकारी स्कूलों में अबाया नहीं पहना जाएगा। अबाया एक तरह का फुल बुर्का होता है।

उन्होंने कहा कि जब आप क्लासरूम में जाएं तो आपके धार्मिक पहचान कपड़े देखकर तय नहीं होनी चाहिए। यह कदम फ्रांसीसी स्कूलों में अबाया पहनने पर महीनों की बहस के बाद आया है, जहां महिलाओं के हिजाब पहनने पर लंबे समय से प्रतिबंध लगा हुआ है।

फ्रांस ने 2004 में स्कूलों में हेडस्कार्फ पहनने पर और 2010 में सार्वजनिक रूप से पूरे चेहरे के नकाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे फ्रांस में रहने वाली 50 लाख मुस्लिम लोगों में अब तक नाराजगी है। फ्रांस के सरकारी स्कूलों में बड़े क्रॉस, यहूदी किप्पा और इस्लामी हेडस्कार्फ पहनने की अनुमति भी नहीं हैं।

जंग के बीच भारत ने गाजा भेजी राहत सामग्री

लिखा- ये भारतीयों की तरफ से तोहफा; इजराइल ने वेस्ट बैंक में मस्जिद पर एयरस्ट्राइक की

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर(एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग का आज 15वां दिन है। इस बीच भारत ने भी करीब 6500 किलो मेडिकल एड और 32 हजार किलो जरूरी सामान फिलिस्तीनियों के लिए भिजवाया है। सामान के डिब्बों पर लिखा है कि ये भारत के लोगों की तरफ से फिलिस्तीनियों के लिए तोहफा है।

ये राहत सामग्री C-17 एयरक्राफ्ट के जरिए गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस से रवाना हो चुकी है, जो पहले मिस्र पहुंचेगी। इसके बाद इसे खुले राफा बॉर्डर के जरिए गाजा तक पहुंचाया जाएगा। इसमें कई जरूरी दवाइयां, सर्जरी का सामान, टेंट, स्लीपिंग बैग, पानी साफ करने वाली टैबलेट सहित दूसरे जरूरी सामान शामिल हैं।

दूसरी तरफ, इजराइल की सेना ने रविवार को वेस्ट बैंक में जेनिन की अल-अंसार मस्जिद पर एयरस्ट्राइक की। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने बताया कि सुरक्षा इंटेलिजेंस ने हमें बताया कि हमास के लड़ाकों ने मस्जिद को कमांड सेंटर बना रखा था। वे यहीं से हमले की प्लानिंग करते और उसे अंजाम देते थे।

इजराइल ने सीरिया के एयरपोर्ट्स पर हमला किया

सीरिया की न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि रविवार सुबह इजराइल ने अलेप्पो और दमिश्क के एयरपोर्ट पर हमला किया। इससे इनके रनवे तबाह हो गए, जिसकी वजह से दोनों एयरपोर्ट पर सर्विस बंद करनी पड़ी। दमिश्क पर एयरस्ट्राइक में 1 कर्मचारी की मौत हुई है।

वहीं, गाजा में अस्पतालों के डॉक्टरों ने वॉर्निंग जारी करते हुए कहा है कि वहां करीब 130 प्रीमैच्योर नवजातों की जान को खतरा है। डॉक्टरों ने कहा है कि अगर जल्द से जल्द फ्यूल नहीं पहुंचा तो सपोर्ट सिस्टम ठप हो जाएगा, जिससे बच्चों की जान जा सकती है।

हिजबुल्लाह बोला- हमारे 14 मेंबर्स की मौत हुई

दूसरी तरफ, इजराइल ने वेस्ट बैंक में जेनिन के रिफ्यूजी कैंप पर भी एयरस्ट्राइक की। इजराइल पर हमास के बाद लेबनान की तरफ से भी हमले जारी हैं। देर रात इजराइली सेना ने लेबनान बॉर्डर पर एयरस्ट्राइक की। वहीं, लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने बताया कि 7 अक्टूबर से अब तक उनके 14 मेंबर मारे जा चुके हैं।

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजराइली सेना ने दावा किया है कि जंग की शुरुआत से अब तक हमास के 550 रॉकेट मिसफायर हुए हैं, जो गाजा में ही गिरे हैं। इनसे काफी नुकसान भी हुआ है।

वेस्ट बैंक में सेना ने हमास लड़ाकों के घर तबाह किए

इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में रेड की। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यहां कई इलाकों से जंग शुरू होने के बाद से अब तक 727 फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 450 फिलिस्तीनी हमास से जुड़े बताए गए हैं।

7 अक्टूबर से शुरू हुई जंग के बाद से ही वेस्ट बैंक में भी हिंसा हो रही है। अब तक यहां 81 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। 1300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पिछले 24 घंटे में यहां से 68 हमास लड़ाकों को गिरफ्तार किया गया है।

सेना ने कहा- हमने अकाबत जबर शरणार्थी शिविर में हमास के लड़ाके माहेर शालून का घर तबाह कर दिया है। उसने फरवरी में अमेरिकी-इजरायल नागरिक एलन गनेल्स की हत्या की थी। कई अन्य लड़ाकों के घर तबाह किए गए हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने लेबनान के कार्यवाहक PM से बात की

इजराइल-लेबनान बॉर्डर पर बढ़ते तनाव को देखते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती से फोन पर बात की। उन्होंने कहा- इजराइल-हमास जंग में शामिल होने से लेबनान के लोगों पर भी खतरा मंडरा सकता है।

हेल्थ मिनिस्ट्री का कहना है कि गाजा में मारे गए लोगों में 70 प्रतिशत महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग हैं।

गाजा के सात अस्पतालों और 25 हेल्थ केयर सेंटर में फ्यूल की कमी के कारण लोगों की इलाज नहीं हो पा रहा है। गाजा के अस्पतालों में बेड ऑक्यूपेंसी 150 फीसदी तक पहुंच गई है। घायलों के इलाज के लिए अस्पतालों के बाहर टेंट लगाए गए हैं। इजराइली सेना ने चेतावनी दी है जो लोग गाजा नहीं छोड़ेंगे उन्हें आतंकवादी माना जाएगा। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, देर रात हमास ने गाजा बॉर्डर पर तैनात इजराइली टैंकों पर हमला किया। हालांकि, इजराइली सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हमास के कब्जे से वापस आए अमेरिकी नागरिकों से बाइडेन ने बात की

हमास ने कतर की मध्यस्थता के बाद शुक्रवार रात 2 अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया। ये दोनों मां-बेटी जूडिथ और नताली हैं। इन दोनों से राष्ट्रपति बाइडेन ने फोन पर बात की। उन्होंने कहा- खुशी है कि आप घर वापस आ गए।

बीजेपी में शामिल हो सकते हैं विधायक चिंतामणि महाराज

कांग्रेस से टिकट कटने से है नाराजगी; पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल हेलीकॉप्टर से सामरी पहुंचे

अंबिकापुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में विधायकों के टिकट कटने के बाद बगावत बढ़ती जा रही है। अब सामरी से कांग्रेस विधायक चिंतामणि महाराज को लेकर बड़ी खबर है। विधायक चिंतामणि कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम सकते हैं। चिंतामणि महाराज अभी श्रीकोट में मौजूद हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक बृजमोहन अग्रवाल हेलीकॉप्टर से कुसमी पहुंच चुके हैं। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय सहित अन्य नेता भी कुसमी पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि चिंतामणि महाराज भी टिकट कटने से नाराज हैं। कांग्रेस ने सामरी से विजय पैकरा को प्रत्याशी बनाया है।

बताया जा रहा है कि सामरी विधानसभा के चारों ब्लाक अध्यक्ष और कांग्रेस जिलाध्यक्ष भी चिंतामणी से खासे नाराज थे। पूरा संगठन यहां टीएस सिंहदेव का कट्टर समर्थक है। संगठन और सिंहदेव की नाराजगी ही चिंतामणी के टिकट कटने का कारण बनीं।

चिंतामणी महाराज को लेने के लिए हेलीकाप्टर से पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल कुसमी पहुंचे हैं। वहां से वे विष्णुदेव साय सहित अन्य नेताओं के साथ श्रीकोट जाएंगे, जहां चिंतामणी महाराज का आश्रम है। वहां से वे चिंतामणी महाराज को लेकर रायपुर रवाना होंगे। चिंतामणी महाराज आज की भाजपा ज्वाइन कर सकते हैं।

चिंतामणी महाराज करीब 11 साल पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। 2013 में उन्हें कांग्रेस ने लुंड्रा से टिकट दिया था और वे विधायक बने। फिर 2018 में चिंतामणी महाराज को कांग्रेस ने सामरी से प्रत्याशी बनाया और वे दूसरी बार विधायक चुने गए।

चिंतामणी महाराज पूर्व में भाजपा में थे। रमन सरकार के पहले कार्यकाल में चिंतामणि महाराज 2004 से 2008 तक राज्य संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष रहे।

उन्होंने सामरी विधानसभा से टिकट मांगा था, लेकिन भाजपा ने उन्हें उपेक्षित कर दिया। उन्होंने 2008 में सामरी विधानसभा से ही निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिसमें हार गए।

खुदाई में मिला कंकाल न्यूज एंकर सलमा सुल्ताना का

डीएनए जांच में पुष्टि; कोरबा में 5 साल पहले ब्वॉय फ्रेंड ने मारकर दफनाया था

कोरबा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरबा में पांच साल पहले 21 अक्टूबर 2018 को लोकल चैनल की न्यूज एंकर सलमा सुल्ताना की हत्या मामले में डीएनए रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में ये साफ हो गया है कि पुलिस को मिला कंकाल सलमा का ही है। ब्वॉय फ्रेंड ने हत्या कर निर्माणाधीन सड़क के किनारे लाश को दफ्ना दिया था।

कोरबा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि डीएनए टेस्ट के लिए सलमा की मां का ब्लड सैंपल लिया गया था, जिसमें इस बात की पुष्टि हो गई किदर्री नेशनल हाईवे से खोदकर जो कंकाल बरामद किया गया था, वो सलमा का ही है।

सैटेलाइट तस्वीर के जरिए पुख्ता इनपुट मिलने के बाद पुलिस ने कोर्ट से अनुमति लेकर कोहड़िया के पास नेशनल हाईवे के किनारे खुदाई की थी। वहां से पुलिस को नर कंकाल बरामद हुआ था, जिसके बाद उसके फीमर बोन के सैंपल और सलमा सुल्ताना की मां के ब्लड सैंपल डीएनए टेस्ट के लिए भेजे गए थे। करीब एक माह बाद रिपोर्ट आई है।

कुछ महीने पहले संदेहियों की निशानदेही पर पुलिस ने कोहड़िया के पास नेशनल हाईवे के किनारे खुदाई की थी, लेकिन पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा था। इसके बाद

पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की थी। कुछ दिन बाद ही मुख्य आरोपी मधुर साहू, उसके दो साथी कौशल श्रीवास और अतुल शर्मा पकड़े गए थे।

25 साल की सलमा सुल्ताना कुसमुंडा के एसईसीएल कॉलोनी में रहती थी। वो धीरे-धीरे न्यूज फील्ड में अपने पांव जमाने की कोशिश कर रही थी। उसका करियर तो परवान चढ़ ही रहा था, साथ ही जिम ट्रेनर मधुर साहू से उसकी नजदीकियां भी बढ़ रही थीं। इसके बाद अचानक 2018 में वो लापता हो गई। यहां तक कि 20 जनवरी 2019 को जब उसके पिता की मौत हुई, तो उसमें भी वो शामिल नहीं हुई।

सलामा की स्कूटी रेलवे स्टेशन पर मिली थी, वहीं उसका मोबाइल स्विच ऑफ था। उससे संपर्क करने की हर कोशिश नाकाम हो रही थी। इसके बाद परिजन को किसी अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया।

4 दिन छुट्टी, जमा नहीं होंगे नामांकन: 10 हजार के सिक्कों से पति-पत्नी ने खरीदा नामांकन

बिलासपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए महिला अपने पति के साथ थैले में 10 हजार के सिक्के लेकर नामांकन पत्र लेने पहुंची। महिला का कहना था कि बैंक ने सिक्कों को जमा करने से मना कर दिया। जिस कारण सिक्कों के बदले नामांकन पत्र लिया है। अब पति अखिलेश मिश्रा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे।

दरअसल छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन पत्र लेने और जमा करने का सिलसिला शनिवार से शुरू हो गया है। पहले दिन बिलासपुर जिले से 28 लोगों ने नामांकन पत्र लिए। इस बीच 4 दिन अवकाश रहेगा और नामांकन नहीं लिए जाएंगे। पहले दिन एक भी नामांकन पत्र जमा नहीं किया गया।

कलेक्ट्रेट ऑफिस में नामांकन पत्र जारी करने और जमा करने के लिए विधानसभावार अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। सुबह 11 बजे के बाद विधानसभा में दावेदारी करने वाले नेता और उनके समर्थकों की भीड़ लगने लगी। निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार एक उम्मीदवार अधिकतम चार सेट नामांकन दाखिल कर सकता है। सामान्य वर्ग के उम्मीदवार को जमानत राशि के तौर पर 10 हजार तो आरक्षित वर्ग के प्रत्याशी को 5 हजार रुपए जमा करना पड़ रहा है।

पहले दिन कुदुदंड 27 खोली निवासी महिला नीतू मिश्रा थैले में 10 हजार रुपए के 1-2 के सिक्के लेकर पहुंची।

उनके पति अखिलेश मिश्रा ने निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र लिया है। थैले में रखे सिक्कों को गिनने के लिए तीन से चार कर्मचारी लगे।

सिक्कों को गिनने में आधे घंटे से ज्यादा समय लगा। नीतू मिश्रा ने कहा कि बैंक वालों ने एक और दो रुपए के सिक्कों को लेने से मना कर दिया। उन्हें लगा कि नामांकन जमा करने के लिए पैसे ले लिए जाएंगे, इसलिए वो सिक्कों को लेकर आई हैं।

नीतू ने कहा कि पति अखिलेश मिश्रा बिलासपुर विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। पहले दिन शनिवार को भाजपा-कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेता समेत 28 लोगों ने अमानत राशि जमाकर नामांकन पत्र खरीदा है।

जिन्होंने नामांकन लिया है, उनमें बिलासपुर विधानसभा से चंद्रशेखर पाण्डेय, तोलाराम रेलवानी, मनोज कुमार टंडन, रश्मि साहू, विजय आहूजा, बागी कांग्रेस नेता अरूण तिवारी, पूरनलाल छाबरिया और अनिलेश मिश्रा शामिल हैं।

जामताड़ा में अज्ञात बीमारी से हो रही मौतें: बिहार में करता था मजदूरी, घर लौटने पर हुआ बीमार, इलाज से पहले हुई मौत

जामताड़ा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के पबिया में अज्ञात बीमारी से आदिवासियों के मरने का सिलसिला जारी है। थाना क्षेत्र के पबिया पंचायत के अंतर्गत कासियाटांड़ में उमेश बेसरा नामक नामक व्यक्ति की मौत हो गया । मृतक उमेश बेसरा की तीन बेटियां हैं। मौत हो जाने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इससे पहले भी एक ही घर से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। पंचायत के मुखिया जल सिंह बेसरा सहित ग्रामीण घटना की जानकारी जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी को दिया। जानकारी मिलते ही वो देर रात मृतक के घर पर पहुंचे। परिजन उन्हें देखते ही फूट-फूट का रोने लगे। विधायक ने मौत का कारण पूछा तो बताया गया कि बिहार मजदूरी करने के लिए गया था। हफ्ते भर में लौटा है। इसके बाद अचानक से बीमार हुआ जिसके बाद मौत हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव से लगभग बीस मजदूर मजदूरी करने के लिए गए थे। हफ्ते भर में ही उमेश लौट आया। इसके बाद बीमारी हो गया था। बीमारी का पता नहीं चल पाया। जिससे इलाज भी समय पर नहीं हो पाया । विधायक इरफान अंसारी ने आर्थिक सहायता करते हुए आवास पेंशन का आश्वासन दिया। वहीं अंतिम क्रिया के लिए 10 हजार की सहायता राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि मजदूरों को बिना रजिस्ट्रेशन का झारखंड से अन्य राज्य ले जाने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता के गरबा डांस का वीडियो आया सामने

नागपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस आज नागपुर के गरबा मंडप पहुंचीं। यहां पहुंचने से पहले अमृता ने दुर्गा पंडाल में पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा की और फिर गरबा कर रहे लोगों के साथ डांस किया।

सांसद नवनीत राणा का वीडियो भी आ चुका है सामने

इससे पहले महाराष्ट्र के अमरावती से सांसद नवनीत राणा ने भी गरबा डांस किया था। उन्होंने जनता को गरबा मंडपो की बधाई दी थी। इसके अलावा उन्होंने लोगों के साथ जमकर गरबा डांस भी किया था। उनके गरबा डांस का वीडियो भी सामने आया था।

एक महीने पहले हुई थी पति रवि राणा पर हमले की कोशिश

अमरावती से सांसद नवनीत राणा अक्सर अपने बयानों की वजह से भी चर्चा में रहती हैं। उनके पति रवि राणा विधायक हैं। सितंबर में रवि राणा पर हमले की भी कोशिश हुई थी। रवि राणा ने तब ये आरोप लगाया था कि ये हमला ठाकरे गुट से ही किसी ने किया है। उन्होंने बताया था कि वह दही हांडी कार्यक्रम खत्म होने के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान एक शख्स ने उन पर हमला करने की कोशिश की। इस मामले में अंजनगांव सुर्जी पुलिस ने हमलावर शख्स को हिरासत में भी लिया था।

पीएनबी घोटाले से बड़े स्कैम का हुआ पर्दाफाश

मुंबई में 16,000 करोड़ की धोखाधड़ी का चला पता

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब नेशल बैंक घोटाले से बड़े स्कैम का पर्दाफाश मुंबई में हुआ है। आपको बता दें कि जनवरी 2018 में पंजाब नेशनल बैंक में 12,000 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया था। इस घोटाले में शीर्ष हीरा व्यापारी शामिल थे। यह घोटाला एक डिजिटल भुगतान कंपनी की जांच में पता चला है। आपको बता दें कि इस बड़े घोटाले का आधिकारिक तौर पर खुलासा 9 अक्टूबर को ठाणे के श्रीनगर पुलिस स्टेशन द्वारा किया गया, जिसने सेफएक्सपे टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने जब डिजिटल भुगतान कंपनी द्वारा रोजाना किए जाने वाले लाखों लोगों में से एक लेनदेन पर नजर डाली, तो पता लगा कि यह 16,180 करोड़ रुपये से ज्यादा के धोखाधड़ी वाला लेनदेन है। इस मामले ने ठाणे पुलिस को चक्कर में डाल दिया।

इस तरह धोखाधड़ी को दिया गया अंजाम

पुलिस जांचकर्ताओं ने कहा कि सेफएक्सपे के पेआउट प्लेटफॉर्म को कथित तौर पर कुछ अज्ञात संस्थाओं द्वारा हैक कर लिया गया था, और बाद की जांच से पता चला कि कम से कम 16,180 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है, जिसमें से कुछ पैसे विदेश भेजे गए हैं। ठाणे स्थित सेफएक्सपे के संस्थापक-सीईओ रवि गुप्ता ने कहा कि यह घोटाला अप्रैल के आसपास सामने आया जब दिल्ली, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के चार व्यापारियों ने बैंक शेष और सिस्टम शेष के बीच संदिग्ध विसंगतियों की सूचना दी।

20 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई गई थी

सेफएक्सपे की वित्तीय संचालन टीमों द्वारा सावधानीपूर्वक आंतरिक जांच में पाया गया कि इन चारों में से एक व्यापारी के लॉगिन से छेड़छाड़ की गई है और आगे यह पाया गया कि संदिग्ध लेनदेन उनका नहीं था। सेफएक्सपे, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह हर दिन 100,000 से अधिक लेनदेन संभालता है, ने तुरंत लाभार्थियों और संबंधित बैंकों को मामले की सूचना दी, साथ ही तथाकथित 'गोल्डन पीरियड' में पैसों के गैर-कानूनी ट्रांसफर को रोकने की प्रक्रिया शुरू की। गुप्ता ने कहा, इस साइबर अपराध के चलते 25 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और खुलासे से हैरान सेफएक्सपे ने तुरंत 20 अप्रैल को ठाणे पुलिस साइबर अपराध जांच सेल और राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

फर्जी कागजात से बैंक खाते खोले गए

पुलिस को संदेह है कि फर्जी दस्तावेजों के साथ बैंक खाते खोलने और बैंकों और सरकार को धोखा देने के इरादे से फर्जी कागजात के साथ इकाइयां चलाने के बड़े रैकेट में कई और लोग शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा कि धोखाधड़ी के चलते, सेफएक्सपे ने अब विभिन्न टीमों द्वारा अधिक निगरानी, प्लेटफॉर्म पर किसी भी संदिग्ध लेनदेन के लिए अतिरिक्त अलर्ट (1 घंटे के बजाय 4 घंटे) सक्षम करने, सिस्टम स्तरों पर सतर्कता, वास्तविक समय की निगरानी और फोरेंसिक जांच के साथ अपने सिस्टम को कड़ा कर दिया है।

अग्नाशय कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए

बायोमार्कर विकसित करेगा आईआईटी मद्रास उत्कृष्टता केंद्र

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास ने अपनी तरह का पहला उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है जो अग्नाशय के कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए बायोमार्कर विकसित करने के लिए अनुसंधान कर रहा है।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन कैंसर जीनोमिक्स एंड मॉलिक्यूलर थेरेप्यूटिक्स' भारत-विशिष्ट कैंसर जीनोम डेटाबेस विकसित करने में मदद करेगा, जो कैंसर का शीघ्र पता लगाने और दवा के असर का अध्ययन करने के लिए अहम है। अग्नाशय कैंसर (पीडीएसी) दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों का चौथा प्रमुख कारण है और एक दशक में इसके दूसरा बड़ा कारण बन जाने की आशंका है। कैंसर के मामलों की दर अत्यधिक होने के कारण अधिकतर दवा कंपनियां विशिष्ट उपचारों के लिए बायोमार्कर स्थापित करने के उद्देश्य से भारतीय-विशिष्ट कैंसर जीनोम (अनुक्रम) डेटा की तलाश कर रही हैं। फिलहाल भारतीय जनसंख्या-विशिष्ट कैंसर जीनोम डेटा उपलब्ध नहीं है और सभी अध्ययन पश्चिमी आबादी से उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित हैं, इसलिए जीनोमिक विषमता के कारण पश्चिमी समाजों की तुलना में भारत में कैंसर पीड़ित लोगों के जीवित रहने की दर बहुत कम है। आईआईटी मद्रास के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में कार्यरत एवं इस अनुसंधान के प्रमुख अन्वेषक एस महालिंगम ने पीटीआई-भाषा से कहा कि इस प्रयास से जिन बायोमार्कर की पहचान की जाएगी, वे कैंसर का शुरुआत में पता लगाने वाली किट विकसित करने में मदद करेंगे और इनसे अग्नाश्य कैंसर की उपचार पद्धतियां विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

लोकसभा चुनाव में जनता तक नई तकनीक से पहुंचेंगे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, खुद बताया प्लान

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वह अगले साल के आम चुनावों के दौरान प्रचार के लिए विज्ञापन बैनरों का नहीं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करेंगे। नितिन गडकरी ने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए उनका काम और जमीन से जुड़ा रवैया उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि वह मोबाइल नेटवर्क और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोगों का आशीर्वाद मांगेंगे। नितिन गडकरी ने मशहूर मराठी एक्टर प्रशांत दामले को दिए एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि मतदाता समझदार

हैं। पति एक पार्टी को वोट देता है जबकि पत्नी दूसरी पार्टी को वोट देती है। लेकिन, वे सभी राजनीतिक दलों से उपहार और लाभ स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि वह वोट मांगने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करेंगे और लोगों तक पहुंचेंगे। विकास के लिए अपने अच्छे काम को उनके सामने रखेंगे। उनके परिवार के सदस्य उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी नहीं हैं।

नितिन गडकरी ने क्या कहा

गडकरी ने आगे कहा, "मेरे कार्यकर्ता मेरी वास्तविक राजनीतिक संपत्ति हैं, न कि मेरे पारिवारिक कार्यकर्ता। बेशक, मेरी भौतिक संपत्ति परिवार के सदस्यों के पास जाएगी।" उन्होंने कहा कि पार्टी सहयोगियों द्वारा उनके बड़े बेटे को पार्टी का पदाधिकारी बनाने के सुझाव को उन्होंने विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया था। मैं अपने बेटे को अपने बगल में बैठने की इजाजत नहीं दूंगा। गडकरी ने यह भी खुलासा किया कि अपने युवावस्था के दिनों में वह 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी से शादी करने का सपना देखा करते थे। मंत्री बनने के बाद एक दिन जब हेमा मालिनी हमारे घर आईं तो मैंने उनसे अपने सपने के बारे में बताया। गडकरी ने कहा कि मुझे आश्चर्य हुआ जब हेमा मालिनी ने कहा कि उन्होंने इस फैसले पर विचार किया होगा। लेकिन मुझे लगा कि उन दिनों यह संभव नहीं हो पाया होगा। उन्होंने कबूल किया, "मैं अपनी पत्नी को हेमा मालिनी मानता था लेकिन मेरी पसंदीदा नायिका हमेशा रेखा रही हैं।" गडकरी ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें अभी भी सड़क किनारे भोजनालयों से हल्का खाना खाना पसंद है।

दिल्ली के सब्जी मंडी क्लॉक टावर इलाके में लगी भीषण आग, फायकर्मियों ने 16 की जान बचाई

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के एक घर में रविवार को भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। संकरी गली में स्थित मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में आग लगने के बाद लोग चीखते और चिल्लाते नजर आये। इस घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद फायर विभाग ने आठ फायर टेंडर ने मौके पर रवाना कर दिया। फायर कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस दौरान फायरकर्मियों ने छह बच्चों और सात महिलाओं सहित कम से कम 16 लोगों की जान बचाने में सफलता मिली। इस दौरान इलाके में अफरातफरी का माहौल रहा।

पुलिस ने तीन बदमाशों को दबोचा

व्यापारी से लूटी थी चार लाख रुपये की नकदी

करनाल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के असंध थाना क्षेत्र में व्यापारी को लूटने वाले बदमाशों को पुलिस ने दबोचा है। बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर व्यापारी से चार लाख की नकदी और स्कूटी लूटी थी। पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। असंध थाना क्षेत्र के गीता कॉलोनी निवासी शिकायतकर्ता सुरेश कुमार ने पुलिस को शिकायत दी थी कि गुरुद्वारा मार्केट में उसकी किराना की दुकान है। 15 अक्तूबर को स्कूटी पर अपने कर्मचारी असंध के रहने वाले शिव दर्शन के साथ सालवन, बल्ला, मानपुरा गए थे। वहां से ग्राहकों से करीब चार लाख रुपये लेकर स्कूटी से लौट रहे थे। स्कूटी कर्मचारी चला रहा था। डिग्गी में नकदी रखी थी। जैसे ही सालवन रोड के नजदीक पहुंचे तो बाइक सवार दो बदमाशों ने घेर लिया। दोपहर करीब 12:45 बजे बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। पहले पीड़ित से बदमाशों ने मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने पिस्तौल दिखाकर गोली मारने की धमकी दी। एक बदमाश ने मुंह ढका था और दूसरे बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था। नकदी और स्कूटी लेकर बदमाश मौके से भाग निकले थे। पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को शनिवार को गिरफ्तार किया। बदमाशों से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने रविवार को बदमाशों को कोर्ट में पेश किया।

जहरीली हुई दिल्ली की हवा

बहुत खराब श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई, धूप निकलने के बाद भी धुएं में छिपा इंडिया गेट

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा की दिशा बदलने व गति कम होने के साथ वायु गुणवत्ता खराब स्तर पर पहुंच गई है। सफर इंडिया के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता 302 एक्यूआई के साथ बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के आसपास हवा की गुणवत्ता 330 एक्यूआई के साथ बहुत खराब श्रेणी में है, हवाई अड्डे (टी3) के आसपास वायु गुणवत्ता 313 एक्यूआई के साथ इसी श्रेणी में है। धूप निकलने के बावजूद प्रदूषण की वजह से कर्तव्य पथ पर स्मोग के बीच कुछ इंडिया गेट छिपा रहा।

कैलाश विजयवर्गीय ने बताया शराब छुड़वाने का अनोखा तरीका

भोपाल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सामाजिक बुराई बन चुके नशे को जड़ से खत्म करने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अनोखा तरीका सुझाया है। कैलाश विजयवर्गीय ने शराब पीकर आने वाले पिता से शराब छुड़वाने का बच्चों को अनोखा तरीका सुझाया है। विजयवर्गीय ने कहा है कि, शराब पीकर पिता घर आए तो घर में भूख हड़ताल कर दो। विजयवर्गीय ने समूचे क्षेत्र में चौतरफा विकास कार्य करने का वादा किया है। विजयवर्गीय चुनाव प्रचार के दौरान मराठी समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक एक के प्रत्याशी और बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय लगातार अपने विधान सभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं और क्षेत्र की जनता के बीच पहुंच कर उनका आशीर्वाद ले रहे हैं। साथ ही क्षेत्र में विकास करने की बात कह रहे हैं। वहीं सामाजिक बुराई बन चुका नशा भी सबसे बड़ी समस्या है, जिसे उन्होंने जड़ से खत्म करने का प्रण लिया है। विजयवर्गीय ने बच्चों को पिता की शराब छुड़वाने का एक अनोखा तरीका बताया। बता दें कि, अपने विधानसभा क्षेत्र में मराठी समाज के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विजयवर्गीय शामिल हुए थे। यहां मंच से उन्होंने क्षेत्र के विकास, युवाओं में बढ़ रही नशे की लत को खत्म करने और क्षेत्र में नशे के कारोबारियों को जड़ से खत्म करने की बात कही।

मध्य प्रदेश में 25 साल बाद पहली बार सिंधिया घराना चुनावी मैदान से दूर, चर्चाओं पर लगा विराम

भोपाल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की दूसरी सूची में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के नाम आने के बाद ये उम्मीद लगाई जा रही थी कि आगे की लिस्ट में ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम आ सकता है। सिंधिया को लेकर पार्टी के पास तीन विकल्प थे, जिसमें शिवपुरी, ग्वालियर पूर्व और दक्षिण शामिल थे। लेकिन भाजपा ने पांचवी सूची में इन तीनों सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पहली बार मध्य प्रदेश में 25 सालों बाद सिंधिया घराना चुनावी मैदान से दूर नजर आ रहा है, दरअसल जैसी शनिवार शाम भाजपा की प्रत्याशियों की 5वीं सूची जारी हुई, वैसे ही सिंधिया घराने के चुनाव लड़ने पर सस्पेंस खत्म हो गया। जिसमें लोग एक दूसरे से पूछ रहे थे कि केंद्रीय मंत्री ज्योति राज्य सिंधिया को किस सीट से भाजपा चुनावी मैदान में उतरेगी? भाजपा द्वारा केंद्रीय मंत्री और सांसदों को उम्मीदवार बनाने के बाद ग्वालियर चंबल में हर गली चौपाल पर चुनावी चर्चा में बस एक ही चर्चा थी कि महाराज यानी ज्योतिरादित्य सिंधिया कहां से चुनाव लड़ेंगे इस बीच यशोधरा राज्य ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। तब से यह संभावना जताई जाने लगी थी कि सिंधिया शिवपुरी से उम्मीदवार बनाए जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर सिंधिया समर्थकों और विरोधियों में एक ही उत्सुकता थी कि जब इस चुनाव में भाजपा ने मुख्यमंत्री के दावेदार हर चेहरे को चुनाव में उतार दिया है तो फिर ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम क्यों नहीं है? अब जबकि सिंधिया चुनावी रण में नहीं है तो समर्थकों लग रहा है कि उनके मुख्यमंत्री की बनने की संभावनाएं कमजोर पड़ जाएगी। वे दिल्ली के नेता ही कहलाएंगे सिंधिया के समर्थकों का यह डर कुछ हद तक सही भी हो सकता है। ग्वालियर में सिंधिया समर्थक और महल से जुड़े लोग इस बार किसी भी कीमत पर ज्योतिरादित्य सिंधिया को ग्वालियर दक्षिण से चुनाव लड़ते देखना चाहते थे। बता दे शिवपुरी के अलावा सिंधिया के पास ग्वालियर शहर की दो सीटें दक्षिण और पूर्व भी विकल्प के रूप में मौजूद थी। समर्थक चाहते थे कि ज्योतिरादित्य दक्षिण से चुनाव लड़े क्योंकि पिछली बार यहां भाजपा मैच 121 वोटो से चुनाव हारी थी साथ ही यहां मराठा वोट भी अधिक संख्या में है। अगर ऐसा होता तो सिंधिया कांग्रेस के महापौर पति और विधायक सतीश सिकरवार को टक्कर देते। बता दें कि भाजपा ने मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से 228 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं भाजपा ने गुना और विदिशा सीट को होल्ड पर रखा है। गुना सीट की बात करें तो यह अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के गोपाल जाटव को यहां से जीत मिली थी। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार प्रकाश अहिरवार को 34000 से ज्यादा वोटो से हरा दिया था। इस बार कांग्रेस ने इस सीट से पंकज कनेरिया को अपना प्रत्याशी बनाया है।

ठाणे में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ 23 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के उपनगर ठाणे की पुलिस ने नवी मुंबई टाउनशिप के वाशी क्षेत्र के एक मॉल से एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 23 लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है। इन 23 लोगों में इस फर्जी कॉल सेंटर के मालिक और प्रबंधक भी शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि आरोपी ने खुद को अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के रूप में पेश किया। वहां लोगों को वियाग्रा और सियालिस जैसी दवाएं बेचीं। वाशी पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि आरोपियों ने अमेरिकी नागरिकों के क्रेडिट/डेबिट कार्ड का विवरण प्राप्त कर उनके साथ धोखाधड़ी की। उन्होंने कहा कि शनिवार को छापेमारी के दौरान कई गैजेट्स जिसमें बड़ी संख्या में हार्ड डिस्क और 3।97 लाख रुपये के इलेक्ट्रीकल उपकरण जब्त किये गये। आरोपी ने विचित्र/नेक्स्टवा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके आउटबाउंड कॉल किए। उन्होंने गेटवे बाईपास और वीओआईपी के माध्यम से भी कॉल किए। पूरे मामले की जानकारी देते हुए अधिकारी ने कहा कि हमने आरोपियों को ठगी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। कॉल सेंटर के मालिक ने कथित तौर पर अमेरिका में लोगों के डेटा को मुंबई में मलाड में रहने वाले एक व्यक्ति से खरीदा था। फिर उन्होंने अपने कर्मचारियों से दवाई बेचने के नाम पर अमेरिकी नागरिकों की फिशिंग शुरू कर दी। इस कॉल सेंटर के कर्मचारी अपनी पहचान छुपाकर या गलत बता कर कॉल करते थे। अधिकारी ने कहा कि ड्रग्स की बिक्री आय को खार्घार क्षेत्र की एक बैंक शाखा में एक भारतीय कंपनी के खाते में जमा किया गया था। इसके साथ ही शनिवार को, नवी मुंबई पुलिस ने भी नेरुल क्षेत्र के एक मॉल से ऐसा ही एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया था।

आदिवासी महिला को निर्वस्त्र कर मारपीट

सड़कों पर बिना कपड़े दौड़ती रही; बीजेपी एमएलए की पत्नी सहित 3 पर एफआईआर

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्थानीय बीजेपी विधायक सुरेश धस की पत्नी सहित तीन लोगों के ऊपर अत्याचार का मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों पर खेत में आदिवासी महिला को निर्वस्त्र कर मारपीट का आरोप लगाया गया है। इस मामले में बीड के आष्टी पुलिस थाने में बीजेपी विधायक सुरेश धस की पत्नी प्राजक्ता सुरेश धस, राहुल जगदाले और रघु पवार के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354बी, 323, 504, 506, 354ए, 34 और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति पर अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित आदिवासी महिला का आरोप है कि विधायक की पत्नी उनकी पुस्तैनी जमीन को अपने गुंडों की मदद से हड़पना चाहती हैं। पूरा मामला बीते रविवार 15 अक्टूबर की शाम 5 बजे का है। आरोप है कि घटना के दिन आदिवासी किसान महिला अपने परिवार वालों के साथ अपने खेत से बैलगाड़ी के जरिए जानवरों के लिए चारा लाने गई थी। पीड़ित महिला के साथ उसका पति और बहू भी थे। खेत में पहुंचने के बाद पति और बहू खेत का चक्कर लगाने चले गए और पीड़ित महिला बैलगाड़ी में चारा भर रही थी, तभी आरोपी राहुल जगदाले और रघु पवार आए और उसे पकड़कर जमीन पर लेटा दिया और उससे मारपीट की। पीड़ित महिला खुद का बचाव करने के लिए हाथापाई करने लगी, तभी दोनों आरोपियों ने महिला को खींचकर उसे पूरी तरह से निर्वस्त्र कर दिया। पीड़िता को निर्वस्त्र करने के बाद आरोपी मौके से भागने लगे। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। आरोपी बाइक पर बैठकर मौके फरार होते दिख रहे हैं और पीड़िता निर्वस्त्र हालात में आरोपी का पीछा कर रही है। पीड़ित महिला का दावा है कि हमारी जिस जमीन पर बीजेपी विधायक की पत्नी दावा ठोक रही हैं वो जमीन 60 से 70 साल से उसकी पुश्तैनी जमीन है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। पुलिस मामले में आगे की जांच में जुटी है।

गंगोत्री हाईवे पर दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौत, स्कूटी बरामद

गंगोत्री, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाईवे पर एक दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। हादसे की वजह का पता नहीं लग पाया है। देर रात अंधेरे में हुए हादसे के कारण पुलिस जांच में जुटी है। मृतक युवकों में एक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उत्तरकाशी में गंगोत्री हाईवे पर पोखू देवता मंदिर के पास देर रात वाहनों की टक्कर की आवाज सुनाई दी। जिस पर आसपास के लोगों ने मौके पर देखा तो दो युवक लहुलुहान हालत में पड़े मिले। पास में स्कूटी भी बरामद हुई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद एम्बुलेंस से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस स्कूटी को टक्कर मारे जाने की आशंका जता रही है।

एफएसटी ने चलाया जांच अभियान, तीन अलग-अलग क्षेत्रों से जब्त किये 17 लाख रुपये

उज्जैन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को लेकर आयोग के निर्देश पर शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में एसएसटी पॉइंट बनाए गये है। जहां 24 घंटे वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुबह 6 बजे नरवर थाना क्षेत्र के पालखेदा में चेकिंग के दौरान देवास की ओर से आ रही एक कार को रोका गया। जिसमें आष्टा का रहने वाला अमन अली सवार था। एफएसटी टीम ने कार की तलाशी ली, जिसमें से 8 लाख रूपये बरामद किये गये। अमन का कहना था कि वह प्रापर्टी संबंधित काम के लिये रुपये लेकर उज्जैन आ रहा था। आचार संहिता के नियमों के अनुसार लाखों रुपये के पुख्ता दस्तावेज मौके पर नहीं दिखा पाने के चलते टीम ने नरवर पुलिस के साथ बरामदगी की कार्रवाई करते हुए दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।

कोतवाली पुलिस ने जब्त किये 3 लाख

कोतवाली पुलिस ने एफएसटी टीम के साथ बुधवारिया क्षेत्र में भी शुरू की थी। इस दौरान बोलेरो की चेकिंग में 3 लाख रुपये मिले। गाड़ी में हिमालय ट्रेडर्स शराब कंपनी का मुनीम सवार था। रुपयों के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने पर कोतवाली पुलिस ने रुपये बरामद करने की कार्रवाई की। सीएसपी ओपी मिश्रा ने बताया कि रुपयों के प्रमाण प्रस्तुत करने पर न्यायालय के सुपुर्द किये जाएगें।

बड़नगर बाईपास से 6 लाख की बरामदगी

महाकाल पुलिस और चुनाव आयोग की ओर से बनाई गई एफएसटी ने बड़नगर बाईपास मार्ग पर चेकिंग के दौरान स्टांप वेंडर पीयूष भार्गव की कार को रोका था। जिसमें से 6 लाख रुपये बरामद किए गए है। पुलिस ने आचार संहिता के नियमों में कार्रवाई करते रुपयों को जब्त करने की कार्रवाई की है। वेंडर रुपये जमा करने उज्जैन आ रहा था।

खाचरौद-घटिया में भी जब्त किये रुपये

शनिवार रात घटिया विधानसभा के ग्राम पलवा फंटा आगर से उज्जैन आ रही कार से ढाई लाख रुपये मिले थे। कार चालक विजय रिजवानी निवासी इंदौर रुपयों के संबंध में एफएसटी को संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया था। वहीं खाचरौद पुलिस ने कनवास चेकिंग पॉइंट पर कीटनाशक दवा व्यापारी जितेंद्र पाटीदार निवासी ग्राम घिनोदा की कार से 4।95 लाख रुपए नगद बरामद करने की कार्रवाई की थी।

महिदपुर में 7 लाख 90 हजार की नगदी व 8 किलो चांदी के जेवर जब्त

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महिदपुर पुलिस एवं कार्यपालिक अधिकारी महिदपुर सन्तुष्टी पाल व उनकी टीम द्वारा संयुक्त चेकिंग के दौरान अंबेडकर चौक महिदपुर से लोकेश पिता कैलाशचन्द्र शर्मा (37) के बैग से 7 लाख 90 हजार रुपए नगद मिले। इतना ही नहीं टीम द्वारा चौक बाजार सराफा से भी चेकिंग के दौरान जगदीश पिता गोपीचन्द्र सोनी (48) के पास रखे बैग की तलाशी ली गई।

सीएम का कौन सा संदेश लेकर पायलट से मिले लोकेश शर्मा; पांच साल में पहली बार की मुलाकात

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पांच साल में लोकेश और पायलट की पहली मुलाकात है। प्रियंका गांधी के दौरे के ठीक बाद ये मुलाकात तय हुई है। यही वजह है कि इस मुलाकात के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव में एक खबर ने हलचल मचा दी है। हलचल इसलिए है कि पांच साल में पहली बार मुख्यमंत्री के OSD लोकेश शर्मा खास मुलाकात करने सचिन पायलट के आवास पर पहुंचे। इस खबर के बाद से ही राजस्थान की राजनीति में हलचल मची हुई है। सबका एक ही सवाल है कि दोनों के बीच क्या बात हुई। सीएम का कौन सा संदेश लेकर लोकेश शर्मा पायलट के आवास पर पहुंचे। माना जा रहा है कि कुछ सीटों पर मुख्यमंत्री का विशेष संदेश लेकर शर्मा ने पायलट से मुलाकात करने पहुंचे हैं। साल 2018 में कांग्रेस सरकार बनने और फिर 2020 में हुई बगावत के बाद पांच साल में लोकेश और पायलट की पहली मुलाकात है। इस मुलाकात को अहम इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि प्रियंका गांधी के दौरे के ठीक बाद ये मुलाकात तय हुई है। यही वजह है कि इस मुलाकात के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

हमारे बीच आगामी चुनाव को लेकर हुई चर्चा

मुलाकात के विषय में बात करते हुए लोकेश शर्मा ने बताया कि हमारे बीच आगामी चुनाव को लेकर चर्चा हुई। मैं सीएम का सलाहकार होने के साथ-साथ वॉर रूम का उपाध्यक्ष भी हूं। जल्द ही चुनाव हैं और चुनाव से जुड़े मुद्दों पर हम बात तो कर ही सकते हैं। सचिन पायलट हमारे सीनियर नेता हैं। उनकी सलाह हमारे लिए जरूरी है।

बीकानेर से खुद के लिए टिकट की दावेदारी

सूत्रों के हवाले से ऐसा दावा किया जा रहा है कि दोनों के बीच विधानसभा के टिकटों को लेकर मंथन हुआ है। ऐसी बात भी निकल कर आ रही है कि लोकेश शर्मा ने बीकानेर से खुद के टिकट की दावेदारी जताई। अनुमान इस बात का भी लगाया जा रहा है कि लोकेश शर्मा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मैसेज लेकर पहुंचे हैं। दोनों के बीच करीब 30 मिनट चर्चा हुई।

सूत्रों की माने तो जिस तरीके से कांग्रेस की जारी लिस्ट में सचिन पायलट के समर्थकों के नाम आए हैं अब वैसे ही अशोक गहलोत के तमाम समर्थक अब चुनाव मैदान में उतरना चाहते हैं। ऐसे में सचिन पायलट से मुलाकात के बाद लोकेश शर्मा के दरवाजे बीकानेर से खुल सकते हैं। इसके कयास लगाए जा रहे है।

निर्दलीयों से कौन सी डील, 106 पर मंथन फिर क्यों आई 33 की सूची?

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। लेकिन, 106 नामों पर मंथन होने के बाद भी सिर्फ 33 उम्मीदवारों के नामों का ही एलान क्यों किया गया? निर्दलीयों से गहलोत ने कौन सी डील की। जानिए, इनसाइड स्टोरी में...।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए अब जाजम बिछती नजर आ रही है। लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस ने 33 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। सूत्रों का कहना है कि 25 अक्तूबर तक एक सूची और जारी होगी। लेकिन, कांग्रेस को लेकर कई सवाल हैं जिन पर खूब सियासी चर्चा हो रही है। पहला- टिकट बंटवारे के साथ कांग्रेस की सियासत में अंदर खाने और क्या चल रहा है? जिन निर्दलीयों ने सरकार बचाने में गहलोत का साथ दिया उनका क्या होगा? आइए, अब इन सवालों के जवाब समझते हैं।

'अमर उजाला' को मिली खास जानकारी के अुनसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने समर्थक निर्दलीय विधायकों के लिए टिकट का बंदोबस्त कर चुके हैं। इस काम में कोई रोड़ा या रुकावट नहीं आए इसके लिए गुपचुप तरीके से आठ निर्दलीय विधायकों को कांग्रेस की सदस्यता के फॉर्म भी भरवा दिए गए हैं।

कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की बीते शुक्रवार को दौसा में सीएम अशोक गहलोत ने महवा विधायक ओम प्रकाश हुडला का नाम मंच से पुकारकर उन्हें जीत दिलाने की बात कही थी था। हुडला निर्दलीय विधायक हैं। राजनीति के जानकार इस बात को समझते हैं कि गहलोत कोई बात यूं ही नहीं कहते हैं। हुडला ने मुख्यमंत्री आवास पर सीएम अशोक गहलोत से मुलाकात की और कांग्रेस की सदस्यता ले ली। हालांकि, हुडला इससे पहले भाजपा सरकार में सचेतक रह चुके हैं। वसुंधरा राजे के करीबी भी माने जाते हैं। हुडला के अलावा बाबूलाल नागर, महादेव सिंह खंडेला सहित कुछ अन्य निर्दलीय विधायकों ने भी कांग्रेस की सदस्ता ले ली है। माना जा रहा है कि दूसरी लिस्ट में गहलोत इन निर्दलीय विधायकों को टिकट दिलवाकर अपना वादा पूरा करेंगे।

सियासी संकट के समय गहलोत ने इन विधायकों से वादा किया था कि विधानसभा चुनावों में उन्होंने कांग्रेस से टिकट दिलवाएंगे। लेकिन, सचिन पायलट यह कह कर इसका विरोध करते रहें है कि इन विधायकों ने कांग्रेस के प्रत्याशियों को हराया है। कांग्रेस में इनके शामिल होने से पार्टी के कार्यकर्ता नाराज होंगे। लेकिन, सीएम अशोक गहलोत जो ठान लेते हैं वही करके दिखाते हैं।

इन्होंने ली कांग्रेस की सदस्यता

1.बाबूलाल नागर-दूदू, 2.ओम प्रकाश हुडला-महवा, 3.रामकेश-गंगापुर, 4.महादेव सिंह-खंडेला, 5.अलोक बेनीवाल-शाहपुरा, 6.कांती प्रसाद-थानागाजी, 7.खुशवीर सिंह-मारवाड़ जंक्शन, 8.लक्ष्मण मीणा-बस्सी, 9. रमीला खड़िया, 10. संयम लोढ़ा-सिरोही

इसी तीन बड़े कारण रहे। पहला- लिस्ट जारी करने में देरी हुई, इसलिए पहली सूची में ऐसे टिकट दिए गए जहां ज्यादा विरोध या विवाद की अशंका नहीं थी। दूसरा- सीईसी की बैठक में 106 नाम फाइनल किए गए। इनमें राहुल गांधी के कहने पर करीब 15 से 20 नाम बदले गए हैं यानी ये टिकट कटे हैं। सूत्रों का कहना है आने वाली दूसरी सूची में कांग्रेस कई नाम बदलने जा रही है। पहली सूची में कम बखेड़ा हो इसलिए कम और कुछ बड़े नामों का एलान किया गया। तीसरा- सीएम अशोक गहलोत ने एन वक्त पर कुछ टिकटों को मैनेज किया है।

राजेंद्र राठौर बोले- प्रियंका ने आचार संहिता का किया उल्लंघन, उनकी सभाओं पर लगाई जाए रोक

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ बोले प्रियंका वाड्रा ने भड़काई धार्मिक भावनाएं। भाजपा ने लगाया आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप। मुख्य चुनाव आयुक्त को सौंपा परिवाद।

प्रियंका वाड्रा खिलाफ धार्मिक भावनाओं के आधार पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं ने प्रदेश के मुख्य चुनाव आयुक्त से उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की मांग की है।

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता प्रियंका वाड्रा पर सिकराय, दौसा सभा में धार्मिक भावनाओं के आधार पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का अरोप लगाया है। उन पर नरेंद्र मोदी के खिलाफ दुभार्वना से झूठ फैलाए जाने का आरोप भी लगाया गया है। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने राजस्थान के मुख्य चुनाव आयुक्त को परिवाद पेश कर कांग्रेस नेता प्रियंका वाड्रा प्रियंका वाड्रा के खिलाफ विधिक कार्रवाई की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष ने अपने परिवाद में चुनाव आयोग से मांग की है कि प्रियंका वाड्रा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सिकराय की सभा में देवनारायण जी के मंदिर में 21 रुपये चढ़ाने का झूठ फैलाया गया है, जबकि पीएम मोदी ने आस्था अनुसार अपनी जेब से नकद राशि मंदिर के दानपात्र में डाली थी। प्रियंका वाड्रा का यह कृत्य, आचार संहिता के निर्देशों का गंभीर उल्लंघन है और उनका कथन धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। प्रियंका गांधी द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर समाज में धार्मिक उन्माद फैलाने और मतदाताओं को प्रभावित करने की बदनीयती से यह बयान दिया गया है।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौर ने कहा कि यह धर्म का अपमान है, भावना का अपमान है, पैसे से भगवान की तुलना करना पाप है, राठौर बोले प्रियंका गांधी की राजस्थान में होने वाली सभाओं पर रोक लगाई जानी चाहिए। इस दौरान चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, सह-संयोजक राजेन्द्र सिंह शेखावत, विधि प्रकोष्ठ से सौरभ सारस्वत, भाजपा सह-कोषाध्यक्ष श्याम अग्रवाल और सतीश सरीन मौजूद रहे।

बागियों में शुमार धारीवाल फिर सुर्खियों में

शायराना अंदाज में सोनिया के लिए कही ये बात

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजस्थान का आलाकमान बताने वाले यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस की लिस्ट से ज्यादा जिस बात का इंतजार यहां की सियासत में हो रहा है वह यह कि कांग्रेस आलाकमान के तीन बागियों का क्या होगा। इसमें से एक यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल है। पिछले साल सितंबर में गहलोत समर्थक विधायकों की आलाकमान से बगावत के समय धारीवाल ने सोशल मीडिया पर एक बयान दिया था। इसमें धारीवाल ने गहलोत को ही राजस्थान का आलाकमान बता दिया था। कांग्रेस के टिकट मंथन के दौरान धारीवाल का यह बयान एक बार फिर से सुर्खियों में आया। सीईसी की बैठक से ऐसी खबरें भी निकलकर आईं कि सोनियां गांधी ने धारीवाल के नाम पर आपत्ति भी की है। अब धारीवाल का एक और वीडियो सोशल मीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे शायराना अंदाज में नजर आ रहे हैं। इसमें धारीवाल से जब अपने पुराने बयान को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा-मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है वही होता है जो मंजूरे सोनिया गांधी होता है। हालांकि यह वीडियो हाल का नहीं बताया जा रहा है।

गणपति प्लाजा के लॉकर से निकले 2.46 करोड़ रुपए

500 के नोटों से भरा था; 339 लॉकर्स खोलना बाकी, फर्जी नाम-एड्रेस से लिए गए

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के आरोपों के बाद जयपुर में गणपति प्लाजा के लॉकर्स की जांच जारी है। इनमें से एक लॉकर से इनकम टैक्स के अधिकारियों को 2 करोड़ 46 लाख रुपए मिले। अधिकारियों ने बताया कि पूरा लॉकर 500 के नोटों से भरा था। उन्हें अंदेशा है कि और लॉकरों में भी पैसा मिल सकता है। इनकम टैक्स 761 लॉकर की जांच कर चुका है। अब केवल 339 लॉकर की जांच करनी बाकी है। इन लॉकर्स में अधिकांश लॉकर बेनामी बताए जा रहे हैं। जिन दस्तावेजों के आधार पर लॉकर लिए गए। वह फर्जी निकल रहे हैं। इनकम टैक्स की टीम ऐसे लॉकर्स की लिस्ट बना रही है।

बता दें कि मंगलवार को जब इनकम टैक्स ने तीन लॉकर खोले थे। उसमें सवा करोड़ रुपए कैश और 1 किलो गोल्ड निकला था। यह सोना कार्तिक कूलवाल और इदरीश हसन के नाम पर था। अभी तक इनकी कोई जानकारी इनकम टैक्स की ओर से साझा नहीं की गई है। दो लॉकर भी खोले गए। इसमें प्रोपर्टी के दस्तावेज मिले हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर लॉकर मालिक तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, एक लॉकर में करीब ढाई करोड़ कैश मिला है।

कुछ लॉकर ऐसे मिले हैं जिनका नाम और पता मिस मैच हो रहा

जानकारी अनुसार, कुछ लॉकर ऐसे भी मिले हैं। इनके मालिक का नाम और पता मिल ही नहीं रहे हैं। जिस नाम से लॉकर खोला गया, वह नाम अस्तित्व में नहीं है। जो पता लिखा रखा है। वहां पर व्यक्ति रहता ही नहीं है। इनकम टैक्स को ऐसे ही लॉकर की जांच करने में समय लग रहा है।

इनकम टैक्स के अधिकारियों का कहना है कि जब तक सारे लॉकर ऑनर आकर अपना लॉकर नहीं खोल देते जांच जारी रहेगी। दरअसल गणपति प्लाजा के अंडरग्राउंड में लॉकर्स बने हैं। यहां कुल 1100 लॉकर हैं।

नौकर के नाम से लेते लॉकर, फिर उसे निकाल देते

आईटी रेड के एक्सपर्ट अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया- वह कई बार इस तरह की रेड कंडक्ट कर चुके हैं। लोग अपने नौकरों के नाम से लॉकर के आसपास वाले लॉकर ले लेते हैं। फिर उन नौकरों को नौकरी से निकाल देते हैं। उन नौकर के लॉकर को ये लोग खुद यूज करते हैं। अगर ईडी और आईटी की टीम सर्च करती है, ये लोग जानकारी होने से इनकार कर देते हैं।

बसपा ने बांदीकुई से प्रत्याशी बदला

भवानी सिंह गुर्जर की जगह उमेश शर्मा होंगे प्रत्याशी महुवा से बनवारी सांथा को मैदान में उतारा

दौसा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों को लेकर भाजप-कांग्रेस के साथ बसपा ने भी प्रत्याशियों की एक सूची जारी की है। जिसमें दौसा जिले के महुवा विधानसभा क्षेत्र से बनवारी मीणा को प्रत्याशी बनाया गया है। स्थानीय मुद्दों को लेकर बनवारी पिछले काफी दिनों से क्षेत्र में लगातार सक्रिय थे और कई आंदोलन भी किए। वे स्थानीय विधायक के विरोध में भी मुखर थे। ऐसे में बसपा द्वारा उन्हें प्रत्याशी बनाए जाने से महुवा सीट के समीकरण प्रभावित होंगे। हालांकि अभी तक यहां भाजपा व कांग्रेस ने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। जबकि निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुडला को कांग्रेस का सिम्बल मिलने के संकेत सीएम अशोक गहलोत दे चुके हैं।

वहीं दूसरी ओर बसपा की लिस्ट एक चौंकाने वाला बदलाव भी देखने को मिला है। लिस्ट में बांदीकुई से पूर्व में प्रत्याशी घोषित किए गए भवानी सिंह गुर्जर की जगह अब उमेश शर्मा बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र से बसपा के प्रत्याशी होंगे। भवानी सिंह ने क्षेत्र में जनसम्पर्क भी शुरू कर दिया था, लेकिन अचानक हुए बदलाव से चुनावी समीकरण करवट लेंगे। यहां से भाजपा ने भागचंद सैनी को प्रत्याशी बनाया है, जबकि कांग्रेस से मौजूदा विधायक का टिकट तय माना जा रहा है।

कटारिया ने मेवाड़ के नेताओं को छलने का काम किया

डिप्टी मेयर सिंघवी का खुला आरोप, बोले जो कटारिया के हाथों उपरणा नहीं पहनने को तैयार उन ताराचंद को टिकट दिया

उदयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर में भाजपा के ताराचंद जैन को उम्मीदवार बनाने के बाद खुलकर एक दावेदार उदयपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर पारस सिंघवी ने विरोध किया है। वे कार्यकर्ताओं के बीच इमोशनल हो गए और कहा कि पार्टी फिर से विचार करें नहीं तो अब आर-पार की लड़ाई लड़नी होगी। पारस ने इस मौके पर असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को भी निशाने पर लिया और कहा कि वे उदयपुर की राजनीति को दूषित कर रहे है।

इससे पहले पारस को टिकट नहीं मिलने पर समर्थकों ने गुस्सा जताया। बाद में शिवाजी नगर सामुदायिक भवन में समर्थक जुटे और नारे लगे पारस तुम संघर्ष करो-हम तुम्हारे साथ है, अब पीछे नहीं हटना है, लड़ाई अब और पार की होगी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पारस ने कहा कि मैं गुलाबचंद कटारिया का विरोधी नहीं हूं लेकिन कटारियाजी कब तक इस उदयपुर की राजनीति को दूषित करेंगे। वे बोले पार्टी ने कटारिया को छोटी सी उम्र में विधायक बना दिया लेकिन उन्होंने व्यक्तियों का सम्मान नहीं किया। पूरे मेवाड़ की बात करता हूं कटारिया ने दिवंगत विधायक किरण माहेश्वरी को भी छलने का काम किया। सिंघवी ने एक-एक नेता का नाम गिनाते हुए कहा कि मांगीलाल जोशी उदयपुर, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, बांसवाड़ा के भवानी जोशी, वल्लभनगर विधानसभा से रणधीर सिंह भींडर सहित कई को छलने का काम किया है।

सिंघवी बोले की गुलाबचंद कटारिया के लिए शब्दों के जरिए कहू तो उनका यहां कब्जा था, पार्टी ने उनको असम का राज्यपाल बना दिया तब उदयपुर की जनता के मन में लालसा थी हमारा पारस भी विधायक बने।

पारस ने कहा कि पौने चार साल पहले मुझे उदयपुर नगर निगम में उस क्षेत्र से पार्षद का टिकट दिया जहां मेरा कार्य क्षेत्र नहीं था मैने पार्टी से कहा कि वहां चुनाव जीतना मुश्किल है। कटारिया ने मुझे कहा मै भी चुनाव हारा हूं, हार जाओंगे तो क्या फर्क पड़ेगा, पर मै चुनाव जीत गया। मुझे कुएं में धकेलने का प्रयास किया लेकिन जिसके भाग्य में जो लिखा हो वह कोई टाल नहीं सकता। वे बोले पार्टी ने ताराचंद जैन को टिकट दिया लेकिन बताना चाहता हूं ये वहीं व्यक्ति है जिसने पांच साल पहले पार्टी को हराने का काम किया, कटारिया को स्वयं को हराने का काम किया है। जनता के सम्मान का अपमान किया हैं। कटारिया ने मेरे साथ अच्छा नहीं किया, सजा भुगतनी पड़ेगी, ऊपर वाला सब देख रहा है।

सिंघवी ने कहा कि चुनाव नहीं लडूंगा तो कार्यकर्ता खड़े हो गए बोले कि चुनाव तो अब लड़ना पड़ेगा, ये चुपचाप बैठने का समय नहीं है, ये विद्रोह का समय है। पारस ने कहा कि विधायक बनना बड़ी चीज नहीं है, पार्टी ने लोगों की भावनाओं का अपमान किया है। पार्टी कुछ लोगों के हाथों में खेलेगी यह सहन नहीं कर सकते है। मैने मेरी राह तय कर ली कार्यकर्ताओं को सूचना मिल जाएगी, अब जो होना होगा वह हो जाएगा।

वे बोले जब-जब संकट आया तब तब मैने तन-मन-धन से साथ दिया। उन्होंने कहा कि कटारियाजी वो दिन भूल गए जब वे बड़ीसादड़ी से चुनाव लड़ रहे थे तब ये पारस सिंघवी ही उनके साथ था।

अश्लील वीडियो बना शेयर किया तो कर दिया मर्डर: लिव इन में रह रही महिला गिरफ्तार

कोटा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटा के नांता क्षेत्र में दो दिन पहले हुए युवक के मर्डर का खुलासा कर पुलिस ने युवक के साथ लिव इन में रह रही महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला का कहना है कि युवक ने उसके अश्लील वीडियो और फोटो उसके पति को भेज दिए थे। इससे परेशान होकर उसने युवक की हत्या कर दी। हत्या के बाद रातभर कमरे के बाहर बैठी रही।

एसपी शरद चौधरी ने बताया कि 18 अक्टूबर को नांता थाना क्षेत्र के एक मकान के कमरे में रामगंजमंडी निवासी नरेश (30) पुत्र जीवन गुजराती का शव मिला था। जिसके सिर पर पत्थर से वार किए गए थे। हत्या के तीन दिन बाद कमरे से बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी थी। नरेश की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने उसके पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शुरुआती जांच में सामने आया कि नरेश पत्थर तोड़ने का काम करता था। दस पंद्रह दिन पहले ही गणेशपाल इलाके में तेजकरण के मकान में रहने के लिए आया था। उसके साथ एक महिला भी थी जो कि दो-तीन दिन से गायब है।

पुलिस ने महिला के बारे जानकारी जुटाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों को एक्टिव किया। जांच में पता चला कि जो महिला नरेश के साथ रह रही थी उसका नाम किरन बाई है। धार मध्यप्रदेश की रहने वाली है। उसे कुछ समय पहले ही कुन्हाड़ी पुलिस ने कोटा से दस्तयाब कर मध्यप्रदेश पुलिस को सुपुर्द किया था। यह जानकारी लगने के बाद पुलिस ने एक टीम धार रवाना की। वहां स्थानीय पुलिस की मदद से पुलिस ने महिला को दस्तयाब किया। कोटा लाकर पूछताछ की तो उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी किरन को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया है।

सीआई मुकेश मीणा ने बताया कि आरोपी किरन ने बताया कि वह सात-आठ महीने से नरेश के साथ लीव इन में रह रही थी। नरेश उसे भगाकर ले आया था। दोनों पहले खेड़ली फाटक इलाके में रह रहे थे। मध्यप्रदेश में उसके पति ने इस मामले में रिपोर्ट भी करवाई थी तब, उसे कोटा पुलिस ने दस्तयाब किया था। दो महीने पहले उसे कोटा से मध्यप्रदेश पुलिस को सौंपा गया था। पिछले दिनों महिला वापस नरेश के पास आ गई और दोनों गणेशपाल इलाके में कमरा लेकर रहने लगे। किरन ने बताया कि नरेश ने उसके अश्लील वीडियो और फोटो लिए थे। उन्हें उसके पति को भेज दिया था। वह बार-बार धमकी देता था कि पति से रुपए मंगवाए नहीं तो यह सब जगह शेयर कर देगा।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दो गंभीर घायल

जैसलमेर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पोकरण के लाठी थानाक्षेत्र के धोलिया गांव के गंगाराम की ढाणी के पास एक कार की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जैसलमेर के धोलिया गांव के गंगाराम की ढाणी के पास एक कार की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है।

बता दें कि एक बाइक पर सवार क्षेत्र के मोराणी निवासी तरुण (23) वासुदेव (23) व संतोष (24) शनिवार दोपहर को भादरियाराय माता मंदिर व तेमड़ेराय मंदिर में दर्शन के लिए गए थे।

शाम को वापस आते समय करीब साढ़े पांच बजे धोलिया गांव के गंगाराम की ढाणी के पास सामने से आ रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और दो टुकड़े हो गए। जबकि कार का अगला हिस्सा भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे को देखते हुए यहां से गुजर रहे लोगों ने तत्काल निजी वाहन से तीनों घायलों को पोकरण के राजकीय अस्पताल पहुंचाया। यहां तरुण ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि वासुदेव व संतोष को गंभीर हालत के कारण जोधपुर रेफर कर दिया गया। सूचना पर पोकरण पुलिस अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली।

जय अम्बे युवा समिति द्वारा माँ भगवती का 19वां विशाल जागरण आयोजित

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जय अम्बे युवा समिति एर्रागड्डा, हैदराबाद द्वारा माँ भगवती का 19वां विशाल जागरण एनकेएनआर गार्डन, मेट्रो कैश और कारी, कुकटपल्ली में किया गया। कर्यक्रम में भव्य दरबार, अखण्ड ज्योत, माता का खजाना, इत्र की फूहार, लंगर प्रसाद का अयोजन किया गया। जागरण के भजन गायक राजू मुरारी दाहिमा (हैदराबाद), प्रतीक दाहिमा (हैदराबाद), अलका शर्मा (झलावाड), वैष्णवी शर्मा (ग्वालियर), दर्शित गादिया (जालना) से थे। लखन ऐना गृप इंदौर म्युजिशियन रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में टी. श्रीनिवास यादव, एम. कृष्णा राव, तुम्मु श्रवण पटेल, योगेश जैन सिंघवी, सम्माननीय अतिथियां मनीष अग्रवाल, भगवान पंसारी, तरुण भाई मेहता उपस्थित थे। कार्यक्रम में अशोक यादव, अमरचन्द भाटी, बजरंग अग्रवाल, भारत जानी, दीपक मण्डिया, गौरव अग्रवाल, गौरवराज अग्रवाल, हेमचंद गुप्ता, किशनलाल मांडण, मनीष अग्रवाल, मुकेशकुमार गोयल, नागेश अग्रवाल, प्रवीण कावडिया जैन, राज काबरा, राजेश केडिया, राजीव माहेश्वरी, राजीव मित्तल, रामेश कुमार मर्दा, राजेश तिवारी, संजयकुमार अग्रवाल, सोनु अग्रवाल, बी. श्रीनिवास, सुनिल कावडिया जैन, सुरेश सांखला, सुशील हाजरीका, सुशील मुंदडा उपस्थित थे।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का गरबा डांडिया धमाल

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच का गरबा डांडिया बड़े ही केमिस्ट भवन आबिड्स में मनाया गया। मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 350 लोगों ने सपरिवार भाग लेकर आनंद उठाया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध समाजसेवी गोपाल बल्दवा द्वारा किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। सर्वश्रेष्ठ युगल जोड़ी, सर्वश्रेष्ठ नृत्य महिला, पुरुष, एवम् बच्चों को भी बेस्ट परिधान में पुरस्कृत किया गया जिसमे अर्णव सचेती,लीला राठी, राखी अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल, दीक्षा, नवीन सुराणा, गीता, चांदनी राहुल अग्रवाल विजेता रहे। इन सभी पुरस्कारों को प्रायोजिकाएं अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल द्वारा दिए गए इसी क्रम में विशेष योगदान शारदा ओमप्रकाश गुप्ता एवम रिंकू अग्रवाल का भी रहा। कार्यक्रम में मुशीराबाद एरिया की कॉरपोरेटर रचनाश्री, वेंकटेश, गोपाल रेड्डी एमएलए, राजकुमार सरायवाला, दोमलगुड़ा शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, मंत्री योगेश अग्रवाल, अनिल गर्ग एवम् संतोष अग्रवाल, अरविंद गोयल ने भी उपस्थित रहकर सहयोग दिया। रिंकू अग्रवाल, सतवंती सरायवाला, तनीषा, सुषमा शाह, ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम की मुख्य संचालिका मधु गोयल ने सभी का स्वागत किया चटपटी चाट, स्वादिष्ट व्यंजनों का सभी ने लुत्फ उठाया, महिला उद्यमियों ने भी अपनी स्टाल्स लगाई। कार्यक्रम में शिवानी गोयल और पायल गर्ग का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपा गर्ग, अंजू गोयल, मधु गोयल, प्रभावती अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, सीमा पंसारी, सीमा गर्ग, सपना अग्रवाल, संगीता देवड़ा, सरला अग्रवाल, अमिता बगेडिया का सहयोग रहा।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी सोसायटी द्वारा अयोजित 51वे रामायण मेले में पधारे राजा सिंह का सम्मान करते हुए मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी, अनिल स्वरूप मिश्रा, सुरेंद्र रेड्डी, वामसी तिलक, गिरिधारीलाल डागा, सुमीत राठी, श्रीनिवास लोया, मनोज जायसवाल, रमेश व्यास, घनश्याम तोषनीवाल, पवन मिश्रा, जुगल सोनी एवं अन्य।

धम्माईगुडा-नागारम स्थित नवरात्रि महोत्सव दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर कन्याओं की पूजा-अर्चनाकर भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित धार्मिक सेवा समिति की किरनकंवर व कन्याएँ।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की वर्ष 2023-25 के कार्यकाल की आठवीं बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर, चिराग़अली कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 15 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कमेटी द्वारा इस कार्यकाल में 22 रिश्ते नक्की हुए। समाज की सभी शाखाओं के सदस्यों से आग्रह कि समाज द्वारा जो निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है, उसका पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करें। बैठक प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित समय पर हर रविवार को होगी सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा का लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह है आगामी बैठक रविवार 29 अक्तूबर को होगी। आज की बैठक में चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन दीनबंधु अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, अशोक कुमार दादरीवाला, गोविंद अग्रवाल तथा अग्रवाल समाज के फिजियो थेरेपी डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा आदि उपस्थित थे ।

एक शाम नवदुर्गा माताजी के नाम भव्य जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में श्री राजपुरोहित नवदुर्गा मित्र मंडल हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान मे नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर एक शाम नव दुर्गामाताजी के नाम जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मित्र मंडल के बाबुसिंह अर्थण्डी ने बताया कि श्री राजपुरोहित नवदुर्गा मित्र मंडल व भक्तों के सानिध्य मे नवदुर्गा माताजी का भव्य पंडाल सजाकर रात्रि 8.15 बजे पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर प्रथम भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इसमें गायकार कुलदीप रावणा ने गणेश वंदना के साथ जागरण का शुभारम्भकर, मरुधरा की पावन धरा से पधारी स्वर कोकिला ललिता पंवार ने राजस्थानी अंदाज़ मे नवदुर्गा माता के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किया। जिसमे जागी-जागी ज्योत दिवले री ज्योत व महाराणा प्रताप के ओजस्वी भजन पर देर रात तक पधारे भक्तों व मित्र मंडल के सदस्यों ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। मध्य रात्रि हास्य कलाकार बिन्दास मारवाड़ी(काकु), ने अपनी कॉमेड़ी से भक्तों को हंसने पर विवश किया। डांसर पूजा मारवाड़ी व भरत मेवाड़ी ने अपनी झांकियों से पधारे भक्तों का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम में पधारे मुख्यअतिथि, सम्मानित अतिथियों व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का विशेष सम्मान मित्र मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

51वें रामायण मेला रावन दहन की तैयारियां जोरों पर

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्सिबिशन सोसाईटी दशहरा सम्मेलन समिति द्वारा 24 अक्टूबर को होने वाले रावन दहन की तैयारिया नुमाईश मैदान में जोर शोर से चल रही मेला के प्रधान संयोजक गोविन्द नारायण राठी की प्रेस विज्ञप्ति द्वारा आज नुमाईश मैदान में रावन दहन की तैयारियों का जायजा गोविन्द राठी, गिरधारी लाल डागा एवं मनोज जयस्वाल ने लिया। गोविन्द राठी ने बताया कि दशहरा 24 अक्टूबर को रावन दहन का कार्यक्रम होगा। सभी पुजन का कार्यक्रम 5.30 बजे भगवान राम का राज्यभिशेक 8 बजे होगा। इसके मुख्य अतिथि हरियाणा राज्यपाल बन्डारू दतात्रेय रहेंगे तथा विशेष अतिथि समाजसेवी राज कुमार मालपाणी रहेंगे। सभी भक्तों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का अह्वान किया।

सामूहिक माता की चौकी एवं जागरण आज, तैयारी पर हुई बैठक

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत में रहने वाले सभी सिखवाल बन्धुओं के लिए काफी हर्ष की बात है कि भाग्यनगर में सिखवाल बन्धुओं की कुलदेवीयों में लगभग 15 कुलदेवीयों के परिवार हैदराबाद-सिकन्दराबाद शहर में रहते हैं। इन सभी कुलदेवियों का सामूहिक जागरण सिखवाल प्रगति समाज युवा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 23 अक्टूबर को रात्रि 8.51 बजे से प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने हेतु एक बैठक महासचिव घनश्याम उपाध्याय एफसीए की अध्यक्षता में रखी गई व अभी तक की गई तैयारियों पर संतोष जताया। इस अवसर पर रामदेव नागला, सुरेश व्यास जानम, चन्द्रभान व्यास, भगवान उपाध्याय, पवन उपाध्याय, गजानन्द ओझा, अनिल उपाध्याय, माणिक पाण्डीया व अन्य उपस्थित थे।

समाजसेवी बृंदा नंद सिंह के निधन पर शोक जताया गया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह के पिता बृंदा नंद सिंह 98 वर्ष के निधन पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रविवार भोर में बिहार के आरा जिले के फूंहा आवास पर उनका निधन हो गया। नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राज नारायण सिंह, महासचिव विनय कुमार यादव, श्याम मोहन यादव, सुशील कुमार श्रीवास्तव, हरि सिंह आदि ने बृंदा नंद सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। वे परम वैष्णव पूज्य श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य श्री त्रिदंडी देव ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल फूंहा के संस्थापक भी है। वे 98 वर्ष के थे। उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन वैष्णव धर्म का प्रचार प्रसार में व्यतीत किया।

अमीरपेट स्थित होटल आदित्य पार्क इन में प्रवासी समाज बन्धुओं द्वारा आत्मीय सभा का आयोजनकर कार्यक्रम में पधारे बत्तौर मुख्यअतिथि पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव का सम्मानकर उपस्थित बीआरएस पूर्व पार्षद शेषुकुमारी, युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, उत्तमसिंह राजपुरोहित, प्रवासी बन्धुओं की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ व पूर्णाहुति कार्यक्रम मे उपस्थित सचिव किशनसिंह राठौड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पंचमुखी हनुमान मंदिर शारदा नगर, वनस्थलीपुरम में मंदिर समिति के तरफ से 9 दिवसीय शरद नवरात्रि का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर आज रविवार को महाष्टमी पर आयोजित दुर्गा माता की विशेष पूजा अर्चना में भाग लेते हुए महासचिव एस. सत्या रेड्डी, समिति सलाहकार एन.के. सिंह, हरि प्रसाद, रघुरामय्या, अंजनेयुलु, जी.आर.एस. रंगाराव, प्रधान पुजारी विट्ठलेश्वर शर्मा एवं अन्य समिति के सदस्य ।

एसएसीआर जीएम ने मध्य रेलवे अस्पताल, लालागुडा का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सेंट्रल रेलवे अस्पताल, लालागुडा, सिकंदराबाद का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. डॉ. सी.के. वेंकटेश्वरलु, वरिष्ठ डॉक्टर और अन्य अधिकारी भी शामिल थे। अरुण कुमार जैन ने कर्मचारियों को विभिन्न वार्डों, मेडिकल रिकॉर्ड, स्टोर खरीद आदि की सुविधा के लिए स्थापित अस्पताल प्रबंधन प्रणाली (एचएमआईएस) के कामकाज की जांच की, महाप्रबंधक ने आपातकालीन वार्ड का निरीक्षण किया, मरीजों से बातचीत की और प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और उपचार के बारे में पूछताछ की। .

उन्होंने नवनिर्मित स्टोर का भी दौरा किया। उन्होंने रोगी वार्डों में दंत बाह्य रोगी विभाग, त्वचा विज्ञान ओपीडी, फार्मेसी, स्टोर, डायलिसिस वार्ड का निरीक्षण किया और आगे के विकास पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। महाप्रबंधक ने मुख्य चिकित्सा निदेशक से स्वयं और परिवार के सदस्यों के लिए सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा विशिष्ट चिकित्सा पहचान पत्र (यूएमआईडी) के पंजीकरण के लिए प्रदान किए गए काउंटरों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने अस्पताल में सुविधाओं में सुधार के संबंध में पेंशनभोगियों, कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों से बातचीत की।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. WAT-RSO-TENDER-13-2023

स्थान सहित कार्य का नाम : तीन वर्षों की समयावधि के लिए विद्युत (OP)/वाल्टियर मण्डल के गैस, सूखे रासायनिक पाउडर की पुन:भराई (Refilling) और त्रुटिपूर्ण स्प्रेयर पाट्र्स के प्रतिस्थापन सहित विभिन्न आकारों के अग्नि शामकों (Fire Extinguishers) का रख-रखाव।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 2,44,512/-, EMD : ₹ 4,900/-, निविदा दस्तावेज की लागत : ₹1,180/-, पुरा होने की अवधि : तीन वर्ष।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 10.11.2023 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (OP), वाल्टियर

PR-698/O/23-24

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पिचों को औसत रेटिंग देने पर द्रविड़ बोले

सम्मानपूर्वक असहमत रहूंगा, मुझे लगता है कि आपको डिफरेंट स्किल्स पर ध्यान देना होगा

धर्मशाला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ मौजूदा वनडे वर्ल्ड कप में चेन्नई और अहमदाबाद के पिचों को आईसीसी द्वारा औसत रेटिंग दिए जाने से सहमत नहीं हैं।

भारत-न्यूजीलैंड मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं निश्चित रूप से उन दो विकेटों के लिए दी गई औसत रेटिंग से सम्मानपूर्वक असहमत रहूंगा। मुझे लगता है कि वे अच्छे विकेट थे। अगर आप केवल 350 रन देखना चाहते हैं और केवल उन्हीं विकेटों को अच्छा मानते हैं, तो मैं इससे असहमत हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि आपको डिफरेंट स्किल्स पर ध्यान देना होगा। अगर हम केवल चौके और छक्के देखना चाहते हैं तो उसके लिए हमारे पास टी-20 क्रिकेट भी है।'

चेन्नई और अहमदाबाद के पिचों को मिली औसत रेटिंग

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच को औसत रेटिंग दी है। वर्ल्ड कप में 15 अक्टूबर तक खेले गए सभी मैचों ये केवल दो पिचें थीं जिन्हें 'औसत' रेटिंग दी गई थी। अन्य को 'अच्छा' या 'बहुत अच्छा' रेटिंग दिया गया।

बता दें, भारत ने 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में पाकिस्तान को 42.5 ओवर में 191 रन पर आउट कर दिया और 7 विकेट से मात दी। वहीं चेन्नई में 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया को 49.3 ओवर में 199 रन पर आउट कर दिया था और 6 विकेट से हराया। पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्ड कप में भारत की यह लगातार 8वीं जीत थी।

वनडे वर्ल्ड कप में भारत Vs पाकिस्तान

- 4 मार्च 1992 (सिडनी) — भारत 43 रन से जीता
- 9 मार्च 1996 (बेंगलुरु) — भारत 39 रन से जीता
- 8 जून 1999 (मैनचेस्टर) — भारत 47 रन से जीता
- 1 मार्च 2003 (सेंचुरियन) — भारत 6 विकेट से जीता
- 30 मार्च 2011 (मोहाली) — भारत 29 रन से जीता
- 15 फरवरी 2015 (एडिलेड) — भारत 76 रन से जीता
- 16 जून 2019 (मैनचेस्टर) — भारत 89 रन से जीता
- 14 अक्टूबर 2023 (अहमदाबाद) — भारत 7 विकेट से जीता

हमें सभी स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए

द्रविड़ ने कहा, 'मैं इससे असहमत हूं क्योंकि मुझे लगता है कि हमें सभी स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए, बीच में स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता। जडेजा की गेंदबाजी या (मिशेल) सेंटनर को गेंदबाजी करते हुए देखना या (एडम) जम्पा को गेंदबाजी करते हुए देखने या केन विलियमसन को बीच के ओवरों में स्ट्राइक रोटेट करते हुए देखना।

विराट कोहली और लोकेश राहुल ने जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाजी की। वे कौशल भी हैं। उनको भी सामने आकर दिखाने और परफॉर्म करने की जरूरत है।'

आखिर स्पिनर क्यों हैं

द्रविड़ ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो दिल्ली या पुणे में शायद 350 रन से अधिक के विकेट भी हैं। केवल वे ही अच्छे विकेट हैं तो फिर गेंदबाज यहां क्यों हैं? आखिर स्पिनर क्यों हैं? अगर आप सभी चाहते हैं कि स्पिनर आएं और 10 ओवर में 60 रन देकर चले जाएं, ताकि आप चौके और छक्के देख सकें और एक गेंद स्पिन हो या दो गेंद स्पिन हो और आप इसे औसत रेटिंग दें।'

साउथ अफ्रीका ने प्वॉइंट्स टेबल में लगाई छलांग

इंग्लैंड की स्थिति नीदरलैंड-श्रीलंका से भी खराब

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 में साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच खेले गए मैच के बाद प्वॉइंट्स टेबल का चेहरा ही बदल गया है. आइए आपको बताते हैं टीमें कौन से नंबर पर हैं...

वर्ल्ड कप 2023 का 20वां मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया. जहां, अफ्रीकी टीम ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और रही सही कसर उनके गेंदबाजों ने पूरी कर दी और टीम ने 229 रनों की एक बड़ी जीत अपने नाम की. इस जीत के साथ ही इंग्लैंड को तो अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, लेकिन पिछली बार की चैंपियन रही इंग्लैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है... तो आइए आपको बताते हैं अब किस नंबर पर है कौन सी टीम...

साउथ अफ्रीका टॉप-4 में शामिल

वानखेड़े स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को 229 रनों से मात दी और 2 अंक हासिल किए. नतीजन, 6 अंक और +2.212 नेट रन रेट की बदौलत अफ्रीकी टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है. आपको बता दें, मौजूदा समय में प्वॉइंट्स टेबल में सबसे अच्छा नेट रन रेट साउथ अफ्रीका का ही है, क्योंकि उसे इंग्लैंड के खिलाफ एक बड़ी जीत दर्ज की है. हालांकि, टॉप-2 में अभी भी न्यूजीलैं और भारत हैं. दोनों के अंक तो 8-8 हैं, लेकिन कीवी टीम का नेट रन रेट टीम इंडिया से बेहतर है, जिसके चलते वो टेबल टॉपर बनी हुई है.

इंग्लैंड की हालत खस्ता

वर्ल्ड कप 2023 शुरू होने से पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा की गत चैंपियन इंग्लैंड की टीम प्वॉइंट्स टेबल में ऐसी स्थिति में भी आ सकती है. असल में, साउथ अफ्रीका के हाथों 229 रनों से हारने के बाद इस टीम की हालत बहुत खराब है और वह प्वॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर है. इंग्लैंड ने अब तक 4 मैच खेले हैं, जिसमें सिर्फ एक जीता है और 3 में हार का सामना किया है. टीम का नेट रन रेट भी माइनस में है. हालत ऐसी है कि इंग्लैंड से नीचे सिर्फ अफगानिस्तान है. बाकी बांग्लादेश, नीदरलैंड और श्रीलंका के पास भी 2 अंक हैं, लेकिन बेहतर रन रेट के चलते वह अंक तालिका में इंग्लैंड से बेहतर स्थिति में है.

महान फुटबालर सर बॉबी चाल्टन नहीं रहे

1966 में इंग्लैंड को जिताया था विश्वकप

लंदन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिडफील्डर चाल्टन को उनकी तेज, जादुई किक और तेजी के लिए जाना जाता था। 1958 में वह एक ऐसी हवाई जहाज दुर्घटना में बचे थे, जिसमें उनके आठ साथी फुटबालरों का निधन हो गया था।

इंग्लैंड के महान फुटबालर सर बॉबी चाल्टन का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 1966 के विश्वकप के सेमीफाइनल में पुर्तगाल के खिलाफ दो गोल कर इंग्लैंड को फाइनल की राह दिखाकर विजेता बनाने वाले चाल्टन को इंग्लैंड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के सर्वकालिक महान फुटबालर की संज्ञा दी जाती है। चाल्टन ने इंग्लैंड के लिए 106 मैचों में 49 गोल किए और मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए उन्होंने 758 मैच में 249 गोल किए। उनके नाम इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड लगभग 40 वर्ष रहा, जिसे उनके ही क्लब के साथी वायने रूनी ने तोड़ा।

सर बॉबी चाल्टन ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 1956 से 1973 तक 758 मैच में 249 गोल किए। वहीं, इंग्लैंड के लिए 1958 से 1970 तक 106 मैच में 49 गोल किए।

हवाई दुर्घटना में बचकर चैंपियन बने

मिडफील्डर चाल्टन को उनकी तेज, जादुई किक और तेजी के लिए जाना जाता था। 1958 में वह एक ऐसी हवाई जहाज दुर्घटना में बचे थे, जिसमें उनके आठ साथी फुटबालरों का निधन हो गया था। इस घटना ने पूरे इंग्लैंड और मैनचेस्टर यूनाइटेड को झकझोर कर रख दिया था। चाल्टन की उम्र उस दौरान महज 21 वर्ष थी। इस घटना के बावजूद उन्होंने फुटबाल की दुनिया में जबरदस्त वापसी की और तीन विश्वकप खेले। इंग्लैंड में हुए 1966 के विश्वकप में फाइनल में जर्मनी के खिलाफ सर ज्योफ हर्स्ट ने गोल किए थे, लेकिन चाल्टन की भूमिका इंग्लैंड को जिताने में काफी अहम थी। इस विश्वकप में उनके भाई जैक चाल्टन भी खेले थे।

पूरे कॅरिअर में कभी लाल कार्ड नहीं दिखाया गया

बॉबी चाल्टन हमेशा विवादों से दूर रहे। मैदान पर भी उन्होंने साफ-सुथरी फुटबाल खेली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेले गए 758 और इंग्लैंड के लिए खेले गए 106 मैचों के दौरान उन्हें कभी लाल कार्ड दिखाकर मैदान के बाहर नहीं भेजा गया।

भाई जैक भी थे 1966 की विश्व विजेता टीम में

1986 से 2013 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रहे सर एलेक्स फग्र्यूसन ने कहा कि सर बॉबी, लाखों फुटबाल प्रेमियों के हीरो थे। वह मैनचेस्टर यूनाइटेड के सर्वकालिक महान फुटबालर हैं। उनकी खेल भावना लाजवाब थी। उनके भाई जैक ने 2007 में बताया था कि बॉबी जब 5 साल के थे तभी उन्हें लग गया था कि वह बहुत बड़े फुटबालर बनेंगे। वह टेनिस की गेंद को सिर से दीवार पर मारते थे और वापस लौटती गेंद उनके पैर पर चुंबक की तरह से चिपक जाती थी। यह हैरान करने वाला था। उनका गेंद पर नियंत्रण अविश्वसनीय होता था।

ऑस्ट्रेलियाई तैराक कायली मैककेन ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

50 मीटर बैकस्ट्रोक में रचा कीर्तिमान

बुडापेस्ट, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कायली ने चीन की लियू जियांग के 2018 में बनाए गए 26.98 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। इस तरह से वह 50, 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली पहली महिला बन गईं हैं।

ऑस्ट्रेलिया की तैराक कायली मैककेन ने बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में अपना दबदबा कायम रखते हुए शुक्रवार को यहां विश्व कप प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर बैकस्ट्रोक में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। मैककेन ने 26.86 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

उन्होंने चीन की लियू जियांग के 2018 में बनाए गए 26.98 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। इस तरह से वह 50, 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली पहली महिला बन गईं हैं।

उन्होंने जुलाई में विश्व चैंपियनशिप में इन तीनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण पदक हासिल किया था। 50 मीटर बैकस्ट्रोक ओलंपिक में शामिल नहीं है।

'मुझे पाकिस्तानी मत कहो'

पाकिस्तान की हार के बाद पूर्व क्रिकेटर का अनोखा बयान हुआ वायरल

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की लगातार दो हार के बाद टीम के प्रदर्शन को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। इसी बीच दिग्गज का बयान चर्चा में है।

वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तानी की लगातार दूसरी हार के बाद कई सवाल टीम के कॉम्बिनेशन और कप्तान बाबर आजम को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर भी टीम के कॉम्बिनेशन पर सवाल उठा रहे हैं। इसी कड़ी में एक पूर्व क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की हार के बाद एक अनोखा बयान दे दिया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि, मुझे पाकिस्तानी मत कहो। यह पूर्व क्रिकेटर वर्तमान में पाकिस्तान में नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया में रहता है।

पूर्व दिग्गज ने क्यों दिया ऐसा बयान?

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज गेंदबाज वकार यूनिस ने यह अनोखा बयान दिया है। मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स पर शेन वॉटसन और एरोन फिंच के साथ बात करते हुए वकार ने यह बयान दिया। दरअसल उनका पूरा बयान कुछ और था लेकिन ऐसा नहीं है कि उन्होंने यह नहीं कहा। वह ऐसा बोले थे कि मुझे पाकिस्तानी मत कहो। बल्कि वह यह भी बोले थे कि, मैं आधा ऑस्ट्रेलियाई भी हूं। आपको बता दें कि वकार यूनिस के पास ऑस्ट्रेलिया की सिटिजनशिप है। वह सिडनी में रहते हैं।

हार्दिक के बाद अब सूर्यकुमार यादव इंजर्ड

ईशान किशन को भी हुई बड़ी समस्या

धर्मशाला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। धर्मशाला में प्रैक्टिस करते हुए सूर्यकुमार यादव को चोट आई है और ईशान किशन के साथ भी कुछ ऐसा हुआ है, जिसके बाद टीम इंडिया को दोहरा झटका लगा है...

टीम इंडिया धर्मशाला पहुंच चुकी है. जहां, 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलना है. लेकिन, इससे पहले भारतीय टीम पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. पहले से ही हार्दिक पांड्या इंजर्ड होकर न्यूजीलैंड के साथ होने वाले मैच से बाहर हो चुके हैं. वहीं, अब प्रैक्टिस के दौरान सूर्यकुमार यादव को चोट लग गई है और ईशान किशन को मधुमक्खी ने काट लिया है. दोनों ने ही मैदान छोड़ दिया.

ईशान-सूर्या ने प्रैक्टिस के बीच छोड़ा मैदान

धर्मशाला में न्यूजीलैंड के साथ होने वाले मैच से एक शाम पहले भारतीय टीम प्रैक्टिस करने मैदान पर आई. जहां, सभी खिलाड़ियों ने नेट्स पर हाथ आजमाएं. मगर, इसी बीच टीम इंडिया को झटका लगा है. रिपोर्ट्स की मानें, तो सूर्यकुमार यादव की दाहिनी कलाई पर गेंद लगी और उन्होंने तुरंत नेट्स छोड़ दिया और ईशान किशन को मधुमक्खी ने काट लिया, तो वो भी मैदान से बाहर चले गए.

सूर्या थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु के साथ प्रैक्टिस कर रहे थे, तभी उनकी दाईं कलाई में चोट लग गई और पट्टी बांधकर मुस्कुराते हुए उन्होंने मैदान छोड़ दिया.

पहसे ही चोटिल हैं हार्दिक पांड्या

भारत और बांग्लादेश के बीच हुए मुकाबले में हार्दिक पांड्या को एंकल में चोट लगी थी, जिसके चलते वह न्यूजीलैंड के साथ धर्मशाला में होने वाले मैच से बाहर हो चुके हैं. हार्दिक के रिप्लेसमेंट को लेकर पहले से ही टीम इंडिया के खेमे में चिंता होगी. ऐसे में ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के साथ प्रैक्टिस के दौरान हुई घटनाओं ने टीम की चिंता और बढ़ा दी होगी. खबरों के माध्यम से ये बात सामने आ रही थी कि रोहित शर्मा हार्दिक के रिप्लेसमेंट के तौर पर सूर्यकुमार यादव को अंतिम ग्यारह में जोड़ने की प्लानिंग कर रहे हैं. ऐसे में यदि SKY की इंजरी सीरियस हुई, तो टीम मैनेजमेंट की मुश्किलें बढ़ सकती हैं.

भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे इतिहास के 5 सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, कौन-कौन हैं शामिल

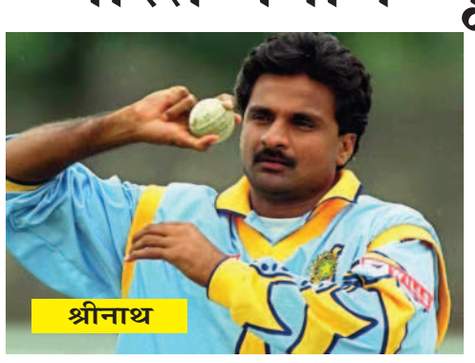
श्रीनाथ

अनिल कुंबल

साउदी

कपिल देव

मिल्स

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीमें आज (22 अक्टूबर) वर्ल्ड कप 2023 में आमने-सामने होगी. इस मुकाबले से पहले जानें इन दोनों टीमों के बीच हुए वनडे मैचों के 5 सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज...

भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए वनडे मुकाबलों में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने का रिकॉर्ड पूर्व भारतीय गेंदबाज जवागल श्रीनाथ के नाम दर्ज है. श्रीनाथ ने कीवी टीम के खिलाफ साल 1992 से 2003 के बीच 30 मुकाबले खेले और 51 विकेट चटकाए.

अनिल कुंबले भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे मैचों में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने साल 1994 से 2003 के बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ 31 मैच खेले और 39 विकेट हासिल किए.

वर्ल्ड कप 2023 की न्यूजीलैंड स्क्वाड में शामिल टिम साउदी भी इस लिस्ट में शामिल हैं. वह यहां तीसरे नंबर पर हैं. साउदी ने भारत के खिलाफ 24 मैचों में 35 विकेट हासिल किए हैं.

दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर रहे कपिल देव इस लिस्ट में चौथे क्रम पर हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ साल 1979 से 1994 के बीच 29 मैच खेलते हुए 33 विकेट चटकाए.

न्यूजीलैंड के काइल मिल्स यहां पांचवें पायदान पर हैं. मिल्स ने साल 2001 से 2014 के बीच टीम इंडिया के खिलाफ 29 मैचों में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने 32 विकेट हासिल किए.

दशहरा सम्मेलन 51वाँ स्वर्णोत्सव रामायण मेला

राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्ज़ीबिशन सोसाइटी द्वारा
51वाँ रामायण मेला एवं दशहरा सम्मेलन

कल मंगलवार 24 अक्तूबर 2023 } नुमाईश मैदान नामपल्ली, हैदराबाद

दशहरा सम्मेलन 51वाँ स्वर्णोत्सव रामायण मेला

कल
शमी पूजन
सायं 5.30 बजे
सांस्कृतिक कार्यक्रम
रात्रि 7.30 बजे

कल
भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक
रात्रि 8.00 बजे
श्रीराम दरबार मानव झाँकी

गगनभेदी आतिशबाजी

गगनभेदी आतिशबाजी

कमलनारायण अग्रवाल
अध्यक्ष : राजस्थानी प्रगति समाज

मुख्य अतिथि

श्री बंडारु दत्तात्रेय
राज्यपाल : हरियाणा

विशेष अतिथि

श्री राजकुमार मालपानी
समाज सेवी

श्री बृजगोपाल भूतड़ा
समाज सेवी

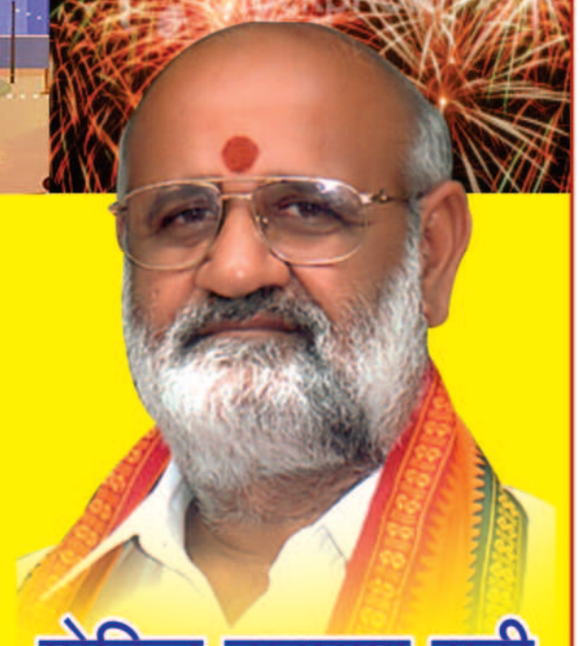

गोविन्द नारायण राठी
मानद मंत्री : राजस्थानी प्रगति समाज

प्रदर्शनी समिति

टी. हरीश राव
अध्यक्ष

सत्येन्दर वी.
उपाध्यक्ष

हनुमंत राव बी.
मानद मंत्री

चंद्रजीत सिंह
सहमंत्री

राजेन्द्रकुमार ई.
कोषाध्यक्ष

एक्नॉमिक कमिटी

डॉ. डी. गंगाधर राव
अध्यक्ष

आदित्य मार्गम
उपाध्यक्ष

जी.वी. रंगा रेड्डी
मानद मंत्री

धीरजकुमार जयसवाल
सह-मंत्री

डॉ. टी.एन. दक्षा तिलक
कोषाध्यक्ष (संयोजक : डांडिया उत्सव)

गिरधारीलाल डागा
कोषाध्यक्ष : रामायण मेला

नवरात्रि डांडिया उत्सव संयोजकगण

अनिल स्वरूप मिश्रा

एन. विनय कुमार

बी. सुरेन्दर रेड्डी

मनोज जयसवाल

सुमीत राठी

संयोजक : कलावती जाजू, रमेशकुमार बंग, नन्दगोपाल भट्टड़, लक्ष्मीनारायण राठी, रामदेव नागला, विमल डालिया, प्रेमलता कांकाणी, राजेन्द्रकुमार सांखला, भगतसिंह सोलंकी, प्रेमचन्द शर्मा, शकुंतला नावंदर, पवनकुमार, पवन मिश्रा, गड्डम रघु

रमेशचन्द्र व्यास, श्रीमती रूबी मिश्रा, सुश्री सविता सोनी, श्रीमती श्यामा नावन्दर, श्रीमती सुरेखा सारड़ा, रवि हेडा, श्रीनिवास लोया, घनश्याम तोष्णीवाल, मोहित मिश्रा, विजय उपाध्याय, नवल सांखला, सपना गुप्ता, श्रीमती रचना गुप्ता, लक्ष्मीकांत पाण्डे, जुगल सोनी, सुरेन्द्रकुमार मिश्रा, दामोदर तिवारी, नवल ब्यास, मोहित मिश्रा, रूपम तुरखिया, संजय तिवाड़ी, पं. शंकरलाल, कचरुलाल शर्मा, विनोद कुमार, संदीप कुमार, विजय शर्मा

जय श्री कृष्णा

सहयोगी : रामनिवास भूतड़ा * ब्रिजगोपाल भूतड़ा * लूणिया चैरिटीज़ * ओमप्रकाश जाखोटिया * ब्रिजगोपाल असावा * घनराज रामवल्लभ भाटी * फेयर प्राईस, बड़ी चावड़ी * राजकुमार मालपानी * मणियार रिफाइनरी * शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वेलर्स बालाजी रामाकिशन पंसारी * हरिकिशन ओझा * लक्ष्मीनारायण राठी * श्री श्रीनिवासा डेयरी प्रॉडक्ट्स (स्कूल्स) * केसरीमल प्रमोदकुमार * सोमानी इस्पात, बालानगर * एच एस टी स्टील, बालानगर * आर.एन. मेटल्स प्रा.लि., बालानगर * ए आर सी पब्लिक वेलफेयर ट्रस्ट * टेक्नो मशीन टूल्स, सिकन्दराबाद * चारभुजा मार्बल, एल.बी.नगर * मंगतराय, पत्थरगट्टी * हरिप्रसाद चाण्डक (श्रीराम एलेक्ट्रिकल्स, मलकपेट) * सोहनलाल कडेल (कडेल इन्वयोरेन्स) * सूरजभान ज्वेलर्स, बशीरबाग * कन्हैयालाल लोहिया कीमती देवेन्द्र निशा चेरिटेबल ट्रस्ट * अशोक कुमार कीमती * तारा सुरेशकुमार कीमती * तिबारुमल एंड सन्स, कौत्तापेट * बालाजी महेश मिठाई, मासाब टैंक * श्रीकांत ज्वेलर्स, बंजारा हिल्स * श्री कृष्णा ज्वेलर्स, बंजारा हिल्स * चेतनजी (बीकानेरवाला, बंजारा हिल्स) * एम.बजरंगलाल एंड सन्स, गनफाउण्ड्री * कनिष्क स्टोरेज सिस्टम, नामपल्ली * दोसी सारीज़ * सूरजभान एंड कं. ज्वेलर्स, गनफाउण्ड्री * बालाराम नरेशचन्द्र विजयवर्गीय * कुंदनलाल वर्मा, नानकरामगुड़ा * राजकुमार लोहिया * चाण्डक चेरिटेबल ट्रस्ट मुकुंदलाल नथमल डालिया * श्रृंगार, बेगम बाज़ार * टीपु सोनी, पत्थरगट्टी * हरिद्वारजी हरिरामजी * तायल ज्वेलर्स * टूरिस्ट प्लाज़ा * रामेश्वरलाल सूर्यप्रकाश हेडा * तिरुमला केमिकल एंड एलोय इंडस्ट्री * न्यू भारत, रामकोट * सारंग कृष्णमूर्ति, बेगम बाज़ार वासु बुक डिपो * अलका वॉच कं. * सविता स्टील * वेंकटेश बुक एजेन्सीज़ * सुरेन्द्र कौशल्याबाई लखोटिया * श्रीनिवास डालिया, बेगम बाज़ार * जगदीशप्रसाद यादव * शाह बुक हाउस * राजेश गुप्ता (विष्णु एजेन्सीज़) * ताज महल होटल * गोपीकिशन भांगडिया * सुमन एण्टरप्राईज़ेस * बालाजी रतनलाल, काचीगुड़ा * प्रमोदकुमार अग्रवाल * संतोषकुमार अग्रवाल * जगदीशप्रसाद अग्रवाल * द्वारकाप्रसाद सुधीरकुमार अग्रवाल * रामप्रसाद भाटी, बेगम बाज़ार * सुरेन्द्र अग्रवाल * निर्मल कुमार वेलफेयर सोसाईटी * शांतिदेवी चेरिटेबल ट्रस्ट * विमल मेचिंग सेंटर * श्रीनाथ ज्वेलर्स, आबिड्स * बालाजी सेनिटरी मार्ट * सय्यद साहर हुसैन * बाहेती स्टील ट्रेडर्स * दुर्गा बुक हाउस, कोठी * रतनसिंह शेखावत * अशोक हेडा * राजकमल बुक सेन्टर

* प्रभु श्रीराम के श्रीचरणों में *

REAL AGRO INDUSTRIES PVT. LTD.
Medchal, Hyderabad (Telangana)

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.